मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	27.0
जमशेदपुर	32.4	25.8
डालटनगंज	32.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 104 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

आरपीएफ जवान ने बचाई युवक की जान

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की सतर्कता से एक युवक की जान बच गई है. युवक चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहा था. इसी क्रम में वह गेट पर फंस गिर गया. उसका शरीर का हिस्सा प्लेटफॉर्म पर था. युवक को देखते ही रांची रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवान ने उसकी तरफ दौड़ लगाई और काफी हिम्मत के साथ उसकी जान बचाई. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. यह घटना शनिवार की रात हुई है.जब संख्या 18602 हटिया टाटानगर पैसेंजर के रांची स्टेशन से खुलते ही एक युवक ट्रेन से उतरने की कोशिश में प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा, उसी वक्त ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के जवान शशि कुमार ने ऑपरेशन जीवन रक्षा के अनुसार उस युवक को अपनी ओर खींचकर उसकी जान बचाई.

सेना भर्ती निदेशक एएसपी से मिले

रांची। झारखंड में वर्ष 2024-25 के लिए सेना भर्ती रैली का आयोजन 27 जुलाई से 10 अगस्त तक राजधानी रांची के खेलगांव में होना है. इसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है. सेना भारती कार्यालय रांची, जिला प्रशासन के साथ मिलकर ग्राउंड और रेस्ट एरिया, मार्शलिंग, रन ट्रैक, डॉक्यूमेंटेशन, मेडिकल टेस्ट स्थल का पूर्व में ही कर चयन कर लिया गया है. इसी क्रम में रविवार को निदेशक सेना भर्ती कर्नल विकास भोला ने एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर खेलगांव स्पोर्टस काम्प्लेक्स में होने वाली रैली के दौरान सुरक्षा, भर्ती के दौरान दलालों की पहचान कर उनपर कानूनी कार्रवाई करने, रैली में शामिल अभ्यर्थी का पुलिस वेरिफिकेशन रैली स्थल पर करने का आग्रह किया. एसएसपी ने कहा कि जो भी मदद की आवश्यकता होगी, उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे. कर्नल विकास भोला ने अभ्यर्थियों के साथ ही साथ उनके अभिभावकों से दलालों से सावधान रहने की अपील की है,.

महिला एवं किशोरी कल्याण योजना के तहत झारखंड की महिलाओं को राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी पैड

राज्य की 40 लाख महिलाओं को उपलब्ध कराया जाएगा सैनिटरी पैड

रवि भारती। रांची

राज्य की 40 लाख महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराया जाएगा. सैनिटरी पैड राज्य सरकार द्वारा महिला एवं किशोरी कल्याण योजना के तहत उपलब्ध कराए जाएंगे. इसके पीछे महिला बाल विभाग का तर्क है कि महिलाओं के स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को देखते हुए जागरूक बनाया जा सकेगा. सैनिटरी पैड के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सकेगा. महिलाओं को विभिन्न रोगों से बचाया जा सकेगा. साथ ही किशोरियों एवं महिलाओं के आत्मबल में वृद्धि से उन्हें प्रगति की राह में अग्रसर बनाया जा सकेगा.

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध होगा सैनिटरी पैड : इस योजना के तहत राज्य की 20-40 वर्ष की महिलाओं को प्रत्येक तीन माह पर छह सैनिटरी पैड के तीन-तीन पैकेट आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा. साथ ही लाभार्थियों को सैनिटरी पैड पैकेट विलेज हेल्थ, सेनिटेशन व न्यूट्रिशन दिवस पर आंगनबाडी केंद्रों में दिया जाएगा. प्रत्येक लाभुक को सैनिटरी पैड उलब्ध कराने में प्रति तिमाही प्रति लाभुक 54 रुपये का खर्च आएगा. इस योजना के क्रियान्वयन पर प्रति वर्ष 86.40 करोड़ रुपये का खर्च आएगा.

खास बातें

- 20 से 40 साल की महिलाओं को उपलब्ध होगी सुविधा
- प्रतिवर्ष 86 .40 करोड़ खर्च करेगी इस कार्य में सरकार
- प्रति लाभुक को लाभ के लिए खर्च होंगे 54 रुपये

योजना का क्या है उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य है कि किशोरियों एवं महिलाओं को सुदृढ़ पोषण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना है. अच्छी आदतें प्रबुद्ध करने सहित महिलाओं से संबंधित उत्कृष्ट सामाजिक रिवाज प्रवृत्त करना है, जिससे किशोरियों एवं महिलाओं के लिए एक सशक्त एवं प्रगतिशील समाज का निर्माण कर उनका कल्याण एवं सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सके. किशोरियों एवं महिलाओं के आत्मबल में वृद्धि से उन्हें प्रगति की राह में अग्रसर बनाया जा सकेगा.

ऐसे मिलेगा योजना का लाभ

इस योजना के लाभ के लिए महिलाओं का पंजीकरण वैध अभिलेखों के आधार पर आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। महिलाओं का आधार कार्ड नहीं रहने के कारण उन्हें इस सेवा प्राप्ति से वंचित नहीं किया जायेगा. अन्य पहचान पत्रों जैसे पैन कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पहचान पत्रों के आधार पर लाभान्वित किया जायेगा. आंगनबाड़ी सेविका द्वारा ऐसी महिलाओं का आधार पंजीकरण जल्द कराया जायेगा.

हमेशा मिली-जुली या जोड़-तोड़ कर ही राज्य में बनती रही है सरकार

चार विधानसभा चुनावों में बहुमत से दूर रही हैं पार्टियां

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड गठन के बाद से ही राज्य में मिली-जुली या तोड़-तोड़ वाली सरकार बनाने की कवायद रही है. 2000 में बिहार से अलग होकर बने झारखंड में पहली बार 2005 में विधानसभा चुनाव कराया गया. राज्य बनने के बाद 2005, 2009, 2014 के विधानसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन या भाजपा गठबंधन ने भले ही बहुमत हासिल कर लिया हो, लेकिन हर बार कोई पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पायी. अब 2024 के विधानसभा चुनाव में यह देखना रोचक होगा कि कोई राजनीतिक दल अकेले बहुमत का जादुई आंकड़ा 41 तक पहुंच पाता है या नहीं.

2014 में रघुवर दास ने पूरा किया था अपना कार्यकाल : हालांकि 2014 में भी भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आयी. लेकिन इस चुनाव में भाजपा को 35 सीटों से ही संतोष करना पड़ा. जबकि एनडीए की घटक दल आजसू पार्टी को 5 सीटें मिलीं और फिर से राज्य में मिली-जुली सरकार बनी. 2014 के विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें लाकर भाजपा सत्ता में आयी और रघुवर दास ने 28 दिसंबर, 2014 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. बाद में हुए उपचुनाव में भी पार्टियों के विधायकों की संख्या में बदलाव होता रहा. सरकार बनने के बाद 11 फरवरी, 2015 को झारखंड विकास मोर्चा-प्रजातांत्रिक के 6 विधायक ने भाजपा ज्वाइन कर ली थी. इनमें अधिकांश को बोर्ड-निगम में पद व मंत्री पद मिला. 2014 में भाजपा के नेतृत्व में बनी सरकार ने अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर रही है. वहीं 2019 के चुनाव में भाजपा ने 65 पार का लक्ष्य रखा. जबकि एनडीए के घटक दल आजसू, भाजपा दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ा था.

2005 से 2019 तक विस चुनाव में दलगत स्थिति

पार्टी	2005	2009	2014	2019
भाजपा	30	18	35	25
आजसू पार्टी	02	05	05	02
जेडीयू	06	02	-	-
झामुमो	17	18	17	30
कांग्रेस	09	14	06	16
एनसीपी	01	-	-	01
आरजेडी	07	05	-	01
यूजीडीपी	02	-	-	-
एआईएफ	02	-	-	-
माले	01	01	01	-
झारखंड पार्टी	01	01	01	-
जेबीएसपी	-	01	01	-
जेजेएम	-	01	-	-
झाविमो	-	11	08	03
मासस	-	01	01	-
आरकेपी	-	01	-	01
बीएसपी	-	-	01	-
निर्दलीय	03	02	01	02

2009 में भाजपा-झामुमो को मिली थी 18-18 सीटें

2009 में भी झारखंड में मिली-जुली सरकार बनी. 2009 के चुनाव भाजपा 18 सीट पर जीती. वहीं झामुमो को भी 18 सीट मिली. तीसरे बड़े दल के रूप में कांग्रेस पार्टी उभरी, जिसने 14 सीटों पर चुनाव जीता. 11 सीटों के साथ झाविमो चौथे स्थान पर रहा. आजसू व राजद को पांच-पांच सीट मिली. जदयू को दो, माले, झापा, मासस, जय भारत समता पार्टी, झारखंड जन अधिकार मंच को एक-एक व 3 सीट निर्दलीयों ने चुनाव जीता था.

2005 के चुनाव में भाजपा ने जीती थी 30 सीटें

2005 में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 30 सीट पर जीत हासिल की थी. जबकि दूसरे स्थान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा रहा. जेएमएम को 17 सीट मिली थी. नौ सीटों के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही थी जबकि 7 सीटों के साथ राष्ट्रीय जनता दल चौथे स्थान पर. 2005 के चुनाव में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक व आजसू को 2-2 सीट मिली. जबकि माकपा माले, राष्ट्रवादी कांग्रेस, झारखंड पार्टी 1-1 सीट पर चुनाव जीती थी. जनता दल यूनाइटेड को छह सीट व पांच निर्दलीय को जीत मिली थी.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से 10 बंदी रिहा किए गए

संवाददाता। रांची

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से रविवार को 10 बंदी रिहा हुए. झालसा के निर्देश पर बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में जेल अदालत का आयोजन किया गया. इस दौरान विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के लिए 10 बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया था. आठ वादों का निष्पादन करते हुए 10 बंदियों को दोष स्वीकार के उपरांत जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया. इस अवसर पर कमलेश बेहरा, डालसा सचिव, मनोज कुमार इंदरवार, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, विजय कुमार यादव, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी, कविता खती और स्वीकृति विनया एलएडीसी अधिवक्ता-सह-जेल भिजिटर अधिवक्ता, कारापाल, सहायक कारापाल और काराकर्मी उपस्थित थे.

जेल अदालत में शामिल पदाधिकारी व दंडाधिकारी.

भू-माफिया के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भू-माफिया के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा. बाबूलाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी संगठनों ने भू-माफिया द्वारा आदिवासियों की रैयती जमीनों की लूट के खिलाफ धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया था. उन्होंने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में वो भी शामिल हुए. बाबूलाल ने लिखा कि विगत 5 वर्षों के दौरान जेएमएम-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में भू-माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत से सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर सैकड़ों एकड़ आदिवासी जमीन पर कब्जा किया गया है. गरीब आदिवासियों की जमीनों को भू-माफिया के चंगुल से मुक्त कराने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा. हेमंत सोरेन परिवार ने हाईकोर्ट में 108 जमीन की डीड जमा की है. ये सरकार सिर्फ अपने परिवार का विकास करने में व्यस्त है. जनता खुद को ठगा सा महसूस कर रही है.

भाकपा माओवादी ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया

संवाददाता। रांची

भाकपा माओवादी नक्सलियों ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया है. एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता विवेक की पत्नी जया की गिरफ्तारी के विरोध में नक्लसियों ने बंद का ऐलान किया है. भाकपा माओवादियों के बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने बंद की घोषणा की है. गौरतलब है कि बीते दिनों में गिरिडीह पुलिस ने धनबाद में कैंसर का इलाज करवा रही महिला नक्सली जया समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था.

मानसिक व शारीरिक यातना देने की कही गयी बात : प्रवक्ता आजाद ने कहा है कि गिरफ्तारी के बाद जया दीदी को पुलिस अपने हिरासत में रखकर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दे रही है. जया दीदी के साथ गिरफ्तार शांति कुमारी और डॉक्टर पांडे को पुलिस ने हत्या की नियत से गायब कर दिया है. क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी पिछले कई दिनों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है. इसकी वजह से वह धनबाद में अपना इलाज करवा रही थी. लेकिन कुछ गद्दारों की वजह से पुलिस को उनके बारे में सूचना मिल गयी. इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. प्रेस विज्ञप्ति में यह भी लिखा गया है कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी और उनके साथ पकड़े गये तीन लोगों को गायब कर दिया गया है. उन्हें लगातार मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी जा रही है. इसका पार्टी कड़ी भर्त्सना करती है. उनकी गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई को एक दिवसीय बिहार-झारखंड बंद का ऐलान किया जाता है. नक्सलियों ने अपने साथियों से अपील की है कि वह जया हेंब्रम की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बंद को सफल बनायें.

झारखंड में भी केआईएसएस की शाखा खोली जाए : हेमंत सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद व केआईआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री एवं डॉ सामंत के बीच राज्य में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार, वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और अन्य विकास के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई. हेमंत सोरेन ने राज्य में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस की शाखा खोलने को लेकर डॉ. अच्युत सामंत से विचार-विमर्श किया. मुख्यमंत्री ने डॉ. सामंत से कहा कि विगत दिनों उनके ओडिशा दौरे के क्रम में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था. मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि वर्ष 2025 में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस की शाखा झारखंड में भी खोली जाए, ताकि यहां के लोगों का लाभ मिले.

पांच दिनों तक तापमान में बदलाव के आसार नहीं

झारखंड में मॉनसून ने रफ्तार पकड़ी, कल से झमाझम बारिश

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में मॉनसून से रफ्तार पकड़ ली गई. रविवार को रांची सहित कई जिलों में बारिश हुई. मौसम केंद्र के अनुसार 23 जुलाई से राज्य में भारी बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं अगले पांच दिनों में तापमान में कोई बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं. 23 जुलाई को राज्य के दक्षिण और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका असर खूंटी, गुमला, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिले में देखने को मिलेगा.

24 जुलाई को रांची सहित कई जिलों में होगी भारी बारिश : मौसम केंद्र के अनुसार 24 जुलाई राज्य के मध्यर और निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है. इसका असर रांची, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा जिले में देखने को मिलेगा. वहीं राज्य के उत्तर-पूर्वी और निकटवर्ती दक्षिण-पूर्वी भागों में 25 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका असर पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज जिले में देखने को मिलेगा.

हाल-ए-झारखंड सीएम हेमंत सोरेन के आदेश का भी पालन नहीं किया गया

542 में सिर्फ 83 थानों में है फर्स्ट एड किट

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड के 542 में से सिर्फ 83 थानों में ही फर्स्ट एड किट की सुविधा है. जबकि सीएम हेमंत सोरेन ने 18 फरवरी 2021 को ही रोड सेफ्टी की बैठक में अधिकारियों को इसको लेकर आदेश दिया था.

सीएम ने कहा था कि सड़क हादसे में होने वाली अधिकांश मौतों का मुख्य कारण अत्यधिक खून बहना होता है. इसे रोकने के लिए जरूरी है कि थानों में पर्याप्त व्यवस्था हो.

सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया था कि राज्य के सभी थानों में ऑक्सीजन सिलेंडर, दो स्ट्रेचर और फर्स्ट एड किट की व्यवस्था करें. हेमंत सोरेन के आदेश के साढ़े तीन साल बाद भी सभी थानों में फर्स्ट एड किट की व्यवस्था नहीं हो पायी. जमशेदपुर और साहेबगंज जिले के सभी थानों में फर्स्ट एड किट की सुविधा उपलब्ध है.

खास बातें

- वर्ष 2021 में ही सीएम ने आदेश जारी किया था
- सीएम ने रोड सेफ्टी की बैठक में आदेश दिया था

कितने थानों में फर्स्ट एड किट की सुविधा है उपलब्ध

जिला	थाना	फर्स्ट एड किट	जिला	थाना	फर्स्ट एड किट
रांची	45	00	कोडरमा	12	00
गुमला	18	00	चतरा	14	00
लोहरदगा	13	00	गिरिडीह	32	00
सिमडेगा	18	00	धनबाद	61	00
खूंटी	10	00	बोकारो	41	00
जमशेदपुर	40	50	दुमका	16	00
चाईबासा	29	02	देवघर	22	00
सरायकेला	18	02	जामताड़ा	09	00
पलामू	28	00	गोड्डा	16	00
गढ़वा	22	00	पाकुड	10	00
लातेहार	12	00	साहिबगंज	17	24
हजारीबाग	27	05	कुल	542	83
रामगढ़	13	00	----------		

क्लासिफाइड

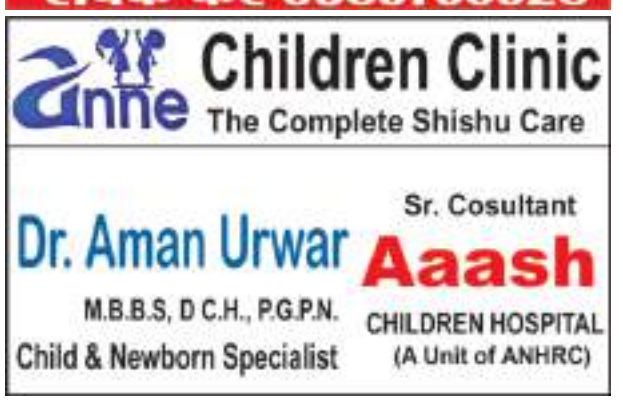

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 104

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पवित्र श्रावण मास आज से, बन रहा अद्भुत संयोग

सोमवार से सावन का पवित्र महीना शुरू हो गया है. भगवान शिव के समक्ष लाखों शिवभक्त इस महीने अपने आराध्य की पूजा-अर्चना में लीन रहेंगे. भोले बाबा से सब सुख समृद्धि और खुशहाली का आर्शीवाद मांगेंगे. इस साल का सावन कई मायनों में बेहद खास है. खास इसलिए है कि 29 दिन के सावन में पांच सोमवार पड़ेंगे. इन 29 दिनों में सर्वार्थ सिद्धि योग, शिव वास, अमृत सिद्धि योग, प्रीति योग सहित कई शुभ योग का निर्माण भी होने जा रहा है.

सोमवारी कब-कब

- 22 जुलाई- पहला सोमवार
- 29 जुलाई- दूसरा सोमवार
- 05 अगस्त- तीसरा सोमवार
- 12 अगस्त- चौथा सोमवार
- 19 अगस्त- पांचवां सोमवार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

नीट-यूजी पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा. एनटीए ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए थे. इसमें पेपर लीक और असामान्य अंक मिलने के आरोप हैं. शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार चीफ जस्टिम डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी.

चुनावी बॉण्ड की जांच पर भी आज सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट चुनावी बॉण्ड योजना की कोर्ट की निगरानी में जांच का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ दो गैर सरकारी संगठनों - कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकती है. चुनावी बॉण्ड को घोटाला करार देते हुए याचिका में मुखौटा कंपनियों और घाटे में चल रही उन कंपनियों के वित्तपोषण के स्रोत की जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है.

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना हैं: शाह

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया है. शाह ने पवार और उद्धव ठाकरे पर जम कर निशाना साधा. -देखें पेज 12

बुजुर्गों की आबादी हो जाएगी दोगुनी

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत इकाई यूएनएफपीए- इंडिया की प्रमुख एंड्रिया वोजनार ने कहा है कि भारत की बुजुर्ग आबादी 2050 तक दोगुनी हो जाने की संभावना है और देश में खासकर उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है, जिनके अकेले रह जाने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है.

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

डेढ़ लाख कर्मी आंदोलित

विरोधी दल बना रहे मुद्दा, चूक नहीं रहे मौका, कर रहे वार पर वार

रवि भारती। रांची

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड के डेढ़ लाख सरकारी और अनुबंधकर्मियों के आंदोलन ने राज्य में राजनीतिक तपिश बढ़ा दी है. विभिन्न संघों के बैनर तले कर्मचारियों का विरोध-प्रदर्शन भी जारी है. चुनावी माहौल की नब्ज को टटोलते हुए कर्मचारी संघ आंदोलन में कूद पड़े हैं. सत्ता पक्ष -विपक्ष की ओर से दिलासा-भरोसा और आश्वासन का भी दौर चल रहा है, पर कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं. विरोधी दलों को इन आंदोलनों से बड़ा मुद्दा हाथ लग गया है. वहीं सत्ता पक्ष नरमी के साथ इन आंदोलनों को शांत कराने में जुटा है. इधर, विपक्ष के नेता कर्मचारियों के मुद्दे को गरमाने में जुट गए हैं.

बता दें कि सहायक पुलिसकर्मियों पर बीते दिनों लाठियां चटकाई गईं. इस घटना के बाद भाजपा मुखर हो गई और सरकार को आड़े हाथों लिया. असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा घायलों से मिलने रिम्स अस्पताल भी पहुंच गए. वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा की सरकार बनी, तो पहली कैबिनेट में ही पुलिसकर्मियों के आगे लगने वाला सहायक शब्द हटा दिया जाएगा. बहरहाल कर्मचारियों के आंदोलन ने प्रदेश के राजनीति तापमान को बढ़ा दिया है.

राज्य के सरकारी से लेकर अनुबंधकर्मी भी हैं आर-पार के मूड में

राज्यकर्मी का दर्जा मांग रहे पारा शिक्षक

राज्य के पारा शिक्षक भी आंदोलनरत हैं. 25 जुलाई को उनकी मांगों पर फिर से चर्चा होनी है. पारा शिक्षक राज्य कर्मी का दर्जा देने व वेतनमान देने की मांग कर रहे हैं. साथ ही पारा शिक्षक कल्याण कोष के माध्यम से जीवन व स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने, अनुकंपा पर आश्रितों को नौकरी देने, पिछली सरकार में पारा शिक्षक नेताओं के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी को वापस लेने की मांग पर अड़े हैं.

सहायक पुलिसकर्मी डटे हैं मैदान में, क्या हैं मांगे

राज्य के सहायक पुलिसकर्मी आंदोलनरत हैं. इनकी बहाली 2017 में हुई थी. इनकी बहाली का उद्देश्य था कि 12 नक्सल प्रभावित जिलों में विधि व्यवस्था दुरुस्त करने में पुलिसकर्मियों की मदद करना. इनकी मांग है कि वेतन बढ़ाया जाए और सेवा स्थाई की जाए. सरकार के तमाम आश्वासन के बावजूद सहायक पुलिसकर्मी आंदोलित हैं और स्थाई समाधान चाहते हैं.

अपनी मांग को लेकर हेल्थवर्कर भी आंदोलित

स्थाईकरण की मांग को लेकर राज्य के हेल्थ वर्कर भी आंदोलनरत हैं. स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने वाले मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर (एमपीडब्ल्यू) ने सेवा स्थाईकरण की मांग कर रहे हैं. बताते चलें कि 1573 स्वास्थ्य कर्मी अपने स्थायी समायोजन की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से आंदोलनरत हैं.

समाहरणालय कर्मियों ने भी की बेमियादी हड़ताल की घोषणा

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ ने भी 9 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार से बेमियादी हड़ताल की घोषणा की है. इन मांगों में ग्रेड पे को बढ़ाना, पद सृजन, प्रोन्नति,पदक्रम के अनुसार वेतनमान का लाभ, पद सोपान के अनुरूप एमएसीपी की संख्या व वेतनमान अनुमान्य करना, उपसमाहर्ता सीमित परीक्षा में संवर्ग के लिपिकों के लिए 50% सीट सुरक्षित करने के अलावा अन्य मांगें भी शामिल हैं.

स्थाईकरण की मांग कर रहे मनरेगाकर्मी

स्थाईकरण की मांग को लेकर मनरेगाकर्मी भी आंदोलनरत है. झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले ये आंदोलित हैं. इनकी मांग है कि नियुक्ति नियमावली में संशोधन कर सेवा स्थाई कर ग्रेड पे दिया जाए.

सचिवालय सेवा संघ भी आंदोलनरत

सरकारी कर्मचारी भी आंदोलित हैं. इनकी मांग है कि अनुबंध-आउटसोर्स बंद किया जाए. संयुक्त व उपसचिव के अतिरिक्त प्रस्तावित पदों का सृजन किया जाए. कार्मिक विभाग के संकल्प संख्या 3286 को लागू किया जाए. समय पर प्रोन्नति प्रदान किया जाए और सभी रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की जाए की मांगें शामिल हैं.

कोलकाता की रैली में ममता की हुंकार

बांग्लादेशी मांगेंगे तो हम देंगे शरण

कोलकाता में शहीद दिवस रैली में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव.

एजेंसियां। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को शहीद दिवस रैली के अपने संबोधन में बांग्लादेश में जारी हिंसा का जिक्र किया. कहा, बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से हमें भड़कना नहीं है. मैं आश्वासन देती हूं कि बांग्लादेश में फंसे बंगाल के लोगों को सुरक्षित लाने के लिए राज्य सरकार आश्वस्त है. उन सभी लोगों को सहयोग मिलेगा, जो बांग्लादेश में फंसे हुए हैं. बंगाल ही भारत के अस्तित्व की रक्षा कर सकता है, बंगाल के बिना कोई भारत नहीं है.

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. कहा, भाजपा ने लोगों को डरा कर व एजेंसियों का दुरूपयोग करके केंद्र में सरकार बनाई है. उन्होंने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का भी जिक्र किया और कहा, अगर बांग्लादेशी दस्तक देंगे, तो हम उन्हें आश्रय देंगे. कई लड़ाई लड़ी हैं और आगे लड़नी हैं. जब तक जिंदा हूं, तब तक लड़ूंगी, जिन सीटों पर हम जीते हैं वहां जाकर लोगों का धन्यवाद करें और जहां भी हम नहीं जीते, वहां जाकर लोगों से माफी मांगे और हमसे क्या गलती हुई, यह पूछें और उस गलती को सुधारें. रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हुए.

केंद्र में एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र में एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी क्योंकि सांप्रदायिक ताकतों को भले ही कुछ समय के लिए सफलता मिल जाए, लेकिन अंततः उनकी हार होगी. यादव ने शहीद दिवस महारैली में कहा, जो लोग सत्ता में आए हैं, वे बस कुछ दिनों के मेहमान हैं. सांप्रदायिक ताकतें साजिशें रच रही हैं और देश को अस्थिर करने की कोशिश में हैं. जो ताकतें देश को बांटना चाहती हैं, उन्हें कभी सफलता नहीं मिलेगी.

गूंजा बोल बम का नारा

हर-हर महादेव: रांची के पहाड़ी मंदिर में एक भक्त भोलेनाथ का रूप धरे हुए. पूरे सावन ऐसे श्रद्धालु खूब दिखेंगे. -विशेष आयोजन पेज 9 पर

संसद का मॉनसून सत्र आज से, हंगामे के आसार

सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए डिप्टी स्पीकर पद मांगा, विशेष दर्जे की भी मांग उठी

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक में रविवार को कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगा और नीट सहित पेपर लीक से जुड़े अन्य मुद्दों को उठा कर स्पष्ट संकेत दिया कि वह इस सत्र को हंगामेदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है. इतना ही नहीं, सरकार के सहयोगी दलों ने भी विशेष दर्जे का मुद्दा उठाते हुए केंद्र को अपनी प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत दिया.

संसद का यह सत्र कैसा होगा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने दोनों सदनों को

सुचारू रूप से चलाने के लिए हर पार्टी से सहयोग मांगा, तो कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बैठक में कहा कि विपक्ष को संसद में मुद्दे उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए. सूत्रों ने बताया कि सपा के सांसद रामगोपाल यादव ने यूपी सरकार की ओर से भोजनालयों को कांवड़ मार्ग के मालिकों के नाम दिखाने के विवादास्पद निर्देश का मुद्दा उठाया. वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र में तेदेपा सरकार द्वारा उसके नेताओं को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने के बारे में बात की और केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की.

आर्थिक सर्वेक्षण आज, बजट कल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार से शुरू हो रहे सत्र के दौरान मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगी. सत्र 12 अगस्त तक प्रस्तावित है. इस दौरान 19 बैठकें होनी है. सत्र के दौरान सरकार की ओर से छह विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है, जिसमें एक 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने के लिए है. इस दौरान जम्मू एवं कश्मीर के बजट को भी संसद की ओर से मंजूरी दी जानी है.

बीजद ने उठाया रघुवर दास के बेटे का मुद्दा

बीजद ने ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे द्वारा एक अधिकारी पर कथित हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि वह कानून से ऊपर हैं. बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी सदन के पटल पर मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी.

बैठक में शामिल हुए दोनों पक्षों के नेता : बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की और संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने इसका संचालन किया. इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई समेत विभिन्न दलों के 55 नेताओं ने हिस्सा लिया. सत्ता पक्ष ने विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा की.

बढ़ेंगे काम के घंटे — देश की आईटी कंपनियों ने सरकार से की कानून में संशोधन की मांग

12 घंटे की ड्यूटी कीजिए, 2 घंटे का ओवरटाइम

एजेंसियां। बेंगलुरु

आईटी कंपनियों ने कर्मियों के काम के घंटे बढ़ा कर 14 करने की मांग करते हुए कर्नाटक सरकार को एक प्रस्ताव सौंपा है. हालांकि इसका विरोध शुरू हो गया है. कर्मियों ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और छंटनी की चिंताओं का हवाला देते हुए इसे अमानवीय बताया है.

इंडिया टुडे ने एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा, राज्य सरकार कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान एक्ट, 1961 में संशोधन करने पर विचार कर रही है. आईटी कंपनियां चाहती हैं कि उनके प्रस्ताव को संशोधन में शामिल किया जाए. अगर कंपनियों की बात सरकार मान लेती है, तो कानूनी तौर पर काम के घंटे 14 घंटे (12 घंटे+2 घंटे ओवरटाइम) हो जाएंगे. अभी श्रम कानून 12 घंटे (10 + 2 ओवरटाइम) तक काम करने की अनुमति देते हैं. 12 घंटे के कार्य दिवस के लिए कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव हितधारकों के साथ श्रम विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में पेश किया गया.

कर्नाटक राज्य आइटी/आइटीइएस कर्मचारी संघ (केआइटीयू) के लोग पहले ही श्रम मंत्री संतोष लाड से मिल चुके हैं और इस पर चिंताएं व्यक्त कर चुके हैं. कर्मचारी नेताओं का कहना है कि इस प्रस्ताव को मान लेने से बेरोजगारी और बढ़ेगी. क्योंकि हर रोज तीन शिफ्ट में होनेवाला काम दो शिफ्ट वाला हो जाएगा, जिससे पूरी एक शिफ्ट काम से खाली हो जाएगी.

क्या है नया प्रस्ताव

आईटी क्षेत्र के नए प्रस्ताव में कहा गया है, आईटी/आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र के कर्मचारियों को हर दिन 12 घंटे से अधिक और लगातार तीन महीनों में 125 घंटे से अधिक काम करने की आवश्यकता हो सकती है या अनुमति दी जा सकती है. सूत्रों ने बताया कि सरकार ने इस मामले पर एक प्रारंभिक बैठक की है और जल्द ही आगे के निर्णय लिए जाएंगे. प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिमंडल द्वारा चर्चा किए जाने की संभावना है.

कर्मचारियों ने किया कड़ा विरोध : काम करने का समय बढ़ाने के कदम का केआईटीयू की ओर से कड़ा विरोध किया गया है. संघ ने बयान जारी कर चेतावनी दी कि काम की शिफ्टें कम होने से एक तिहाई कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे. इस संशोधन से कंपनियों को मौजूदा तीन शिफ्ट प्रणाली के बजाय दो शिफ्ट प्रणाली अपनाने की अनुमति मिलेगी. कर्मचारी संघ ने कहा, आईटी क्षेत्र में 45% कर्मी अवसाद जैसे स्वास्थ्य मुद्दों का सामना कर रहे हैं. 55% शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावों का सामना कर रहे हैं. काम के घंटे बढ़ाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी. विरोध देखते हुए श्रम मंत्री अंतिम फैसला करने से पहले चर्चा करने के लिए सहमत हो गए हैं. सरकार के फैसले का राज्य के आईटी उद्योग और उसके कर्मचारियों की भलाई के लिए दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है.

हेमंत की दरियादिली, हिमंता की सराहना

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजनीति में दोस्त दुश्मन हो जाते हैं, और दुश्मन भी दोस्त बन जाते हैं. लेकिन मानवता के नाम पर हर किसी का दिल पसीज ही जाता है. जब से असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा को झारखंड के विधानसभा चुनाव का भाजपा ने सह प्रभारी बनाया है, तब से उनका लगातार झारखंड आना-जाना लगा हुआ है.

हिमंता लगातार सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं. लगातार झामुमो और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आलोचना करने से चूक नहीं रहे. लेकिन सीएम हेमंत सोरेन ने इन राजनीतिक बयानबाजियों को दरकिनार कर दरियादिली दिखाई है. उन्होंने असम के बाद पीड़ितों के लिए दो करोड़ रुपए असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंता विस्व सरमा के कोष में जमा किए हैं.

सीएम ने असम के बाद पीड़ितों के लिए दिए दो करोड़

हिमंता ने तहे दिल से हेमंत का जताया आभार

असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने इस नेक काम के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तहे दिल से सराहना की है. सरमा ने अपने एक्स पर हेमंत को धन्यवाद दिया है. उन्होंने लिखा कि वह असम के लोगों की ओर से झारखंड की जनता और सीएम हेमंत सोरेन का तहे दिल से सराहना करते हैं. इधर, हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर काह कि आपदा की घड़ी में झारखंड देश के राज्यों के साथ हमेश संवेदनशीलता के साथ खड़ा है. मां कामख्या से मैं विनती करता हूं कि असमवासी बाढ़ की इस विभीषिका से उबर कर जल्द सामान्य जीवन यापन शुरू करेंगे.

शहर में आज

1. श्रावण महोत्सव का उद्घाटन, पहाड़ी मंदिर में संध्या 4 बजे
2. आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 10 ब जे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

एमएसीपी की मांग पर गोलबंद हुए शिक्षक संगठन

रांची। एमएसीपी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर रविवार को जिला स्कूल में बैठक प्रधान संयोजक अमरनाथ झा की अध्यक्षता में हुई. बैठक में राज्य के सभी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों का समर्थन मिला. समस्त शिक्षकों की मांग है, जिसके अंतर्गत शिक्षकों को 10, 20 एवं 30 वर्ष पर संवर्धित सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन दिये जाने की मांग सरकार से अपने अपने स्तर पर राज्य के शिक्षक संगठन दशकों से करते आ रहे हैं, फिर भी अब तक सरकार से आश्वासन के अतिरिक्त कुछ प्राप्त नहीं हुआ है. अमीन अहमद, अरुण दास ने कहा, अनेक आंदोलन के बाबजूद इसे सरकार ने शिक्षकों के लिए लागू नहीं किया है.

मोमिन कांफ्रेंस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक

रांची। मोमिन कांफ्रेंस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक रविवार को आबिद अली अंसारी की अध्यक्षता में हुई. कांफ्रेंस के कार्यकारी अध्यक्ष मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि में मोमिनों को सत्ता में उचित भागीदारी दी जाए तथा उनके शिक्षा एवं विकास से जुड़े बोर्ड आयोग निगम एवं समितियों का जल्द गठन किया जाए. आबिद अली ने कहा, मोमिनों की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक व राजनीतिक उत्थान के लिए संघर्षरत है. झरखंड सरकर की उपेक्षा एवं अधिकारियों की अनदेखी के करण राज्य के अल्पसंख्यक उपेक्षित महसूस कर रहे हैं.

ब्लाइंड स्कूल में बांटे डेस्कटॉप कंप्यूटर

रांची। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय ने रविवार को स्वयंसिद्ध लेडीज क्लब के साथ सीएसआर पहल के तहत सेंट माइकल ब्लाइंड स्कूल को दृष्टिबाधित विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए दो डेस्कटॉप कंप्यूटर वितरित किए. स्वयंसिद्ध की अध्यक्ष रेखा जैन ने सदस्यों की मौजूदगी में प्रिंसिपल सरिता तलाल को डेस्कटॉप कंप्यूटर सौंपे. छात्रों ने कहा कि ये कंप्यूटर कौशल को तेज और प्रभावी तरीके से सीखने में मदद करेंगे. जैन ने स्कूल कंप्यूटर लैब का दौरा कर छात्रों से बातचीत की. उन्होंने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. स्वयंसिद्ध लेडीज क्यूब की सदस्यों ने स्कूल के दृष्टिबाधित बच्चों के साथ बातचीत की और कुछ क्वालिटी टाइम बिताया, लेडीज क्लब की पहल की स्कूल प्रबंधन ने सराहना की.

राज्य सेवा के अफसर को निंदन की सजा

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा की अफसर ऊषा मुंडू को निंदन की सजा मिली है. बताते चलें कि खूंटी के तत्कालीन कार्यपालक दंडाधिकारी ऊषा मुंडू पर पंचायत चुनाव के द्वितीय और तीसरे चरण चुनाव में कई आरोप लगे थे. इसके बाद खूंटी डीसी ने कार्रवाई की अनुशंसा की थी. इसके बाद ऊषा मुंडू के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाई गई. लेकिन ऊषा मुंडू द्वारा आरोप स्वीकार करने और समीक्षा के बाद उन्हें निंदन की सजा देने का फैसला लिया गया. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

सेना में भर्ती का मौका: निदेशक कर्नल विकास भोला मिले एसएसपी से, मांगी व्यवस्था में मदद

27 जुलाई से से 10 अगस्त तक रांची में होगी भर्ती

संवाददाता। रांची

फाइल फोटो

राज्य के लिए वर्ष-2024-25 के लिए सेना भर्ती रैली 27 जुलाई से 10 अगस्त तक रांची के खेलगांव में आयोजित होना है. इसकी तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है. सेना भरती कार्यालय रांची और जिला प्रशासन के साथ मिल कर ग्राउंड और रेस्ट एरिया, मार्शलिंग, रन ट्रैक, डॉक्यूमेंटेशन, मेडिकल का चयन पूर्व में ही कर लिया गया है.

इसी क्रम में रविवार को रांची निदेशक सेना भर्ती कर्नल विकास भोला ने एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर खेलगांव स्पोर्ट काम्प्लेक्स में होने वाली रैली के दौरान सुरक्षा, भर्ती के दौरान दलालों की पहचान कर उनपर कानूनी कार्रवाई करने, रैली में शामिल अभ्यर्थी का पुलिस वेरिफिकेशन रैली स्थल पर करने की मांग की, जिसपर एसएसपी ने आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन से जो मदद की आवश्यकता होगी, उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे.

सेना भर्ती के निदेशक कर्नल विकास भोला ने कहा कि भारतीय सेना में बहाली को लेकर झारखंड के युवाओं के लिए शानदार मौका है. सभी अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को दलालों से सावधान रहने की अपील की है. उन्होंने कहा कि उन दलालों से भी सावधान रहें जो इच्छुक रंगरूटों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं. भर्ती प्रक्रिया पर उनका कोई प्रभाव नहीं है. स्वतंत्र, निष्पक्ष और योग्यता आधारित भर्ती है. उनके झूठ और झूठे आश्वासनों में मत फंसिए. वे भर्ती की गारंटी देने का दावा कर सकते हैं, लेकिन इसकी सूचना तुरंत पुलिस या रैली अधिकारियों को दें.

विकास भोला ने कहा कि याद रखें, आपकी योग्यताएं और क्षमताएं ही आपके चयन का निर्धारण करेंगी. अयोग्य उम्मीदवारों को आगे बढ़ाने के लिए कोई भी कठोर और स्वचालित प्रक्रिया को नहीं बदल सकता. सतर्क रहें और दलालों को अपने सपनों का शोषण न करने दें. झारखंड के सभी 24 जिलों के पात्र उम्मीदवारों (पुरुषों) के लिए 27 जुलाई 2024 से रांची के होटवार स्थित खेलगांव परिसर के रनिंग ट्रैक में सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी. रैली के लिए एडमिट कार्ड ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस परीक्षा के शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को 09 जुलाई 2024 को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेज दिए गए हैं. उम्मीदवार ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर अपने पंजीकृत खाते से रैली एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं.

आनेवाले विस चुनाव में बीजेपी का भ्रम टूट जाएगा : शंकर नायक

संवाददाता। रांची

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, प्रभारी झारखंड छत्तीसगढ़ विजय शंकर नायक ने देश के गृह मंत्री एवं भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह के रांची आगमन एवं हिमंता विश्वशर्मा सीएम असम तथा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान के झारखंड में आकर झारखंडी समाज को बरगलाने के लिए अनाप शनाप बयान देने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड में कम से कम 15 वर्षों तक राज करने का काम तथा सत्ता में बने रहने का काम किया है, राज्य की जनता ने उनके कार्यों को देखा है परखा है उसके बाद ही उसे इस बार सत्ता से उखाड़ फेंकने का काम किया है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में केवल 10 कार्य जो आदिवासी मूलवासी हित में किए हैं उनको झारखंडी जनता के बीच में बताने का कार्य करें, आज जो हालत है झारखंड की वह भारतीय जनता पार्टी के सरकारों की देन है.

चाहे रघुवर दास हो चाहे अर्जुन मुंडा हो चाहे बाबूलाल मरांडी हो इन मुख्यमंत्री ने राज्य को सिर्फ लूटने का काम किया है और नागपुर एवं आरएसएस के इशारे पर झारखंड के दलित आदिवासी मूलवासी समाज को कैसे गुलाम बनाया जाय उसकी रणनीति पर ही सिर्फ इन 15 वर्षों में कार्य करने का काम किया है. अब बीजेपी वाले मुगालते में नहीं रहे कि वह पुनः झारखंड में सरकार बना लेंगे, आने वाले विधानसभा के चुनाव में उनका भ्रम टूट जाएगा.

कांग्रेस के बड़े नेता बंधु तिर्की का भाजपा पर पलटवार, बोले

भाजपा बताए, आदिवासियों से लूटी जमीन उन्हें कब, कैसे वापस होगी

■ **अमित शाह सरना धर्म कोड और असम के आदिवासियों को एसटी के दर्जा पर कुछ नहीं बोलना निराशाजनक**

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड विशेष कर राजधानी रांची सहित शहरी क्षेत्रों में आदिवासियों एवं मूलवासियों से उनकी जमीन लूटी जा रही है. इस मामले में दुनिया की सबसे बड़ी और झारखंड के प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और इसके नेताओं का खामोश रहना दुर्भाग्य की बात है.

रांची में भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की बैठक में भाजपा नेताओं ने अपनी नीति-रणनीति के अनुसार सभी मुद्दों पर तो बातचीत की लेकिन वह राजधानी रांची सहित धनबाद, जमशेदपुर एवं अन्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासियों से अबतक व्यापक पैमाने पर लूटी गई जमीन के मुद्दे पर एक भी शब्द नहीं बोला जो झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों के लिये खतरनाक संकेत है.

असम के आदिवासियों को कब मिलेगा एसटी का दर्जा यह बताएं गृह मंत्री और हिमंता

तिर्की ने कहा कि 2008 में असम में आदिवासियों के साथ हुई गंभीर हिंसा में अनेक आदिवासी मारे गये तथा हिंसा के शिकार हुए थे. उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने अबतक असम में रह रहे जनजातीय समुदाय को आदिवासी अर्थात अनुसूचित जनजाति का दर्जा नहीं दिया है. अब भी वहां के आदिवासी एमओबीसी श्रेणी में ही माने जाते हैं जबकि यदि शर्मा और शाह आदिवासियों के हितैषी है तो उन्हें तत्काल इस दिशा में कदम उठाना चाहिए. तिर्की ने कहा कि सरना धर्म कोड सम्बंधित आदिवासियों की मांग बहुत पुरानी और न्यायोचित है .र 2019 में ही अमित शाह ने इसके संदर्भ में कदम उठाने की बात कही थी लेकिन अब भाजपा नेताओं की इस मुद्दे पर ख़ामोशी भी आदिवासियों के प्रति उनकी मंशा को उजागर करती है.

बिहार और यूपी के लोग आदिवासियों की जमीन लूटी

तिर्की ने कहा कि आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए सीएनटी एसपीटी एक्ट के प्रावधानों की धज्जियां उड़ाते हुए गैर आदिवासियों विशेष रूप से, बिहार एवं उत्तर प्रदेश से आये लोगों ने आदिवासियों से उनकी जमीन को लूटा जिससे लाखों आदिवासी परिवार विस्थापन एवं पलायन का शिकार हुए. भाजपा नेताओं को यह बताना चाहिए कि आदिवासियों की लूटी गई जमीन के मामले में वे क्या सोचते हैं और उन्हें उनकी जमीन कब और कैसे वापस मिलेगी. भाजपा नेताओं को अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए आदिवासियों की लूटी जा चुकी ज़मीन को वापस लौटाने के मामले में साफ-साफ बोलना चाहिए.

महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए जोखिम उठाना होगा : शिशिलिया

संवाददाता।रांची

एक दिवसीय परिचर्चा में शामिल अतिथि.

महिलाओं का सर्वांगीण विकास जरूरी है. महिलाओं की धार्मिक संस्थाओ का संरक्षण करना होगा. रविवार को कैथोलिक महिला संघ के बैनर तले पुरुलिया रोड स्थित एसपीडी सभागार में सामाजिक कार्यकर्ता एवं सिस्टर शिशिलिया लकड़ा महिला नेतृत्व और प्रशिक्षण पर परिचर्चा में बोल रही थीं.

उन्होने महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए जोखिम उठाना होगा.इसके लिए विश्वास को जागृत करना पड़ेगा. सिस्टर एम्मा ने कहा कि महिलाओं को जुझारू बनना पड़ेगा. संघर्ष करते हुए शहीद सिस्टरों का इतिहास पढ़ना होगा. तभी महिलाओं को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी . परिचर्चा में जानकारी दी गयी कि 1906 में रांची में पहला बेल्जियम स्कूल खुला. यहीं से लेस स्कूल का जन्म हुआ था. यही से माताओं को पढ़ना-लिखना सिखाया गया. इस प्रकार माताओं को आदर्श बना दिया.1936 में महिला संघ नाम सामने आया.1962 बेल्जियम से आर्च बिशप पीयूष केरकेट्टा रांची आये. गिरजा घर में लीडर देखकर खुश हुए. यही से सभी पल्लवी में महिला संघ बनना शुरू हुआ.1964 में नेशनल कैथलिक वुमेन ऑफ इंडिया का नाम आया था.1927 में रांची डायसिस कलकता डायसिस से अलग हुआ. 1962 में जमशेदपुर मे तथा 1995 में खूटी डायसिस बना. इस प्रकार रांची कैथोलिक महिला रिजनल सेंटर बन गया. मौके पर निलम तिग्गा, पुष्पा धान सोय, उर्मिला टोप्पो ,एमडे रूण्डा. श्रीकमल बाड़ा समेत सैकड़ों महिलाएं शामिल थीं.

जीवन साधने का स्वर्णिम समय चातुर्मास : लय स्मिता श्रीजी

रांची। श्वेतांबर जैन मंदिर, डोरंडा में चातुर्मास स्थापना कर अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए साध्वी लय स्मिता श्रीजी ने चातुर्मास का महात्म्य समझाया. कहा कि चातुर्मास जीवन को साधने का स्वर्णिम समय है.

उन्होंने इसकी उपयोगिता बताते हुए कहा, आषाढ़ में आलस्य छोड़ो, सावन में संतों को श्रवण करो, भाद्र कहता है भद्र व सरल बनो, कार्तिक मास कहता है कि यदि आलस्य नहीं छोडा, संतो की बातें आत्मसात नहीं की तो जीवन व्यर्थ चला जाएगा. चातुर्मास धर्म रूपी रथ के दो पहिए हैं. एक श्रावक और दूसरा संत हैं. चातुर्मास इन्हें जोड़ता है. संपत लाल रामपुरिया ने बताया कि श्रीजी अपने साध्वी मंडल के साथ पधारी हैं.

अब चार माह तक मंदिर में ज्ञान, जप, तप, स्वाध्याय की गंगा बहेगी. धर्मचंद भंसाली, सुभाष चंद्र बोथरा, पूनम चंद्र भंसाली, विनय नाहटा, राजकुमार रामपुरिया, बालवीर जैन, राकेश बछावत, आनंद गोठी आदि इसके आयोजन में योगदान दे रहे हैं.

भाजपाई सिर्फ जुमला फेंक बेवकूफ बनाते हैं एचईसी पर चर्चा ना करना निंदनीय : कैलाश

संवाददाता। रांची

एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति के प्रतिनिधियों की बैठक.

रविवार को एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति व यूनियन प्रतिनिधियों का संयुक्त बैठक राजद महासचिव कैलाश यादव के धुर्वा स्थित आवासीय कार्यालय में हुई.

बैठक में प्रतिनिधियों को बताया कि एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति के द्वारा प्रस्तावित 8 सूत्री मांग पत्र को लेकर 23 जुलाई को झारखंड के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता से नेपाल हाउस में त्रिपक्षीय वार्ता होगी. उस दौरान राष्ट्रीय जनता दल से 10 और एचईसी बचाओ मजदूर जनसंघर्ष समिति से 10 प्रमुख लोग उपस्थित रहेंगे. वार्ता में श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता,उद्योग सचिव, एचईसी सीएमडी और यूनियन प्रतिनिधि रहेंगे.

कैलाश यादव ने कहा कि बेहद अफसोस की बात है कि 20 जुलाई को एचईसी के जगन्नाथ मैदान में बीजेपी के विस्तृत कार्यसमिति बैठक के दौरान राष्ट्रीय स्तर के अनेक बड़े नेताओं का जमावड़ा हुआ. जिसमें मुख्य रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह,कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान,महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी,रांची से सांसद व रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, बाबूलाल मरांडी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा सहित राज्य के तमाम सांसद/विधायक मौजूद थे. लेकिन एक बार भी एचईसी के कर्मियों,अधिकारियों, विस्थापित व मृत आश्रित मजदूरों के लगभग 24 महीने से बकाये वेतन भुगतान पर एक शब्द भी किसी ने नहीं बोला. और न ही आवासीय, व्यवसायिक क्षेत्र पर व एचईसी के रिवाइवल के पक्ष में कुछ वक्तव्य दिया. बीजेपी के सम्मेलन से लोगों में आशा बंधी थी कि मोदी, एनडीए सरकार के केंद्रीय मंत्रियों द्वारा एचईसी के समस्याओं पर निश्चित ही कुछ सकारात्मक टिप्पणी की जायेगी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ.

कैलाश यादव ने कहा कि केंद्र की सरकार जन समस्याओं के निराकरण के लिए कटिबद्ध है. लेकिन भाजपाई लोग सिर्फ जुमला फेंकने का काम कर बेवकूफ बनाते हैं, इनका रवैया अत्यंत निंदनीय है. बैठक में मनोज पाठक, हरेंद्र प्रसाद, प्रमोद कुमार, रामकुमार सिंह, शब्बर फातमी, संतोष राय, रंथू लोहार, सज्जाद अंसारी सहित अन्य मौजूद थे.

प्री सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट

अंडर 17 बालक वर्ग में उ. छोटानागपुर ने पलामू को 24-0 गोल से दे दी मात

संवाददाता। रांची

टूर्नामेंट में खेला एक मैच.

राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मेजबानी में रांची के खेलगांव स्थित भगवान बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित 63वी प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 के दूसरे दिन शानदार मुकाबले खेले गए. रविवार को उत्तरी छोटानागपुर की बालक टीम और दक्षिणी छोटानागपुर की बालिका टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए बड़े अंतर से अपने प्रतिद्वंदी टीमों को परास्त किया. अंडर 17 बालक वर्ग फुटबॉल मुकाबले में उत्तरी छोटानागपुर की टीम ने पलामू की बालक टीम को 24-0 से दी बड़ी शिकस्त दी. अंडर 17 बालक वर्ग के एक अन्य मुकाबले में संथाल बनाम कोल्हान के बीच हुए मैच में संथाल की टीम ने 3-0 से जीत अपने नाम कर ली.

अंडर 17 बालिका वर्ग मुकाबले में पलामू बनाम दक्षिणी छोटानागपुर के बीच खेले गए मुकाबले में दक्षिणी छोटानागपुर की बालिका टीम ने 17-0 के बड़े अंतर से पलामू की टीम को परास्त कर दिया. दक्षिणी छोटानागपुर बनाम संथाल के बीच हुए अंडर 17 बालिका वर्ग मुकाबले में दक्षिणी छोटानागपुर ने 3-1 से संथाल की टीम को पराजित किया. अंडर 17 बालिका वर्ग के अन्य मुकाबले में आज उत्तरी छोटानागपुर बनाम कोल्हान के बीच हुए मैच में उत्तरी छोटानागपुर की टीम विजयी हुई.

वहीं अंडर 15 बालक वर्ग मुकाबले में आज दो मुकाबले हुए. पहला मुक़ाबला दक्षिणी छोटानागपुर बनाम उत्तरी छोटानागपुर के बीच हुआ, इस मुकाबले में दक्षिणी छोटानागपुर ने 2-0 से उत्तरी छोटानागपुर को पराजित किया. एक अन्य मुक़ाबला संथाल बनाम पलामू प्रमंडल की टीमों के बीच खेला गया. जिसमे संथाल की टीम ने 4-1 के अंतर से पलामू को पराजित किया.

खास बातें

- बालिका में द. छोटानागपुर ने पलामू को 17-0 से हराया
- दूसरे दिन खेले गए कई शानदार और एकतरफा मैच

ताइक्वांडो बेल्ट ग्रेडिंग में 60 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

रांची। रांची जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वावधान एकदिवसीय बेल्ट ग्रेडिंग शिविर का आयोजन रविवार को रांची प्रेस क्लब में किया गया. बेल्ट ग्रेडिंग का आयोजन चार वर्गों ने किया गया था, जिसमें सब जूनियर, कैडेट, जूनियर व सीनियर वर्ग शामिल है. इस ग्रेडिंग में जिला के विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय व ओपन क्लब के 60 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. ग्रेडिंग का आयोजन रांची जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव मिथिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व हुआ. मुख्य सहयोगी के रूप में ताइक्वांडो प्रशिक्षक अनंत नाग चंदन उपस्थित थे. ग्रेडिंग में ताइक्वांडो खिलाड़ियों द्वारा कीक, फाइट, फुटवर्क, पंच, ब्लॉक, पूमसे इत्यादि का प्रदर्शन किया गया. **ग्रेडिंग में पास होने वाले खिलाड़ी :** येलो बेल्ट-अथर्व सिन्हा, रूहान तनवीर, राजदीप परमार, अभिशौर्य शरनील, प्रतिष्ठा मेहता, आस्था कुमारी, निवांशी प्रकाश, त्रिनव मंत्री, प्रज्ञान तुलस्यान, आद्या खेमका, काव्या तुलस्यान, अकीरा बुधिया, स्नेहल उपाध्याय, प्राची, अद्विका वर्मा, भव्या कुमारी. **ग्रीन बेल्ट**-सियोना सिंह, सुहावी कौर, शिवांश सन्मुक, निर्णय सोरेंग, राशि जयसवाल, पलक उपाध्याय, श्री कश्यप. **ग्रीन वन बेल्ट**-निमेष पाठक. **ब्लू वन बेल्ट**-प्रणीत कुमार मेहता. रेड वन बेल्ट-लाडली पांडे, संकेत खड़िया

धरना | आदिवासियों को जमीन बचाने के लिए कानून को हाथ मे लेना पड़े, तो ले लें

संथाल परगना में आदिवासियों की स्थिति भयावह : बाबूलाल

संवाददाता।रांची

आदिवासी जमीन बचाओ अभियान समिति के धरने में बाबूलाल मरांडी.

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आदिवासियों को जमीन बचाने के लिए कानून को हाथ में लेना पड़े तो ले लें. इसलिए कि आदिवासियो की जमीन लूट की शिकायत डीसी और सीओ नहीं सुन रहे हैं. जमीन लूट के खिलाफ सरकार से विस में बहस होनी चाहिए, क्योंकि जमीन की लूट रांची में नहीं, बल्कि पूरे राज्य में हो रही है. भुईहरी, पहनई जमीन समेत रैयती जमीन के दस्तावेज़ में हेराफेरी हो रही है.

मरांडी आदिवासियों की धार्मिक, सामाजिक एवं रैयती जमीन की लूट के खिलाफ, आदिवासी जमीन बचाओ अभियान में रविवार को मोरहाबादी बापू वाटिका के सामने एक दिवसीय धरना में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि संथाल में आदिवासियों की स्थिति भयावह है. वहां 1951 में आदिवासी 48% थे,अब 26% रह गए हैं. 60 वर्षो में संथाल परगना की जनसंख्या 16% घट गई है. झारखंड में यही स्थिति रही तो लोस और विस की आरक्षित सीटें घटने से कोई रोक नहीं सकता. बड़े पैमाने पर कारखाने और डैम बनाये गये हैं, जहां सैकड़ों गांव उजाड़े गये. उनके लिए राज्य में पूर्ण गठन आयोग बना रैयतों का पुर्नवास करना था, लेकिन 23 साल बाद भी कोई पहल नही की गयी.

पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहा कि झारखंड मे सीएनटी एक्ट एसपीटी एक्ट लागू है. हेमंत आदिवासियों की जमीन लुटेरों के संरक्षक बन गये हैं. सीएम के सहयोगी जमीन लूट रहे है आदिवासियों की पहचान जल, जंगल और जमीन से है. यही खत्म हो गए तो आदिवासियों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा. लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा 25 जुलाई को अलबर्ट एक्का चौक के सामने सीएम का पुतला जलाएंगे.

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासियों का दर्द आदिवासी ही समझ सकता है. जमीन लूटी जा रही. महिलाओं के साथ रेप की घटना बढ़ी है. आदिवासियों को खत्म करने की साजिश हो रही है. सामाजिक कार्यकर्ता सूरज टोप्पो ने कहा कि हेमंत सोरेन के कार्यकाल में हत्या और जमीन की लूट जैसे अपराध बढ़े हैं. जमीन बचाने के लिए झारखंड भी बंद करना पड़ेगा तो जरूर करेंगे. धरनास्थल पर लोहरदगा के सामाजिक कार्यकर्ता चैतू उरांव, केद्रीय सरना समिति के फूलचंद तिर्की, सरना प्रार्थना सभा से तानसेन गाडी, कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डबलू मुंडा, वीर बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष अमित मुंडा समेत दर्जनों वक्ताओं ने भी अपनी बात रखी.

---

31 जुलाई तक बारिश का आकलन करेगी हेमंत सरकार

कृषि को लेकर लेगी अहम निर्णय

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार लगातार तीसरे वर्ष कमजोर मानसून से अलर्ट मोड पर है. सरकार स्तर से यह तय किया गया कि अभी मॉनसून के गति पकड़ने की संभावना बरकरार है. 31 जुलाई तक सरकार बारिश और मॉनसून को वाच करेगी. 31 जुलाई के बाद बारिश और खेती का आकलन करके सरकार अहम निर्णय ले सकती है.

पिछले दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंत्रियों और अफसरों के साथ मानसून और कृषि को लेकर अहम बैठक किया था, जिसमें उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया था कि अगले कुछ दिनों तक बारिश की स्थिति ऐसी ही बनी, तो किसानों को राहत देने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जानी चाहिए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी जिलों में बारिश का आकलन एवं फसलों की बुवाई की स्थिति पर नजर रखने के लिए अलर्ट मोड में रहने का निर्देश चुके हैं.

सूखे के हालात उत्पन्न हुए तो मसले को नीति आयोग की बैठक में रखा जाएगा: अगर 31 जुलाई तक राज्य में मॉनसून की स्थिति नहीं सुधरती है, तो सूखे की स्थित को नीति आयोग की बैठक में रखा जाएगा. इसके लिए अफसरों को कृषि कार्य पर पड़ रहे असर को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है. इसके साथ ही वैकल्पिक सिंचाई और वैकल्पिक कृषि व्यवस्था भी अफसरों को तैयार करने का निर्देश दिया गया है.

कम बारिश का असर, 11 जिलों में अब तक धानरोपनी नहीं हुई

राज्य में मॉनसून कमजोर होने के कारण अब तक राज्य के 11 जिलों में धानरोपनी भी शुरू नहीं हो पायी है. इस वर्ष राज्य सरकार ने 18 लाख हेक्टेयर में धान लगाने का लक्ष्य रखा था. इसमें अब तक मात्र 1.02 लाख हेक्टेयर में ही धान लग सका है. इसमें कुछ जिलों में छींटा विधि से धान लगाया गया है. बारिश नहीं होने के कारण किसानों का बिचड़ा खेतों में ही सूखने की स्थिति में है.

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 104 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बोल बम दुम्मा कांवरिया पथ पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर और दीपिका पांडेय सिंह ने श्रावणी मेला का उद्घाटन किया

कांवरियों के अभिनंदन के लिए देवघर तैयार

संवाददाता। रांची/देवघर

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झारखंड के देवघर में लगने वाले राजकीय श्रावणी मेला 2024 का रविवार को शुभारंभ हो गया. पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर और कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से मेला का उद्घाटन किया. इससे पहले 11 पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा बैद्यनाथ महादेव की पूजा-अर्चना की. इसके बाद बिहार-झारखंड की सीमा स्थित दुम्मा कांवरिया पथ पर श्रावणी मेला का विधिवत शुभारंभ हो गया.

कार्यक्रम की शुरूआत में देवघर डीसी विशाल सागर ने सभी मंत्रियों, अतिथियों व श्रद्धालुओं का स्वागत किया. डीसी ने प्रशासन की तरफ से श्रद्धालुओं को दी जानेवाले वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजकीय श्रावणी मेला के दौरान वीआईपी, वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्म दर्शन पूर्ण रूप से बंद रहेगा. इस अवसर पर बिहार के सुल्तानगंज से जल भर कर पैदल आए कांवरियों को देवघर की सीमा में प्रवेश कराया गया. यहां से 10 किमी की यात्रा कर कांवरिया बाबा बैद्यनाथ महादेव पर जलाभिषेक करेंगे. बता दें कि इस मेले का समापन 19 अगस्त को होगा.

मौके पर पर्यटन सचिव मनोज कुमार, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय, देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग, देवघर एसडीओ सागरी बराल, मधुपुर एसडीओ आशीष अग्रवाल, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेष कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी, एवं कर्मी आदि उपस्थित रहे.

- **बैद्यनाथधाम में स्पर्श पूजा बंद, अरघा के माध्यम से ही कर पाएंगे जलार्पण**
- **शीघ्र दर्शनम कूपन की कीमत में भी वृद्धि, अब 500 नहीं, 600 रु. लगेंगे**

दुम्मा कांवरिया पथ पर पूजा करते पुरोहित व मौजूद मंत्री मिथिलेश ठाकुर, दीपिका पांडेय सिंह व अन्य गणमान्य.

जिला प्रशासन के साथ सभी अपनी जिम्मेदारियों को समझें : मिथिलेश

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि देवघर अपने भव्य स्वरूप के साथ बाबाधाम आने वाले सभी कांवरियों के अभिनंदन के लिए तैयार है. पावन व पवित्र श्रावणी मेला में कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा. उन्होंने अपील की कि जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अपने पुनीत कर्तव्यों का पालन करें. उन्होंने कहा कि इस साल श्रद्धालुओं की संख्या दोगुनी होने संभावना है.

कांवरियों को हर सुविधा उपलब्ध कराना हम सबों का उद्देश्य : दीपिका

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि श्रावणी मेला राज्य ही नहीं, देश में एक विशिष्ठ पहचान रखता है. हम सबों का उद्देश्य है कि देवघर आने वाले कांवरियों को हर सुविधा उपलब्ध हो. साथ ही साथ उन्हें सरलतापूर्वक जलार्पण करवाया जाए. उन्होंने कहा कि कांवरियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखें. इस अवसर पर विधायक नारायण दास ने कहा कि श्रावणी मेला में बाबाधाम आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले, यह हम सभी की कामना है.

पूजा व्यवस्था में दो बड़े बदलाव किये गये : बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा की व्यवस्था में दो बड़े बदलाव किए गए हैं. पहले बदलाव में बाबा बैद्यनाथ की स्पर्श पूजा बंद हो गई है. मंदिर में अरघा सिस्टम लागू हो गया है. श्रद्धालु अरघा के माध्यम से ही शिवलिंग पर जलार्पण कर पाएंगे. वहीं दूसरा बदलाव, शीघ्र दर्शनम कूपन की कीमत में वृद्धि है. विगत वर्ष इस कूपन की कीमत 500 रुपये थी, जिसे बढ़ा कर 600 रुपये कर दिया गया है.

29 दिनों के सावन में पड़ेंगे पांच सोमवार

रांची। सोमवार से सावन का महीना शुरू हो गया है. इस साल का सावन कई मायनों में बेहद खास है. इस बार 29 दिन के सावन में पांच सोमवार पड़ेंगे. 22 जुलाई को पहला, 29 जुलाई को दूसरा, पांच अगस्त को तीसरा, 12 अगस्त को चौथा और 19 अगस्त को पांचवा सोमवार होगा. इस 29 दिनों में सर्वार्थ सिद्धि योग, शिव वास, अमृत सिद्धि योग, प्रीति योग सहित कई अद्भुत संयोग का निर्माण भी होने जा रहा है.

बनेगा बाबा बैद्यनाथ कॉरिडोर : श्रावणी मेला के उद्घाटन के अवसर पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने घोषणा की कि बाबा बैद्यनाथ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया. यह प्रस्ताव पर्यटन विभाग ने तैयार किया है.

शिवभक्तों के लिए व्यवस्था

- देवघर प्रशासन ने कांवरिया पथ पर गंगा की बालू बिछाई है.
- 10 किमी तक जगह-जगह पर इंद्रवर्षा की व्यवस्था की गई है.
- भक्तों की स्वास्थ्य जांच के लिए मेडिकल टीम की तैनाती की गयी है.
- भक्तों के लिए शौचालय, शुद्ध पेयजल एवं ठहरने की भी व्यवस्था की गई है.

शिवालयों में उमड़ेंगे श्रद्धालु

राजन बॉबी। रांची

राजधानी 22 जुलाई यानी सोमवार को श्रावण मास की शुरुआत से ही शिवमय हो जायेगी. चहुंओर भोले बाबा की भक्ति बयार बहेगी. शहर का कोना-कोना बोल बम के नारो से गुंजायमान रहेगा. कानों में मिश्री घोलती ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय ... जैसी स्वरलहरियों से हृदय में अनहद नाद गूंजेगी. सात्विक जनों का तन-मन प्रफुल्लित हो उठेगा. सहज प्रसन्न होने वाले महादेव के दरबार में क्या अमीर, क्या गरीब और क्या छोटा-बड़ा सभी हाजिरी लगाएंगे. कोई सुख-समद्धि और शांति के भाव से जलार्पण करेगा, तो कोई उज्ज्वल भविष्य की कामना से. कुंवारी कन्याएं सपनों के राजकुमार के लिए व्रत धारण कर कैलाशपति को रिझाएंगी. शिवालयों ने अहले सुबह से ही भक्तों का सैलाब भोले बाबा के जलाभिषेक को उमड़ेगा.

पांच सोमवार और दुर्लभ संयोग से बढ़ा मान : वर्षो बाद दुर्लभ संयोग के साथ सोमवार से प्रारंभ और समापन होने वाले श्रावण मास को आचार्य और विद्वान अति शुभकारी और कल्याणकारी बता रहे हैं. आचार्य अजय मिश्रा ने बताया कि श्रावण माह के पहले दिन सोमवार को सर्वार्थ सिद्धि योग प्रीति और आयुष्मान योग का भी अद्भुत संयोग बन रहा है. पांच सोमवार मिलने से इसका मान और भी बढ़ गया है. यह आमजन के लिए धन-धान्य सुख-समृद्धि कारक सिद्ध होगा, उन्होंने बताया कि इस बार श्रावण मास 29 दिनों का है.

सजधज कर तैयार हैं देवालय

शहर के सभी देवालय सज-धज कर तैयार है. सुबह से ही कांवरियों और भक्तों की भारी भीड़ रहेगी. सिरमौर प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में तो जनसैलाब उमड़ेगा. पहाड़ी मंदिर विकास समिति की ओर से भक्तों की सुवधिा को ध्यान में रख चाक-चौबंद व्यवस्था की गयी है.

तड़के तीन बजे खुलेगा पहाड़ी मंदिर का पट : पहाड़ी मंदिर का पट तड़के तीन बजे सरकारी पूजा के बाद आम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा. दैनिक पूजन में डीसी राहुल सिन्हा, डीडीसी दिनेश यादव, एसडीओ उत्कर्ष कुमार, पहाडी मंदिर के अध्यक्ष एनएन पांडेय, प्रवक्ता बादल सिंह खास तौर से हिस्सा लेंगे.

पहाड़ी मंदिर में श्रावण महोत्सव की शुरुआत

पहाड़ी मंदिर में रविवार को श्रावण महोत्सव का शुभारंभ श्रीगणेश वंदना, पूजन-आरती कर किया गया. मौके पर कलाकारों ने शिव तांडव कर मनमोहक प्रस्तुति दी. माननीयों ने दीप प्रज्ज्वलित कर और फीता काट कर विधिवत उद्घाटन किया. विधायक सीपी सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड अध्यक्ष जय शंकर पाठक, महाधिवक्ता झारखंड राजीव रंजन, गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन, उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, नगर निगम प्रशासक अमित कुमार, एसएसपी चंदन सिन्हा, सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, वरिष्ठ पत्रकार विजय पाठक ने खास तौर से हिस्सा लिया.

पहाड़ी मंदिर में ऐसी रहेगी व्यवस्था

- महिला पुरुष अलग-अलग कतार में बाबा का करेंगे दर्शन करेंगे
- सोमवारी के मौके पर अरघा सिस्टम से जलाभिषेक किया जा सकेगा
- मंदिर के नीचे से ऊपर तक 45 सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी
- बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेट संग पुलिस बल मौके पर तैनात रहेंगे
- एनसीसी और स्काउट कैडर भी जवानों संग व्यवस्था संभालेंगे
- पहानों की टोली और मंदिर विकास समिति के सदस्य सहयोग देंगे
- कांवरियों और दर्शनार्थियों के लिए तीन वैकल्पिक मार्ग बनाए गये हैं
- जलाभिषेक के लिए 50 लोटे की व्यवस्था मंदिर समिति की ओर से की गयी है
- सदर अस्पताल की ओर से पूरे माह चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा
- मंदिर परिसर चकाचौंध रौशनी से प्रकाशमान रहेगा
- मंदिर मार्ग पर बढ़-छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा
- खोया-पाया के लिए लगातार एनाउंस किया जाएगा

ब्रीफ खबरें

19.40 लाख के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रांची। ओडिशा से गांजा की खेप लेकर बिहार जा रहे दो तस्कर को आरपीएफ ने हटिया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है. आरपीएफ की टीम ने विगत शनिवार की रात कार्रवाई की है. गिरफ्तार तस्करों में विनोद राम और दशरथ गुप्ता शामिल है. दोनों बिहार के पश्चिम चंपारण जिला का रहने वाला है. इनके पास से 19 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया है. जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 19.40 लाख आकी गयी है. दोनों तस्करों ने पूछताछ में बताया कि ओडिशा के संबलपुर से गांजा लेकर हटिया पहुंचे थे. गांजा को ऊंची कीमत पर बिहार में बेचा जाना था. रांची स्टेशन से ट्रेन बदलने की तैयारी थी. दोनों ने स्वीकार किया कि पूर्व में भी कई बार बिहार में गांजा की सप्लाई कर चुके हैं. दोनों ने अपने गिरोह के सदस्यों के बारे में भी जानकारी दी है.

रांची-भागलपुर श्रावणी स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ

रांची। रांची-भागलपुर श्रावणी स्पेशल ट्रेन का रविवार को शुभारंभ हो गया. रांची विधायक सीपी सिंह ने हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया. इस अवसर पर डीआरएम व सीनियर डीसीएम उपस्थित रहे. बता दें श्रावणी स्पेशल ट्रेन स्पेशल ट्रेन भागलपुर से सोमवार और बुधवार को दोपहर 12.20 में खुलेगी और रांची से मंगलवार और गुरुवार को रात 9.35 में खुलेगी. रांची से ट्रेन 21 जुलाई से 13 अगस्त तक खुलेगी, जबकि भागलपुर से 22 जुलाई से 14 अगस्त तक खुलेगी. रांची-भागलपुर श्रावणी स्पेशल ट्रेन धनबाद, जसीडीह, देवघर, बांका के रास्ते होकर भागलपुर जाएगी.

सिर पर महादेव, गले में सांप और हाथ में त्रिशुल...

रांची। सावन की पहली सोमवारी से पूर्व रविवार की रात कांवरिया जलभरी के लिए स्वर्णरेखा धाम रवाना हुए. इस दौरान अलबर्ट एक्का चौक के पास कांवरियों के जत्था से नजारा काफी विहंगम नजर आ रहा था. बारिश की फुहरों में भींगते हुए बाबा के भक्त बोल बम के जयकारे लगा रहे थे. इसी क्रम में सिर पर महादेव की लकड़ी पर बनी तस्वीर, गले में कृत्रिम सांप और हाथ में त्रिशुल लिए 48 साल के एक शिवभक्त दिखे. पूछने पर हेहल के साईं सिटी गंगानगर निवासी छोटे लाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2003 से ही हर साल सावन की सोमवारी पर अलग-अलग वेशभूषा में पहाड़ी बाबा को जलार्पण करते आ रहे हैं. उन्होंने बताया कि वह कांवर भी खुद से बना कर ले जाते हैं.

आस्था के अलग-अलग रंग

स्वर्णरेखा धाम जाते कांवरिया छोटे लाल शर्मा.

अमन साहू चाईबासा जेल शिफ्ट

संवाददाता। रांची

- **अमन साहू ने गिरिडीह जेल अधीक्षक के घर गोलीबारी की रची थी साजिश**
- **घटना को अंजाम देने से पहले ही चार अपराधियों को दबोचा गया था**

गिरिडीह जेल में बंद अपराधी अमन साहू को रविवार को चाईबासा मंडल कारा शिफ्ट किया गया. अमन साहू को बीते 20 जून को पलामू सेंट्रल जेल से गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था. इसके बाद अमन साहू ने जेल में विशेष सुविधा नहीं मिलने को लेकर गिरिडीह जेल अधीक्षक हिमानी प्रिया के घर पर गोलीबारी की साजिश रची थी. हालांकि, घटना को अंजाम देने से पहले एटीएस ने अमन साहू गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. अब गोपनीय तरीके से रविवार अलसुबह चार बजे कड़ी सुरक्षा के बीच अमन साहू को चाईबासा मंडल कारा में शिफ्ट किया गया.

ढाई साल में नौ जेल में शिफ्ट किया गया अमन साहू : जेल में बंद अपराधी अमन साहू को पिछले ढाई साल में नौ बार एक जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट किया गया. इसके बाद भी उसका आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. अमन साहू जेल से ही अलग-अलग जिलों के कारोबारियों को लगातार धमकी देने और रंगदारी वसूलने का काम करता रहा है.

गौरतलब हो कि दो महीने पहले अमन साहू ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बंदी पत्र लिख कर दावा किया था कि उसकी हत्या की साजिश रची जा रही है. उसने आरोप लगाया कि साजिश में पुलिस अफसर, कोयला माफिया व राजनेता शामिल हैं. साजिश के तहत ही उसे एक से दूसरे जेल में शिफ्ट किया जा रहा है.

ढाई साल में इन जेलों में किया गया शिफ्ट

गैंगस्टर अमन साहू.

- 29 अक्टूबर 2021 – रांची से पाकुड़ जेल
- 13 अप्रैल 2022 – गिरिडीह सेंट्रल जेल
- 23 जुलाई 2022 – मंडल कारा सिमडेगा
- 17 सितंबर 2022 – पलामू सेंट्रल जेल
- 24 नवंबर 2022 – दुमका मंडल कारा
- 19 अगस्त 2023 – चाईबासा मंडल कारा
- 11 अक्टूबर 2023 – पलामू सेंट्रल जेल
- 20 जून 2024 – गिरिडीह सेंट्रल जेल
- 21 जुलाई 2024 – चाईबासा मंडल कारा

संथालपरगना की जनता को आज सीएम देंगे सौगात

विशेष संवाददाता। रांची

- 132/33 केवी सबस्टेशन-ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन करेंगे
- उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज व पावर कट से मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संथालपरगना को बहुप्रतीक्षित योजनाओं की सौगात देंगे. वे सोमवार को 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन का साहिबगंज में उद्घाटन करेंगे. इससे संथालपरगना के सीता पहाड़, पतना, बड़हरवा और बरहेट क्षेत्र के कम से कम पांच लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को सीधा फायदा होगा. इस नए ग्रिड सबस्टेशन और ट्रांसमिशन लाइन के शुरू होने से उपरोक्त क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज, बार-बार पावर कट से राहत मिलेगी. साथ ही साथ 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन की दूरी भी कम होगी. इससे लोगों को बेहतर बिजली की आपूर्ति हो सकेगी. यह पाकुड़-राजमहल के 132 केवी डबल सर्किट लाइन से जुडे़गा. इसके निर्माण में कुल 70.64 करोड़ रुपये का खर्च आया है. इसके पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता 2 गुणा 50 एमवीए यानी कुल 100 एमवीए होगी. 132 केवीए डबल सर्किट लीलो (लाइन इन लाइन आउट) ट्रांसमिशन लाइन की कुल लंबाई 27.414 किलोमीटर है.

पूर्व विधायक हीरा राम तूफानी का निधन

रांची। कांके विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हीरा राम तूफानी का रविवार सुबह देहांत हो गया. उन्होंने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली. बताया जा रहा है कि तूफानी लंबे समय से बीमार चल रहे थे. उनका पार्थिव शरीर देर रात सेवा विमान से दिल्ली से रांची पहुंचा. इसके बाद स्व. तूफानी के पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा लाया गया. झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो ने पूर्व विधायक के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की है.

सुजाता चौक पर खतरे की घंटी: लटकता बिजली पोल, हलक में अटकी जान

आकर्ष अनिकेत। रांची

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों में से एक है सुजाता चौक. यहां से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं. लेकिन चौक के पास स्ट्रीट लाइट का एक पोल लटक रहा है. बारिश का मौसम है, आंधू-तूफान में कब गिर जाए, कहा नहीं जा सकता. नतीजतन, चौक से गुजरने वाले राहगीरों की जान हलक में अटकी रहती है. सुजाता चौक पर इस पोल पर स्ट्रीट लाइट लगे हैं. पोल नीचे से टूट चुका है और एक लोहे के एंगल के सहारे टिका हुआ है. मॉनसून में रोजाना बारिश हो रही है और कभी-कभी तेज हवा भी चलती है. ऐसे में राहगीरों के साथ-साथ आस-पास रहने वाले लोगों को हमेशा यह डर सताता रहता है कि कहीं पोल गिर न जाए और किसी बड़े हादसे का कारण न बन जाए. सुजाता चौक के आस पास रहने वाले लोगों ने बताया कि हमें रोजाना चौक से गुजरना होता है. पोल की स्थिति को देखते हुए चौक पार करते समय जान हलक में अटकी रहती है.

बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है लटकता पोल

चौक के आस-पास रहने वाले लोगों ने बताया कि काफी दिनों से पोल नीचे से टूटा हुई है. कहा जाए, तो टूटा पोल तार के सहारे लटका है. लटकता पोल देख कर ही डर लगता है. ऐसे में किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है. लोगों ने बताया कि पोल कभी भी गिर सकता है. निगम के साथ ही साथ बिजली विभाग को इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है. लोगों ने निगम व बिजली विभाग के अफसरों से पोल को जल्द से जल्द बदलने की गुहार लगायी है, ताकि संभावित अनहोनी को टाला जा सके.

जानकारी के अभाव में निगम में नहीं कर पा रहे शिकायत

सुजाता तौक के आस पास रहने वाले लोगों ने पूछने पर बताया कि उन लोगों ने निगम से इसकी शिकायत नहीं की. यह पूछे जाने पर आखिर क्यों शिकायत नहीं की, तो लोगों ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि निगम में कैसे शिकायत की जाती है.

पास में ही है ट्रैफिक पोस्ट, डरे-सहमे रहते हैं पुलिस के जवान

जहां स्ट्रीट लाइट का खंभा टूटा-लटका हुआ है, वहीं रोड पर ट्रैफिक पोस्ट भी है. ट्रैफिक पुलिस कर्मियों में भी टूटे पोल को लेकर दहशत है. ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने बताया कि बीच चौराहे पर इस तरह की स्थिति होने के ड्यूटी करने के दौरान पोल गिरने का डर लगा रहता है. जवान कहते हैं कि सुजाता चौक शहर का प्रमुख चौक है, जहां सबसे ज्यादा ट्रैफिक का लोड रहता है. ऐसे में ट्रैफिक संभालने के दौरान कहीं लटकता बिजली का खंभा गिर पड़ा, तो बड़ा हादसा हो सकता है.

ब्रीफ खबरें

हुंदूर के ग्रामीणों की सुनी समस्या

ओरमांझी। एसटी मोर्चा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष शिव टहल नायक ने अपनी टीम के साथ कांके प्रखंड अंतर्गत हुंदूर पंचायत के चारीहुजीर, हलदमा, गोबर हप्पा गांव में ग्रामीणों संग बैठक कर उनकी समस्याओं को जाना. उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं को जल्द समाधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि 40 सालों से भाजपा विधायक रही हैं, लेकिन आज भी कांके विधानसभा विकास से कोसों दूर है और पंचायत में मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं है. न रोड सही है, नाला निर्माण किया है.

डीएवी स्कूल में मनाई गई गुरु पूर्णिमा

ओरमांझी। डीएवी स्कूल मुन्ना पतरा ओरमांझी में गुरु पूर्णिमा मनाई गई. स्कूल में स्पेशल एसेंबली आयोजित की गई. स्कूल अध्यापिकाओं की ओर से बच्चों को इस दिन के महत्व के बारे में बताया गया. बच्चों ने भी अपने अध्यापकों के लिए सुंदर तरीके के साथ कार्ड्स तैयार किए. स्कूल के प्राचार्या पूनम दुबे ने भी बच्चों को इस दिन के महत्व के बारे में बताया. सातवीं की छात्रा ने गुरु महिमा पर सुंदर कविता प्रस्तुत की व छात्रों ने अपने भाषण से जीवन में गुरुजनों के महत्व को बताया. संगीत द्वारा सुंदर भजनों से पुष्प अर्पित कर गुरुजनों का सम्मान किया.

सड़क को ले ग्रामीणों ने की आम सभा

सिल्ली/मुरी। महुआ चट्टानी भारत माता अस्पताल के सामने कलुवाडीह (लेंगाहातू) और कांटाडीह के ग्रामीणों ने रविवार सुबह 7 बजे संयुक्त बैठक बांसारुली मुखिया लालू राम उरांव की अध्यक्षता में की. इसमें कलुवाडीह और कांटाडीह गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए जमीन चिन्हित करने को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया कि कलवाडीह आरईओ सड़क तिरला मौजा के ईसाइयों के कब्रिस्तान से सीधा 29 फीट चौड़ाई का एक आम रास्ता (सड़क) मुस्लिम कब्रिस्तान के पास से निकालते हुए कटाडीह आरईओ (सड़क) तक निकाला जाएगा.

रचनात्मक ज्ञान का सदुपयोग करें कैदी

खूंटी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देशानुसार एवं जिला एवं सत्र जज सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेस कुमार के मार्गदर्शन में डालसा द्वारा रविवार को उपकारा खूंटी में जेल लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने कहा कि वैसे बंदी जो किसी कारण वश अपना बेलर की व्यवस्था नहीं करा पाते, अपने परिवार से नहीं मिल पाते अथवा किसी कागजात की वजह से बेल कराने में किसी भी तरह की समस्या हो, तो वे आवेदन के माध्यम से डालसा सेक्रेटरी या कारा अधीक्षक को सूचित कर सकते हैं.

महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप

रातू। रातू थाना क्षेत्र के फुटकलटोली निवासी फातमा खातून ने रातू थाना में आवेदन दिया. कहा कि 19 जुलाई की शाम 6 बजे सरफराज अंसारी, रफीक अंसारी, सफीक अंसारी, शाकिब अंसारी एवं निजामुद्दीन अंसारी उसके घर पर आकर गाली-गलौज करने लगे. उसकी भाभी फरजाना खातून बीच बचाव करने आयी तो उन चारों ने मिलकर उनके साथ भी मारपीट करते हुए छेड़छाड करने लगे.

आस्था : बड़ी संख्या में श्रद्धालु सावन माह के पहले सोमवार को जलाभिषेक करेंगे, वर्ष 2002 से विशेष आकर्षण का केंद्र होता है बाबा का श्रृंगार

महादानी मंदिर में श्रावणी मेला व श्रृंगार पूजा महोत्सव का शुभारंभ आज

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

प्रखंड के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में सोमवार को श्रावणी मेला व श्रृंगार पूजा महोत्सव का शुभारंभ होगा. इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु सावन माह के पहले दिन पहली सोमवारी को महादानी मंदिर में जलाभिषेक करेंगे, लेकिन प्रत्येक श्रावण मास में महादानी मंदिर में आयोजित किया जाने वाले श्रृंगार पूजा महोत्सव का आयोजन विशेष रूप से होता है. श्रृंगार पूजा महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष विजय टंडन ने बताया कि वर्ष 2002 से लगातार मंदिर में सावन के महीने में प्रत्येक दिन शाम को महादानी बाबा का भव्य श्रृंगार पूजा का आयोजन किया जाता रहा है. इस वर्ष 22वें श्रृंगार पूजा महोत्सव के दौरान मंदिर में सावन के पहले दिन सोमवार को विदेशी साहु द्वारा श्रृंगार पूजा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. वहीं समाजसेवी संजीत कुमार साहु ने बताया कि मंगलवार को विशेष श्रृंगार पूजा के दौरान ऐतिहासिक महादानी मंदिर में पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण के साथ-साथ भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. वहीं बाबा भोलेनाथ के युवा भक्त पवन कुमार साहु ने बताया कि बेड़ो का श्रृंगार पूजा महोत्सव पूरे रांची जिला ही नहीं, बल्कि झारखंड में भी विशेष स्थान रखता है. यहां सावन महीने के प्रत्येक शाम को जैसे-जैसे शाम ढलती है, मंदिर में श्रृंगार पूजा के कारण रौनक चौगुनी हो जाती है. श्रृंगार पूजा समिति के अध्यक्ष विजय टंडन ने बताया कि श्रृंगार पूजा के दौरान संध्या 7:00 बजे से रात लगभग 9:00 बजे तक दो घंटे का श्रृंगार धार्मिक अनुष्ठान के दौरान बाबा भोलेनाथ की प्रत्येक दिन सुगंधित फूलों से श्रृंगार किया जाता है. बेड़ो के भक्त इसमें बढ़ चढ़ हिस्सा लेते हैं. प्रत्येक दिन कोई न कोई भक्त श्रृंगार पूजा की जिम्मेवारी उठाता है. एक श्रद्धालु भक्त को एक दिन का खर्च लगभग 15 से 20 हजार रुपये का है. श्रद्धालु अपनी स्थिति के अनुसार भक्ति का प्रदर्शन करते हैं. शाम होते ही कीर्तन मंडली के टीम श्रृंगार पूजा के साथ-साथ अपनी भक्ति संगीत और कीर्तन भजन से माहौल को पूरी तरह से भक्तिमय बना देते हैं. यजमान द्वारा पूजा की जाती है. वहीं मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पंडा एवं सोनू पंडा सहित अन्य पुजारी यजमान को श्रृंगार पूजा का अनुष्ठान कराते हैं. श्रद्धालु इस मौके पर रुद्राभिषेक अनुष्ठान भी करते हैं.

करांजी में मुहर्रम पर शोभायात्रा का हुआ आयोजन

लाठी, भाले, तलवार से हैरतंगेज प्रदर्शन

संवाददाता। बेड़ो

प्रखंड के करांजी गांव में रविवार को मुहर्रम के अवसर पर सेंट्रल मुहर्रम कमेटी द्वारा करांजी स्थित मैदान में अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता व मेला आयोजन किया गया. खिलाड़ियों ने हैरतंगेज प्रदर्शन किया. वहीं शेरे इस्लामियां मोहर्रम कमिटी करांजी, मिल्लन क्लब ईराकी मोहल्ला, मोहर्रम कमिटी रहमत नगर, मोहर्रम अखाड़ा चांदनी चौक जराटोली, कर्बला चौक जराटोली के अखाडेधारी जुलूस के साथ पहुंचे, जहां मोजावर लाठी, भाले, तलवार सहित शस्त्रों से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. इधर मेला मैदान में मंच पर मौजूद अतिथियों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता के अंत में आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों को तलवार व भला देकर सम्मानित किया गया.

मुख्य अतिथि प्रमेश्वर भगत ने सभी को शुभकामना देते हुए कहा कि मुहर्रम त्याग और बलिदान का प्रतीक है. हजरत इमाम हुसैन को तहे दिल से सलाम जिनकी याद में हम लोग हर साल मुहर्रम मनाते हैं. हमलोग इमाम हुसैन के रास्ते में चलेंगे और उनके त्याग और बलिदान का

उदाहरण समाज में पेश करेंगे. समाज बिल्कुल ही सादगी और ईमानदारी पर चलता है. हम लोग त्योहारों के साथ-साथ अपने बच्चों के तालीम में भी ध्यान दें. हम लोग अन्य राज्यों से पढ़ाई में काफी पीछे हैं. पढ़ाई से हम रोजी रोजगार खेती-बाड़ी और नौकरी में कब्जा करेंगे तभी हमारा विकास होगा. हमें स्वास्थ्य में भी ध्यान देना होगा आज हमारे आदिवासी समाज के साथ-साथ सदान और मुस्लिम बच्चे भी नशा पान के शिकार हो रहे हैं. हमारे गार्जियन को उसे रोकना चाहिए, जिससे हमारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके. मौके पर अध्यक्ष नौसाद आलम, सचिव जाकीर अंसारी, कोषाध्यक्ष बबलु खान, मुखिया फ्रांसिस्का मिंज, थाना प्रभारी नकुल साह, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अमीन अंसारी, हाजी इस्माईल अंसारी, मंजुर अंसारी, सोयब अंसारी, जाहिद आलम, नईम अंसारी, इसराईल अंसारी, मतीन अंसारी, अकाज अंसारी, अफताब खान उर्फ मंटा, रूस्तम अंसारी व ईलयास अंसारी आदि उपस्थित थे.

अवैध रूप से भंडारित 40 टन कोयला जब्त

कतरास। बीसीसीएल एरिया-4 अंतर्गत अंबे आउटसोर्सिंग कोल माइंस से कोयला निकाल कर भंडारण किए गए 40 टन अवैध कोयले को जब्त किया गया है. रामकनाली ओपी पुलिस व सीआईएसएफ ने रविवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई की. छापेमारी के दौरान टीम को आते देख कोयला तस्करों का सरगना भाग निकला. कोयला बोरियों में रखा गया था.

शौच के लिए गए व्यक्ति को वाहन ने रौंदा, मौत

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुराईन पतरा गांव के पास बीती शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार जाइलो वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया. वहीं, उस पर सवार लोग मौके पर गाड़ी छोड़ कर भाग निकले. मृतक की पहचान लेस्लीगंज के हरईन मोड़ निवासी रामजीत ठाकुर के रूप में हुई है.

गुड़ाबांदा थाना के दो जमादार व मुंशी निलंबित

गुड़ाबांदा। एएसआई अजय सिंह, एएसआई जितेंद्र कुमार और मुंशी मुनी कुमार को पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने निलंबित कर दिया गया है. तीनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ विगत 15 जुलाई को बनमाकड़ी निवासी सुभाष बेरा को थाना में लाकर मारपीट करने और छोड़ने के एवज में परिजनों से 35 हजार लेने का आरोप है. डीएसपी संदीप भगत ने एसएसपी को जांच रिपोर्ट सौंपी थी.

खुशी रथ सोनाहातू के पूर्वी क्षेत्र बारेंदा और दुलमी गांव पहुंची

गांव की माटी गुनगुनाती है खुशियों का गीत

संवाददाता। सोनाहातू

लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के तत्वावधान में रविवार को खुशी रथ सोनाहातू के पूर्वी क्षेत्र बारेंदा और दुलमी गांव पहुंची. दोनों गांवों में खुशी चौपाल का आयोजन हुआ. मौके पर खुशी क्लास के संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि प्रकृति ने बहुमूल्य जिंदगी जीने के लिए दी है, गुजारने के लिए नहीं. खुशी के साथ ही हम जिंदगी जी सकते हैं. तनाव, टेंशन में हम नारकीय अंदाज में सिर्फ जिंदगी गुजार सकते हैं. यह खुशी सकारात्मक भाव से ही आती है. कितनी भी झंझावतें आएं,

सकारात्मकता का साथ कभी नहीं छोड़ें. यही सकारत्मकता हमें सभी दिक्कतों से उबार कर खुशियों से भर देती है. हाइपरटेंशन, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति महामारी का रूप लेते जा रही है. समाज से इसे भगाना है. इसे हम खुशी-सकारात्मकता के साथ ही भगा सकते हैं. गांव की माटी सिर्फ फसल नहीं उपजाती, खुशियों का गीत भी गाती है. बस इसे महसूस कर दिल में उतार लें. मौके पर बारेंदा गांव के गौतम सिंह देव ने कहा कि खुशी क्लास की जरूरत हर घर को है.

सफीउल्लाह अंसारी बने ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष

ओरमांझी। झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने राज्य के 24 जिलों में मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिलाध्यक्ष का मनोनयन किया है, जिसमें रांची जिला का सफीउल्लाह अंसारी को ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष बनाया गया. अली ने कहा कि सफीउल्लाह अंसारी पूर्व में भी मोमिन कॉन्फ्रेंस की सेवा करते रहे हैं. यही वजह है कि संगठन ने इन्हें जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है. ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष सफीउल्लाह अंसारी ने प्रदेश अध्यक्ष का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस ने जिस उम्मीद के साथ मुझे संगठन की सेवा करने का मौका दिया है. मैं आने वाले दिनों में जरूर संगठन के मजबूती के लिए काम करूंगा.

न्यूज अपडेट

साई मंदिर में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

लापुंग। प्रखंड स्थित सरसा के प्रसिद्ध साईं मंदिर में रविवार को पूरी भक्ति एवं श्रद्धा के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया. सुबह 8:00 बजे दूध, दही, घी, मधु एवं पवित्र जल से साईं बाबा का अभिषेक किया गया. इस दौरान ढोल एवं नगाड़ों की प्रतिध्वनि के बीच बाबा की पालकी यात्रा निकाली गई. बाबा को विशेष भोग लगाया गया. दोपहर 12 बजे मध्याह्न आरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया. रांची सहित खूंटी, गुमला एवं लोहरदगा सहित विभिन्न जिलों से साईं भक्तों ने पहुंच कर साईं बाबा की पूजा अर्चना की.

बेड़ो से 45 सदस्यीय कांवड़ियों का जत्था रवाना

बेड़ो। कांवड़िया संघ बेड़ो के तत्वावधान में महाराष्ट्र एवं गुजरात स्थित पांच ज्योतिर्लिंग एवं श्री द्वारकाधीश की 15 दिवसीय यात्रा शुरू हुई. मुख्य पुजारी आचार्य जितेंद्र पाठक के नेतृत्व में 45 कांवड़ियों का जत्था रविवार को सुबह 11:00 बजे ऐतिहासिक महादानी मंदिर एवं महावीर चौक स्थित बजरंग बली मंदिर में माथा टेककर रवाना हुआ. जत्था श्री घृष्नेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, श्री त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री द्वारकाधीश धाम का दर्शन एवं पूजन करेंगे.

शाहेदा गांव में छह सोलर प्लेट्स एवं पैनल चोरी

लापुंग। थाना क्षेत्र के शाहेदा गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा 12 हजार लीटर क्षमता वाले जलमीनार के लिए सामुदायिक भवन की छत पर लगाए गए सोलर पैनल एवं प्लेट्स की अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली. घटना शुक्रवार रात की है. सोलर प्लेट्स की चोरी होने के बाद गांव में पेयजलापूर्ति ठप हो गई है. इससे गांव के सैकड़ों लोगों के समक्ष जल संकट गहरा गया है. गांव के समाजसेवी सुमित मिंज एवं अशोक उरांव ने बताया कि शाहेदा गांव में सामुदायिक भवन की छत पर दो एचपी के छह सोलर पैनल एवं प्लेट्स चोरों ने चोरी कर ली.

विधायक से लिपट रो पड़ी मृतक बच्चों की मां सुनीता

बेड़ो। प्रखंड अंतर्गत नरकोपी थाना क्षेत्र के करकरी पंचायत के ग्राम खरदेवरी तेतर टोली में पिछले शनिवार को एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों 4 वर्षीय विनय तिर्की और 1 वर्षीय श्रुति तिर्की की मृत्यु के बाद शोक की लहर व्याप्त हो गई है. तेतरटोली के सुशील तिर्की के इन दोनों बच्चों की बिजली के करंट से आकस्मिक मृत्यु के बाद पूरा गांव शोकाकुल परिवार के घर पर एकत्रित हो गया और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी. इसी क्रम में मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची.

आरटीसी कॉलेज में कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन

ओरमांझी। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने रविवार को पंचायत सचिवालयओरमांझी में कार्यशाला आयोजित कर पौधरोपण के महत्व पर चर्चा की. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी पहुंचे थे. अतिथियों एवं संस्था के सदस्यों द्वारा ओरमांझी स्कूल में भी पौधरोपण किया गया. रामटहल चौधरी महाविद्यालय दड़दाग में श्री श्री कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन चौधरी के कर कमलों से हुआ. चौधरी ने कहा कि कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए कारगर साबित होगा.

सरकार की उपलब्धियां की लोगों के बीच चर्चा करें

सिल्ली/मुरी। झामुमो सिल्ली प्रखंड समिति की बैठक प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो उर्फ राधिका की अध्यक्षता में हुई. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झामुमो रांची जिला उपाध्यक्ष सह सिल्ली विधानसभा प्रभारी रामानंद बेदिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी पर विशेष ध्यान दें और संगठन की मजबूती को लेकर कार्य करें. झारखंड सरकार की उपलब्धियां को लेकर लोगों के बीच चर्चा करें.

पार्टी पूरे दमखम से चुनाव के मैदान में उतरेगी : शिव उरांव

- संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की बैठक में बोले प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता। मांडर

प्रखंड स्थित तिग्गा कॉम्प्लेक्स में संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी का प्रखंड स्तरीय बैठक रविवार को वकील अंसारी की अध्यक्षता में हुई. इसमें मांडर विधानसभा के विभिन्न गांवों से कार्यकर्ता शामिल हुए. बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष शिव उरांव ने कहा कि विकास के लिए बदलाव जरूरी है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को उनका हक दिलाना है. शिक्षा पर पार्टी का विशेष जोर है. क्योंकि शिक्षा से ही समाज और देश का विकास हो सकता है. पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव के मैदान में उतरेगी. पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में अच्छे शिक्षाविद्, समाजसेवी और बुद्धिजीवी लोग शामिल हो रहे हैं. राष्ट्रीय पार्टियां ग्रामीण और सुदूर क्षेत्र

के लोगों की समस्याओं को नहीं समझ पाती हैं और न ही उनका समाधान करती है. ये पार्टियां हमारे झारखंड को चारागाह बना दिया है. यहां की समस्या को स्थानीय नेता ही समाधान कर सकते हैं. इसमें सभी जाति समुदाय के लोग जुड़े हुए हैं. ये सबकी पार्टी है. पार्टी चाहती है कि सबका विकास हो. सत्ता में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए आपलोगों को पार्टी की विचारधारा को आमजनों तक लेकर जाना है. बैठक में महिला कार्यकर्ता भी काफी संख्या में मौजूद थीं. उन्होंने कहा कि मांडर विधानसभा में पार्टी पांच सौ एक्टिव कार्यकर्ता तैयार करेगी. आज मांडर विधानसभा में समस्याओं का अंबार है. हमारे सांसद, विधायक को हमारी समस्या से कोई मतलब नहीं है.

शिशु विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मना

डकरा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में महर्षि वेदव्यास जयंती के साथ गुरु पूर्णिमा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें विद्यालय सचिव लोकनाथ राणा, सह सचिव नवनीत शेखर, उपाध्यक्ष अवधेश सिंह, प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा व विद्यालय प्रबंधकारिणी सदस्यों की उपस्थिति के साथ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. इस दौरान विद्यालय के सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में आदिकाल से गुरु और शिष्य का परंपरागत संबंध रहा है. माता पिता हमें जीवन देते हैं लेकिन अच्छा जीवन कैसे जीना है यह एक गुरु ही बताते हैं. इसलिए हमारे समाज में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया गया है. वहीं प्राचार्य गोपाल विश्वकर्मा ने कहा कि आज के दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्होंने तमाम बड़े धर्म ग्रंथों की रचना की थी. गुरु पूर्णिमा गुरु और शिष्यों के लिए खास दिन है. उन्होंने कहा आज के दिन हम सभी का पावन कर्तव्य बनता है कि हम अपने अपने गुरुओं को श्रद्धा भक्ति से पूजा करके घर परिवार, समाज, देश और दुनिया में भाईचारा, सौहार्द अमन शांति की कामना करें.

सड़क दुर्घटना में चार पुलिस कर्मी व अभियुक्त हुए घायल

संवाददाता। रांची

छत्तीसगढ़ से आरोपी को गिरफ्तार कर रांची आ रही पुलिस की गाड़ी की ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गयी. घटना रविवार की सुबह सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में हुई है. इस दुर्घटना में चार पुलिस कर्मी और गिरफ्तार आरोपी घायल हो गया. घायल पुलिसकर्मी तुपुदाना थाना के हैं. इधर, घटना की सूचना मिलने पर सिमडेगा पुलिस मौके पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया. यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने सभी को रिम्स रेफर कर दिया.

ब्लैकमेलिंग के आरोपी को ला रही थी तुपुदाना थाना की पुलिस : रांची के तुपुदाना थाना में दर्ज ब्लैकमेलिंग के एक मामले में अभियुक्त लोकेश साहू को पुलिस टीम छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गिरफ्तार कर रांची आ रही थी. इस टीम में तुपुदाना थाना के दारोगा उमा शंकर सिंह, हेड कांस्टेबल प्रेम तिग्गा, कांस्टेबल रंजीत सुरीन और चालक प्रताप घोष शामिल थे. रात अधिक होने के कारण शनिवार की रात सभी ठेठईटांगर थाना में रूक गये थे. फिर रविवार की सुबह अभियुक्त को लेकर सभी पुलिसकर्मी रांची आ रहे थे. इसी क्रम में अलसंगा मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस की गाड़ी में सामने से टक्कर मार दिया.

तैयारी जियाडा तैयार कर रहा उद्योगों को आबंटित जमीन की सूची, दो अगस्त को उद्योग विभाग करेगा समीक्षा

जमीन ली और उद्योग नहीं लगाया, तो रद्द होगा आबंटन

संजीव मेहता। रांची/आदित्यपुर

उद्योग विभाग झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) क्षेत्र में संचालित उद्योगों की दो अगस्त को समीक्षा करेगा. साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित उद्योगों के साथ ही साथ बंद पड़े उद्योगों की जानकारी भी हासिल करेगा. किस औद्योगिक क्षेत्र में किस उद्योग के लिए कितनी जमीन आबंटित की गयी है, इसकी भी समीक्षा की जाएगी.

जमीन आबंटित कराने के बावजूद उद्योगों की स्थापना नहीं करनेवाले उद्यमियों का आबंटन रद्द करने पर भी विचार किया जा सकता है. जियाडा के तहत आने वाले आयडा, बियाडा, रियाडा और एसपीयाडा औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों को कितनी जमीन आबंटित की गयी है, इसका ब्योरा भी तैयार किया जा रहा है. कितने उद्योग चल रहे हैं और कितने बंद पड़े हैं, इसका भी ब्योरा मांगा गया है.

मंत्री ने दिया है उद्योगों का ब्योरा तैयार करने का निर्देश : उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों की स्थिति व अबांटित जमीन का लेखा-जोखा तैयार करने का आदेश दिया है. मंत्री के आदेश के आलोक में जियाडा आदित्यपुर, बोकारो, रांची सहित अन्य क्षेत्रीय इकाइयां में भी उद्योगों को आवंटित जमीनों की सूची तैयार करने में जुटी है. जियाडा के तहत आने वाले आयडा, बियाडा, रियाडा और एसपीयाडा द्वारा आवंटित किए गए उद्योगों की जमीन पर कुछ उद्यमी संगठनों और झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई थी. इसे देखते हुए मंत्री ने पूरे मामले की समीक्षा करने का निर्णय लिया है.

जमीन तो ले ली, पर उद्योग नहीं लगाए : समीक्षा बैठक में वैसे उद्यमियों को चिह्नित किया जाएगा, जिन्होंने उद्योग लगाने के नाम पर जमीन तो आबंटित करा ली है, लेकिन उसपर अब तक उद्योग नहीं लगाया है. उद्योग विभाग की मानें, तो बैठक के बाद ऐसी जमीन को चिह्नित कर आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. साथ ही बैठक में उद्योगों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की जाएगी.

आखिर क्यों पड़ी समीक्षा बैठक की जरूरत : जियाडा द्वारा भी सैंकड़ों उद्योगों के नाम पर जमीन आवंटित की गयी हैं. लेकिन विभिन्न कारणों को दर्शाते हुए उद्यमियों ने अब तक उसपर अपना उद्यम स्थापित नहीं किया है. इस बात को लेकर पिछले दिनों उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने विभागीय स्तर पर समीक्षा की थी. इसके बाद जियाडा को उद्योगों के साथ ही साथ उद्योगों को आंवटित जमीन की सूची तैयार करने का आदेश दिया गया था.

आबंटन रद्द करना हल नहीं : रूपेश

उद्यमी संगठन इंडस्ट्रियल सस्टैंबिलिटी रिफॉर्म एंड ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष रूपेश कतरियार ने कहा कि यह सच है पिछले पांच वर्षों में सैंकड़ों उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने के लिए जमीन दी गई, लेकिन प्राधिकरण ने उस जमीन पर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं किया. ऐसे में उद्यमी क्या करेंगे? उल्टे उद्यमी करोड़ों रुपये बैंक से ऋण लेकर फंस गए हैं.

क्या कहते हैं जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक

जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने बताया कि आयडा क्षेत्र में सौ से अधिक नए प्लॉट आवंटित हुए हैं. इनमें से करीब 50 प्लॉट पर उद्योग लगे हैं और वहां उत्पादन भी शुरू हो गया है. लेकिन जमीन लेकर उद्योग नहीं लगाने वाले 46 उद्योगों की जमीन का आबंटन उन्होंने अपने स्तर से रद्द करने की प्रक्रिया अपनाई है. इसमें मुख्य रूप से फोरम इंडिया की 22 एकड़ जमीन का मामला है.

भेलवाघाटी में प्रेम प्रसंग के दो मामलों में दो की हत्या

संवाददाता। गिरिडीह

भेलवाघाटी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग में दो लोगों की हत्या के दो अलग-अलग मामला प्रकाश में आया है. एक मामले में पत्नी, तो दूसरे मामले में प्रेमिका को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है. पहली घटना भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के अमजो गांव की है. जानकारी के अनुसार आमजो निवासी रहमत अंसारी (45) की शनिवार की देर रात बेरहमी से हत्या कर दी गई.

बताया जा रहा है कि रहमत की पत्नी का गांव के ही एक युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी गुलशन बीवी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है. पुलिस की मानें, तो गुलशन ने हत्या को हादसा देने की पूरी कोशिश की गई है. खून से लतपथ रहमत की लाश घर के अंदर चौकी पर पड़ी थी. उसके चेहरे पर चोट के कई गंभीर निशान थे. आशंका जताई जा रही है कि सोए अवस्था में ही उसकी हत्या कर दी गई.

तालाब में उपलाती मिली युवक की लाश : भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के ही हरियाडीह पंचायत स्थित डूमरबकी तालाब में रविवार की सुबह 42 वर्षीय युवक की लाश मिली है. मृतक की पहचान पुरहरा गांव निवासी नारायण यादव उर्फ टेकन यादव के रूप में हुई है. परिजनों ने मारपीट कर उसकी हत्या का आरोप लगाया है. मामले में गांव की ही एक महिला को पकड़ कर ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी. नारायण की पत्नी की मानें, तो उसके पति का गांव के एक महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. आरोपी महिला ने अपने सहयोगियों के साथ मिल कर घटना को अंजाम दिया है.

राजधानी में धूमधाम से मना गुरु पूर्णिमा उत्सव, पूजन-भजन कर घंटों भक्ति में रमे रहे श्रद्धालु

बलिहारी गुरु अपने गोविंद दियो बताय

संवाददाता। रांची

राजधानी में गुरु पूर्णिमा पर आयोजित किए विभिन्न कार्यक्रम.

राजधानी में आषाढ़ शुक्ल पक्ष के अंतिम दिन रविवार को सूर्य की पहली किरण गुरु भक्ति की सौगात लेकर आयी. सुबह से छाई घटा, कभी धूप तो कभी छांव के साथ रिमझिम बारिश की फुहार के बीच गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया. शहर के विभिन्न मंदिरों, मठो, धार्मिक और सामाजिक स्थलों पर बलिहारी गुरु अपने गोविंद दियो बताय के भाव से खास आयोजन किये गये. कहीं पादुका पूजन तो कहीं ध्यान, भजन और भंडारा आदि का क्रमवार सिलसिला चला. श्रद्धालु सतगुरु है रंगरेज़ चुनर मोरी रंग डरी ... जैसे भजन प्रस्तुत कर पथ प्रदर्शक को तन-मन से समर्पित रहे. सद्गुरु के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प भी दोहराया. देर शाम तक भक्ति का रंग चटक होता रहा.

योगदा सत्संग आश्रम : उत्सव की शुरुआत सुबह विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान और स्वामी श्रद्धानंद गिरी के सत्संग हुई. इसमें पूरे भारत से बड़ी संख्या में अनुयायियों ने हिस्सा लिया. गुरु-शिष्य संबंध पर बोलते हुए स्वामी श्रद्धानंद ने श्रीश्री परमहंस योगानंद के उपदेशो पर विस्तार से प्रकाश डाला. साथ ही योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया वाईएसएस और एसआरएफ के अध्यक्ष और आध्यात्मिक प्रमुख स्वामी चिदानंद गिरी के भक्तों को लिखे गए पत्र के कुछ अंश भी पढ़े. कहा कि गुरुदेव की शाश्वत संरक्षण में शरण लें, फिर ऐसी कोई चुनौती नहीं है जिसका वे सामना नहीं कर सकते. उससे पार नहीं पा सकते. दिन के साढ़े नौ से साढ़ 11 बजे तक गुरु पूजा की गई. भजन कार्यक्रम चला. अनुयायियों संग ब्रह्मचारी शांभवानंद और प्रहलादानंद सद्गुरु की भक्ति में भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया. फिर वृहत रूप में भंडारा चलाया गया. तीन घंटे लंबे विशेष ध्यान के साथ समारोह का समापन हुआ. इस दौनरान स्वामी शंकरानंद ने परमहंस योगानंदजी के एक भक्त को लिखे गए एक प्रेरक पत्र के अंश पढ़े, जिसमें अपने निष्ठावान शिष्यों के लिए एक सच्चे गुरु की शाश्वत सहायता और प्रेम पर जोर दिया गया.

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा समिति : की ओर से मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम, पुंदाग में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. संत सदानंद जी के अनुयायी दोपहर 12 बजे गुरु पूजन कर आरती उतारी. फिर घंटों भक्ति गीतों की धारा बहायी. फोन पर संतश्री ने सभी के बीच अपने आशीर्वचन का प्रसाद बांटा. जीवनोपयोगी बाते भी बतायी.

सहज योग केंद्र, गांधी चौक : का परिसर सद्गुरु ब्रह्मलीन निर्मला देवी की भक्ति से सराबोर रहा. अनुयायी चरण पादुका पूजन कर गुरु भक्ति में रमे रहे. ध्यान-भजन कर पथ प्रदर्शक की महिमा गायी. गुरु के श्रीचरणो में श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. मौके पर कुंडलिनी जागरण का सामूहिक अभ्यास भी किया. दोपहर बाद प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ.

महर्षि मेंहीं आश्रम, चुटिया : में सुबह आठ बजे पुष्पांजलि से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. अनुयायी सद्गुरु ब्रह्मलीन महर्षि मेंहीं जी की चरण पादुका पूजन कर श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. भजन-संकीर्तन कर श्रद्धा अर्पित की. दोपहर बाद वृहत रूप में भंडारा चला. स्तुति प्रार्थना आदि के बाद दिन के साढ़े बजे सत्संग प्रारंभ हुआ. कुप्पा घाट भागलपुर से आये स्वामी निर्मला नंद जी ने महर्षि मेंहीं जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने की अपील की.

चिन्मय मिशन आश्रम, लेक रोड : में सुबह आठ बजे चरण पादुका पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. आश्रम के स्वामी परिपूर्णानंद जी के सान्निध्य में अनुयायियों ने पूजन कर गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. इसके बाद ध्यान, भजन और सत्संग का कार्यक्रम चला. मौके पर स्वामी जी ने गुरु महिमा और गुरु परंपरा पर प्रकाश डालते हुए ज्ञान-ध्यान की बाते बतायी.

इंद्रपुरी, रातू रोड : में ब्रह्मलीन स्वामी प्रज्ञानंद गिरी महाराज की तस्वीर पर चंदन-वंदन कर अनुयायियों ने श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. दीप प्रज्वलित सदद्गुरु के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया. मौके पर शक्ति वंदना, सूर्य मंत्र, गायत्री मंत्र,महामृत्युंजय मंत्र,आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ भी किया गया. मनोज कुमार पुट्टू, ऋषभ कुमार,मुन्ना कुमार, अतुल कुमार, पुनम मिश्रा, प्रेरणा कुमारी आदि ने मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

तिरुपति बाला जी मंदिर : में विशेष पूजन-अनुष्ठान किया गया. पंडित श्यामानंद झा, सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया ने यजमान के रूप में भागीदारी निभायी. घनश्याम दास शर्मा, अनूप अग्रवाल, गौरी शंकर साबू, रामवृक्ष साहू, सुशील नारसरिया, रंजन सिंह, नीरू बाई, मंजू लता साबू, विमला शर्मा मौजूद थे.

नटराज योग संस्थान, कचहरी रोड : में गुरु पूजा कर भक्त भक्ति में रमे रहे. संस्था के संस्थापक आचार्य प्रह्लाद भगत ने पूजा में मुख्य रूप से हिस्सा लिया. मुख्य अतिथि रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी संग प्रशांत सिंह , डॉ घोषाल, जय श्रीवास्तव,आम्या अंशु, सुषमा तिग्गा, पूजा सिंह, रितेश कुमार, बिट्टू कुमार, पिंटू , माही सिंह, अंजलि कुमारी, अंजलि दास, रेशमी तिर्की, सरिता सिंह, संगीता बनर्जी, रचना चौधरी, शशि मोदी, सुनिधि भारती, कशक कच्छप आदि ने भी इसमें मुख्य रूप से भाग लिया.

श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड : में खाटू नरेश मंदिर में विराजमान सभी देवी देवता और गुरुजनों को नवीन पोशाक पहनाकर मनोहारी श्रृंगार किया गया. ब्रह्मलीन आलू सिंह जी के तैल चित्र पर भक्तों ने श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये. दिन के सवा नौ बजे सत्यनारायण कथा और शालिग्राम पूजन किया गया. शाम साढ़े चार बजे से भजनो का कार्यक्रम चला. कमल, रश्मि अग्रवाल, सौरभ, खुशबू अग्रवाल, विष्णु, बिंदल, संजीव, कुमारी शिखा, श्रीश्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, पंकज गाड़ोदिया, कमल अग्रवाल, संजीव कुमा,र राजेश कतारुका, स्नेह पोद्दा,र सलज अग्रवाल, संजय सराफ ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ : में रजत सिंहासन पर विराजमान सदगुरु काशीराम जी शर्मा की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार-पूजन किया गया. भक्तों ने गुरुदेव को फल, मेवा का प्रसाद निवेदित किया. इसके बाद सुबह साढ़े आठ बजे से भजनो का कार्यक्रम शुरू हुआ. सतगुरु काशीराम याद तेरी आती है... जैसे भजन प्रस्तुत कर गुरु भक्ति की अविरल धारा बहायी. ओम जोशी, रमेश सारस्वत, चंद्र प्रकाश बागला , धीरज बंका, विवेक ढांढनीयां, अमित जलान, प्रदीप अग्रवाल, मनोज ढांढनीयां, नितेश लखोटिया, अभिषेक डालमिया आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

गायत्री शक्तिपीठ, सेक्टर टू : में सत्संग, भजन और प्रवचन के साथ विविध संस्कार संपन्न हुआ. 24 कुण्डीय महायज्ञ में आहुति दी गयी. अस्वस्थ जनों के स्वास्थ्य लाभ और परिजनों के सफल-सुफल जीवन के लिए गायत्री महामंत्र का जप और अनुष्ठान आदि किया गया. परिवार को लोगों ने सद्गुरु के उपदेशो को आत्मसात किया. पात में बैठक प्रसाद पाया. इसके अलावा गायत्री शक्तिपीठ अलकापुरी, बस स्टैंड स्थित धूर्वा प्रज्ञापीठ, चेतना केन्द्र टाटीसिलवे आदि में भी गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया. इसके अलावा साईं मंदिर, पुंदाग, श्रीयोग वेदांत सेवा समिति, रामकृष्ण मिशन आश्रम, अद्वैत स्वरूप आश्रम, मातृकाश्रम, श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर, साईं मंदिर रातू रोड आदि में भी गुरु पूर्णिमा उत्सव पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये.

डीएसपीएमयू ने मनायी गुरुपूर्णिमा, व्यास को किया याद

डीएसपीएमयू में गुरुपूर्णिमा पर आयोजित समारोह में शिक्षक व छात्र-छात्राएं.

रांची ।राजकीय संस्कृत महाविद्यालय रांची के वरीय शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार मिश्र ने रविवार को कहा कि गुरु पूर्णिमा-सह-व्यास पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें गुरु के महत्त्व और उनके प्रति सम्मान की याद दिलाता है. डॉ मिश्र डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा-सह-व्यास जयन्ती के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि गुरु समाज का पथ प्रदर्शक होता है.कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने संस्कृत वाङ्मय के विकास में महर्षि वेदव्यास के योगदान के पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मारवाड़ी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक डॉ. राहुल कुमार ने कहा कि हमें जीवनपर्यन्त अध्ययनशील रहना चाहिए. विभागीय शिक्षक डॉ. जगदम्बा प्रसाद ने कहा कि माता-पिता सर्वोच्च गुरु होते हैं. शास्त्रज्ञान और व्यवहार ज्ञान देने वाले भी गुरु ही होते हैं. विभागीय शिक्षिका डॉ. श्रीमित्रा ने इस अवसर पर कहा कि आज के युग में भी गुरु का महत्त्व कम नहीं हुआ है. इस अवसर पर अमिताभ कुमार ने कहा कि यह दिन हमें यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम सदैव अपने गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चलें. कार्यक्रम का आरम्भ विभागीय विद्यार्थी शुभम पाण्डेय द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ. प्रेरणा भारती ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की. स्वागत गीत की प्रस्तुति तन्नु सिंह ने की. अतिथियों का परिचय शिवम नारायण ने करवाया. सर्वोत्तमा ने गुरुतत्त्व के महत्त्व पर प्रकाश डाला. अनामिका ने स्वागत नृत्य से लोगों का मन मोह लिया. सुरेन्द्र महतो ने संस्कृत गीत प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का संयोजन आयुष कुमार एवं शोभा मुण्डा ने किया.

गुरुपूर्णिमा पर पासवा ने शिक्षकों को दिया सम्मान

शिक्षकों को सम्मानित करते पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे.

रांची । पब्लिक स्कूल्स एण्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन पासवा के तत्वावधान में रविवार को गुरुपूर्णिमा मनायी गयी और 'आज की शाम शिक्षकों के नाम' सम्मान समारोह आयोजित कर शिक्षकों को सम्मानित किया. कार्यक्रम मोराबादी एदलहातू स्थित पासवा नगर अध्यक्ष डॉ सुषमा केरकेट्टा के नेतृत्व में संत गेब्रियल एण्ड मोनिका स्कूल परिसर में आयोजित किया गया.

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने उपस्थित शिक्षकों के स्वागत अभिभाषण में कहा कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका अहम है. वस्तुतः शिक्षक ही समाज को सुधार कर एक नई दिशा प्रदान करते हैं. समारोह में सर्वप्रथम पासवा की नगर अध्यक्ष और संत गेब्रियल एण्ड मोनिका स्कूल की प्राचार्या ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया और दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर डॉ. सुषमा केरकेट्टा ने गुरुओं के सम्मान में संगीत भी प्रस्तुत किया. शिक्षक सम्मान समारोह में एमएमके हाई स्कूल के डायरेक्टर डॉ तनवीर अहमद,आर्य भट्ट पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर मनोज कुमार भट्ट, संत गेब्रियल एंड मोनिका स्कूल के डायरेक्टर डॉ. सुषमा केरकेट्टा, डायरेक्टर प्रिया योगी, प्रीति सोनी, डेजी एम.केरकेट्टा,आयशा बसार, साइमन सारिक, राफिया अहमद, संजय कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, संजय तिर्की, अनिकेत कुमार, मोहम्मद शाहिद, शैफ अहमद, मो.जियारुइन को सम्मानित किया गया.

लोहरदगा में होगा छात्र सम्मान समारोह : लोहरदगा में जल्द ही छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसके निमित्त पासवा अध्यक्ष आलोक दूबे 22 जुलाई को लोहरदगा जाएंगे. यह जानकारी शिक्षक सम्मान समारोह में पासवा अध्यक्ष ने दी.

मुक्ति संस्था ने 34 लावारिस शवों का किया सामूहिक दाह संस्कार

संवाददाता। रांची

शवों का अंतिम संस्कार किया है.

मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी तट पर 34 लावारिस शवों का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया. संस्था के सदस्यों ने दाह संस्कार से पूर्व मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. फिर सभी शवों को मुखाग्नि दी. नौ सालों से लवारिश शवों का अंतिम संस्कार कर रही संस्था कई दिनों से इन शवों के दाह संस्कार की तैयारी कर रही थी. रिम्स में कानूनी औपचारिकता पूरी करने के बाद मोर्चरी में पड़े सभी शवों को ट्रैक्टर से जुमार नदी तट पर लाया गया. इनमें से कई शव गल गये थे. इसलिए उन शवों को प्लास्टिक में सील कर दिया गया था. इसके बाद जुमार नदी के तट पर एक साथ 34 चिता सजाकर विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. गौरतलब है कि संस्था ने अब तक 1784 लावारिस

शवों की पहचान के लिए पुलिस ने किया प्रयास : बता दें कि पुलिस ने इन 34 लावारिश शवों की पहचान के लिए काफी प्रयास किया. पुलिस ने कई बार विज्ञापन भी निकाले. लेकिन इन शवों की पहचान नहीं हो सकी. परिजनों की कोई खोज-खबर नहीं आने के बाद लंबे समय से रिम्स में रखे गये इन शवों को सामूहिक दाह संस्कार के लिए संस्था को सौंप दिया गया.

पहाड़ी मंदिर विधि-व्यवस्था को लेकर आदेश जारी

संवाददाता। रांची

श्रावणी मेला के दौरान रांची पहाड़ी मंदिर में विधि व्यवस्था को लेकर डीसी सह जिला दंडाधिकारी एवं एसएसपी ने आदेश जारी कर दिया है. पूरे श्रावण माह के विधि-व्यवस्था के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की पालीवार प्रतिनियुक्ति की गई है.

पहाड़ी मंदिर परिसर में श्रावणी मेला के सभी दिन 44 स्थानों पर सुबह 3 बजे से भीड़ समाप्ति तक पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है. इसके अलावा श्रावण माह के प्रत्येक रविवार की रात से सोमवार तक एवं श्रावण पूर्णिमा के लिए (22 एवं 29 जुलाई, 5, 12 और 19 अगस्त 2024) मंदिर परिसर एवं शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर भी पालीवार पुलिस प्रशासन की प्रतिनियुक्ति की गई है. पहाड़ी मंदिर परिसर में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है. साथ ही मंदिर प्रवेश द्वार के इर्द-गिर्द किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो इसे सुनिश्चित करने को कहा गया है.

संयुक्तादेश में असामाजिक तत्वों, मनचले, छिनतई व पॉकेटमारी जैसे गतिविधि करने वाले व्यक्ति पर विशेष नजर रखने का आदेश दिया गया है. इस प्रकार की हरकत किए जाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ अविलंब कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है. श्रावण माह के दौरान पहाड़ी मंदिर के पास चिकित्सा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों एवं सहकर्मियों की प्रतिनियुक्ति के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने आदेश सिविल सर्जन, रांची को दिया गया है. अग्निशमन एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है. पेयजल, साफ-सफाई एवं शौचालय की व्यवस्था के लिए अपर नगर आयुक्त, नगर निगम से व्यवस्था का आग्रह किया गया है. सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार और रांची सीटी एसपी राजकुमार मेहता ने श्रावणी मेला 2024 के अवसर पर विधि-व्यवस्था के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे.

एसएसपी-डीएसपी ने पहाड़ी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण.

रांची । सावन की पहली सोमवारी कल है . इसको लेकर रविवार को एसएसपी चंदन सिन्हा और डीएसपी प्रकाश सोए ने पहाड़ी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया . इस दौरान कई दिशा निर्देश भी दिये . इधर पहली सोमवारी को लेकर पहाड़ी मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं . जगह-जगह पर पुलिस के जवान और युवा संगठनों के कार्यकर्ता तैनात हैं . मंदिर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं . जिससे लोगों पर नजर रखी जा रही है . समिति की ओर से भक्तों का ध्यान रखा जा रहा है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी ना हो .

न्यूज अपडेट

आइवा ने गोंदा डैम परिसर में 200 पौधे लगाए गये

गोंदा डैम परिसर में पौधा लगाते इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन.

रांची। इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन (आईडब्ल्यूडब्ल्यूए) के रांची सेंटर ने गोंदा डैम परिसर में 200 पौधे लगाए. साथ ही पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया. पौधे लगाने का उद्देश्य गोंदा जलाशय को प्रदूषण से बचाना और पर्यावरण की सुरक्षा करना है. आइवा के सचिव अभियंता प्रमोद भट्ट ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व अभियंता प्रमुख शरदेंदु नारायण के नेतृत्व में किया गया. मौके पर मौजूद आईवान के प्रेसिडेंट इंजीनियर उमेश मेहता, सचिव प्रमोद कुमार , शारदेंदु नारायण, पी सी चौधरी, नविन परमार, रामाधिन प्रसाद, हीरा लाल प्रसाद, सतीश प्रसाद, प्रभु शंकर राम, पी एन सिंह, उमेश सिंह, शंकर दास, अनिल जहां, अजय यादव और डीडी शर्मा ने वृक्ष लगाए.

झारखंड की महिला टीम विजेता, पुरुष टीम उपविजेता

जश्न मनातीं महिला हॉकी टीम विजेता.

रांची. 14 से 21 जुलाई 2024 तक पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया ईस्ट जोन जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में झारखंड महिला टीम चैंपियन बनी. वहीं झारखंड पुरुष टीम उपविजेता बनी. झारखंड महिला टीम रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान पश्चिम बंगाल को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से मात देकर चैंपियन बनी. मैदानी खेल में निर्धारित समय तक दोनों टीम 1- 1 गोल की बराबरी पर रही. जिसके बाद पेनाल्टी शूटआउट में झारखंड टीम ने बाजी मार ली. वहीं झारखंड पुरुष टीम का फाइनल मुकाबला ओडिशा के साथ हुआ. जिसमें झारखंड टीम को ओडिशा टीम ने 2-0 गोल से पराजित किया.

गुमला खो-खो संघ के अध्यक्ष बने लालधर साहू

रांची। गुमला जिला खो-खो संघ की वार्षिक आमसभा की बैठक सह शेष कार्यकाल के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नई जिला कार्यकारिणी समिती का सर्वसम्मति से चुनाव रविवार को हुआ. इसमें गुमला खो-खो सघं के अध्यक्ष के रुप में लालधर साहू चुने गए, वहीं चेयरमैन के रुप में सुशील कुमार का चयन हुआ. आमसभा का आयोजन तपन कुमार राउत की अध्यक्षता में हुआ.

जिला कार्यकारिणी समिति : संरक्षक : किरण माला बाड़ा, कृष्णा उरांव, चेयरमैन सुशील कुमार, अध्यक्ष लालधर साहू, कार्यकारी अध्यक्ष भगवान दीक्षित, मोनू शुक्ला, वरीय उपाध्यक्ष अलवीना देवी, छोटे लाल साहू, उपाध्यक्ष विशाल साहू, बीरबल लोहरा, गौतम ताम्रकार, रोशन ठाकुर, छोटू हजाम, सचिव जगदेव गोप, संयुक्त सचिव चर्तुगुण साहू, राजेश साहू, चंद्रमुनि कुमारी, राजेश्वरी देवी, रोशन साहू, कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय सचिव हीरालाल बैठा, अध्यक्ष, रेफरी बोर्ड चर्तुरगुण साहू, कार्यकारिणी सदस्य विरेन्द्र साहू, देवेन्द्र साहू, मंगलेश्वर उरांव, लक्षन्ति कुमारी, सुशीला, सप्तमी, रिंकू उरांव आदि बनाये गये.

अधिकार और शक्ति का प्रयोग सेवा भाव से करें

रांची। हरमू स्थित संत फ्रांसिस चर्च प्रांगण में रविवार को दृढ़करण संस्कार का आयोजन हुआ. आर्चबिशप की अगुवाई में कुल 56 बच्चों ने दृढ़करण संस्कार में शामिल हुए. जिसमें 29 लडकियों और 27 लड़के उपस्थित थे. उन्होंने पल्ली के कैथोलिक विश्वासियों के लिए मिस्सा बलिदान अर्पित की. इस अवसर पर आर्चबिशप विसेंट आइंद ने कहा कि हमें अपने अधिकारों और शक्ति का प्रयोग दूसरों की उत्थान के लिए करना चाहिए. क्योंकि उनकी जिम्मेदारी हमें दी गई है. उन्होंने मानवता के असंवेदनशील और मूक दर्शन व्यवहार की आलोचना की. कहा कि हमें अच्छा मानव और ख्रीस्तीय बन कर जरूरतमंद की सहायता करने के लिए तत्पर रहना है. इसके साथ ही बच्चों को पवित्र आत्मा के वरदान का मर्म समझाया.

प्रभु खुद ही प्रजा के लिए चरवाहा नियुक्त करता है

रांची। डालटनगंज के संत रफाएल पल्ली कुंडपानी में नये पल्ली पुरोहित फादर एमानुएल केरकेट्टा का पदग्रहण समारोह रविवार को हुआ. पदग्रहण की धर्म विधि पवित्र मिस्सा बलिदान से हुई. इस अवसर पर बिशप थियोडोर ने कहा कि प्रभु की कलीसिया को संभालने के लिए बिशप स्वामी को अन्य पुरोहितों की आवश्यकता होती है. इसलिए पल्ली पुरोहित को पदभार दी जाती है, ताकि वे पल्ली में सभी धार्मिक कार्य के लिए जिम्मेदार सेवक बनकर प्रभु की प्रजा को संभालते रहें. इस प्रकार प्रभु के मिशन कार्य को आगे बढ़ाने में बिशप का हाथ बटाते हैं. प्रभु ने इस पल्ली के लिए चरवाहा के रूप में नए पल्ली पुरोहित को दिया है.

रविकर की कविता कर्नाटक विवि के पाठ्यक्रम में

रांची। ट्रिपल आईटी रांची के टेक्निकल सुपरिंटेंडेंट दिनेश चंद्र गुप्ता रविकर की आरोग्य सूत्र कविता कर्नाटक के अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय

के स्नातक पाठ्यक्रम के हिंदी अनिवार्य विषय में शामिल की गई है. छंद-शास्त्री रविकर मूलतः अयोध्या के निवासी हैं, लेकिन उनका पूरा जीवन झारखण्ड की सेवा में लगा हुआ है. उनका प्रबंध काव्य भगवती शांता भगवान राम की सगी बहन काफ़ी प्रसिद्ध हुई. भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित प्रबंध काव्य धरती आबा प्रेस में है.

श्रीश्याम संघ के अध्यक्ष बने कमलेश, मंत्री संजय

रांची। श्रीश्याम संघ की रविवार को हुई आम सभा में कमलेश संचेती अध्यक्ष, संजय सुरेका मंत्री, सौरभ कटारुका उपाध्यक्ष, वैभव ढांढनिया उपमंत्री, आशीष अग्रवाल कोषाध्यक्ष, सुमित अग्रवाल प्रचार मंत्री, आकाश शर्मा और अभिषेक चौधरी श्रृंगार मंत्री, रवि अग्रवाल और रूपेश लोहिया पूजा-जागरण मंत्री, विकास लोहिया अंकेक्षक, हरेंद्र अग्रवाल, प्रदीप खोवाल, प्रवीण मंगल, अनिल अग्रवाल, हेमंत जोशी, भगवती हेतमसरिया कार्यकारणी सदस्य मनोनीत किये गये. इससे पूर्व श्रीराधा वल्लभ मंदिर में गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया गया.

परिचर्चा संयुक्त मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों ने रखे विचार, 35 सूत्री प्रस्ताव किये गये पारित

...तो सरकार और मुस्लिम समाज के संबंधों में आएगी प्रगाढ़ता

संवाददाता। रांची

राज्य स्तरीय परिचर्चा में भाग ले रहे मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि.

संयुक्त मुस्लिम संगठनों के तत्वावधान में रविवार को प्रेस क्लब में मुस्लिम मुद्दों पर राज्य स्तरीय परिचर्चा एदार ए शरिया के नाजिम ए आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी की अध्यक्षता में हुई. जिसमें मुस्लिम समुदाय के न्याय, अधिकार, शिक्षा, रोजगार, उर्दू एवं मदरसों से जुड़े मामलों पर विशेष चर्चा हुई और 35 सूत्री प्रस्ताव पारित किये गये. साथ सरकार से उक्त प्रस्ताव पर आवश्यक निर्णय लेने का अनुरोध किया गया.

मौलाना रिजवी ने कहा कि मुस्लिम समाज के मसले हल नहीं हुए तो समाज गंभीर निर्णय लेगा. हाईकोर्ट के महाधिवक्ता मोख्तार खान ने कहा कि सरकार के लिए शर्म की बात है कि झारखंड आंदोलन में शामिल मुस्लिम समुदाय 24 वर्षों से हक के लिए आज तक संघर्ष ही कर रहा है. आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने 35 सूत्री प्रस्ताव पारित कर मुख्य मांगों को सरकार के समक्ष रखते हुए कहा कि यदि इन्हें जल्द पूरा कर दिया जाये तो सरकार और मुस्लिम समाज के संबंधों में और अधिक प्रगाढ़ता (मजबूत संबंध) आयेगी. परिचर्चा में मदरसा शिक्षक संघ के महासचिव हमीद गाजी, गिरिडीह वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मो इस्लाम, गिरिडीह मुखिया संघ के अध्यक्ष शब्बीर आलम, फरोग ए उर्द तहरीक के डॉ जहांगीर, इमरान आलम आदि विभिन्न जिलों से आये प्रतिनिधियों ने विचार व्यक्त किये.

परिचर्चा में पारित प्रस्ताव

- मॉबलींचिग विधेयक में संशोधन कर लागू किया जाए एवं पीड़ित परिवार को मुआवजा मिले.
- 10 जून 2022 मेन रोड रांची गोली घटना में विभिन्न थानों में निर्दोष 22 नामजद व्यक्तियों का केस खूटी पत्थर गड़ी केस के तर्ज पर समाप्त किया जाए.
- संथाल परगना जिलों के मूलवासी मुसलमानों को बंगला देशी घुसपैठिए कहकर प्रताड़ित करना बंद हो.
- 4,401 उर्दू शिक्षक के बचे 3712 पदों को झारखंड अल्पसंख्यक आयोग द्वारा वाद संख्या 174/ 2015 के निर्देश अनुसार भरा जाए.
- प्लस2 विद्यालय में उर्दू शिक्षक कि बहाली हो.
- -544 उर्दू स्कूल जिन्हें नियमविरुद्ध तरीके से सामान्य विद्यालय बनाया दिया गया उन विद्यालयों की पुन: जांच कर उर्दू स्टेटस बहाल हो.
- उर्दू भाषी छात्र को उर्दू लिपि में किताबें एवं द्वितीय राज्य भाषा उर्दू को पूर्णत: लागू करें.
- मदरसा आलिम व फाजिल की परीक्षा रांची विश्वविद्यालय से कराये जाए एवं मदरसा बोर्ड की स्थापना हो.
- अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में प्लस 2 तक आवासीय विद्यालय की स्थापना हो.
- अल्पसंख्यक निदेशालय एवं जिला अल्पसंख्यक कार्यालय स्थापित हो.
- अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्री मैट्रिक स्कॉलरशिप शुरू हो.
- वक्फ एवं हज नियमावली बने.

कविताओं से गुलजार हुई 'काव्या' की प्रथम गोष्ठी

साहित्यिक संस्था 'काव्या' की प्रथम गोष्ठी में उपस्थित साहित्यकार.

रांची। हरमू स्थित टाइनी टॉट्स इंग्लिश हाई स्कूल में काव्य विधाओं पर नवगठित संस्था 'काव्या' की प्रथम गोष्ठी समादृत रचनाकार और संस्कृतिकर्मी डॉ. निवासचंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई. गोष्ठी में शामिल विजय रंजन ने अपनी कविता जनतंत्र का लौटना, सूरज श्रीवास्तव ने अभी उम्मीद बाकी है, जय माला ने नशा एवं कालिख, नंदा पांडेय ने अल्हड़ लड़कियां और शहर के बीच बहती वो नदी, उज्ज्वल पांडेय ने एक आम मौत और मुद्दा-ए-बहस, चंद्रिका ठाकुर 'देशदीप' ने ये जो आई है हवा कोई सियासत लेकर/बोलिये जाएं कहाँ हम भी शराफत लेकर ग़ज़ल का सस्वर पाठ किया. पंकज पुष्कर, बीना श्रीवास्तव, अंजुम अजहर ने कविता पाठ किया. प्रवीण परिमल ने गीत इंसानियत से परे आदमी और ग़ज़ल वो जुमलों की दुकान ले कर सरे बाज़ार बैठा है/तिजारत के लिए हाक़िम मेरा तैयार बैठा है सुनाया तो कुमार बृजेन्द्र और डॉ. निवासचंद्र ठाकुर ने कविता पढ़ी. 'काव्या' की अगली गोष्ठी का आयोजन अगले महीने के तीसरे रविवार को होगी.

विवाद में आबादी संतुलन

झारखंड चुनाव के ठीक पहले आबादी असंतुलन का मुद्दा जिस तरह खड़ा किया जा रहा है. उसकी गहराई से जांच के तथ्य और सत्य को उजागर करने की जरूरत है. भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता लोकसभा चुनाव के बाद से ही संताल परगना के बहाने पूरे राज्य में डेमोग्राफी असंतुलन के खतरे को मुद्दा बना रहे हैं. इस मुद्दे की वास्तविकता निष्पक्ष जांच से ही उजागर हो सकती है, लेकिन इतना तो तय है कि यदि ऐसा असंतुलन पैदा हुआ है तो वह मात्र साढ़ चार सालों में ही नहीं हुआ. यह आरोप देश के बाहर यानी बंगलादेश से घुसपैठ को ले कर है तो इसकी बड़ी जिम्मेदारी तो केंद्र सरकार की भी है, जो भारती की सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. प्रधानमंत्री सहित रक्षा और गृह मंत्री भाजपा के प्रमुख नेतागण बंगलादेश घुसपैठियों की समस्या को उठाते रहते हैं, लेकिन पिछले दस सालों में इसे रोकने की कोई ठोस पहल नहीं दिखी है. असम में इस कारण उठे विवाद और इसकी जांच का हश्र सबको पता है. झारखंड की डेमोग्राफी में बदलाव को इंगित करते हुए भाजपा बड़ा अभियान चला रही है. साथ ही बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा स्थानीय आदिवासी महिलाओं के साथ विवाह करके उनकी ज़मीन हड़पने और डेमोग्राफी को परिवर्तित करने का आरोप भी लगा रही है. अपने आरोपों के सबूत में भाजपा नेतृत्व ने कुछ आंकड़े भी जारी किए हैं. यह बहुत गंभीर आरोप है और राज्य तथा केंद्र सरकार को इसकी जड़ तक पहुंचना चाहिए और दोषियों पर विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. कुछ तथ्य हैं, जिन पर गौर करने की भी जरूरत है. झारखंड की जमीनी सीमा बंगलादेश के साथ कहीं भी नहीं लगती है. बंगलादेश से लगने वाली सभी सीमाएं सीमा सुरक्षा बल और अन्य भारतीय पैरामिलिट्री, जो सीधे तौर पर गृह और रक्षा मंत्रालय के अधीन हैं, की कड़ी निगरानी में रहती है. भाजपा नेतृत्व ने बड़ी मात्रा में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए जिम्मेदार किसको मानता है यह भी स्पष्ट करने की जरूरत है. यह भी समझना होगा कि बांग्लादेशी और भारतीय मुसलमान में अंतर है. भारतीय मुसलमान हमारे देश के वैध नागरिक हैं. जनसंख्या असंतुलन के कुछ कारणों की पहचान इस तरह भी की जा सकती है. संथाल परगना में 1951-91 के बीच जनगणना के आंकड़ों के अनुसार औसत जनसंख्या वृद्धि दर अनुसूचित जनजाति में 0.6%, और अन्य जातियों में लगभग तिगुनी यानी 1.7% रही है. यही स्थिति बाद में भी जारी रही है. इसका असर भी जनसंख्या संतुलन के बदलाव पर हुआ है. राज्य के विकास में उद्योगों, डैमों, सड़कों के साथ शहरीकरण से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं. इन लाखों विस्थापितों का 90% हिस्सा आदिवासियों का हैं. इसका असर भी डेमोग्राफी के बदलाव में हुआ है. बड़ी संख्या में विस्थापन और बेकारी के कारण भी लाखों आदिवासी दूसरे राज्यों में कामकाज के लिए प्रवासी मज़दूर के रूप में जाते हैं. इसका असर भी जनसंख्या पर पड़ता है. बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से काम की तलाश में भी लोग आ कर बसे हैं. जरूरी है कि इस संवेदनशील मुद्दे की निष्पक्ष जांच कर हकीकत लोगों को बतायी जाए और वोट जुगाड़ू राजनीति से बचा जाए.

> झारखंड की जमीनी सीमा बंगलादेश के साथ कहीं भी नहीं लगती है. बंगलादेश से लगने वाली सभी सीमाएं सीमा सुरक्षा बल और अन्य भारतीय पैरामिलिट्री, जो सीधे तौर पर गृह और रक्षा मंत्रालय के अधीन हैं, की कड़ी निगरानी में रहती है.

सुभाषित

मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं मुखे।
हठी चैव विषादी च परोक्तं नैव मन्यते ॥

मूर्खों को पहचानना मुश्किल नहीं है, क्योंकि उनकी पांच निशानियां होती हैं. वे अहंकारी होते हैं. वे हमेशा एकोहम् द्वितीयो नास्ति वाली भावना रखते हैं. उनके मुंह में हमेशा बुरे शब्द होते हैं. वे जिद्दी होते हैं, हमेशा बुरी सी शक्ल बनाए रहते हैं और दूसरे की बात कभी नहीं मानते.

रोजगार क्यों नहीं दे पा रहा आर्थिक विकास

देश में तेजी से हो रहा शहरीकरण और कॉर्पोरेट्स का लगातार आर्थिक विकास रोजगार के लिहाज से उतना कारगर साबित नहीं हो पा रहा है, यह एक चिंताजनक विषय है. देश में विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन उतनी ही तेजी से रोजगार के मौके नहीं बढ़ पा रहे हैं. बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है. खासकर युवाओं के लिए अच्छे रोजगार के मौके कम हैं. **यह संकट ऐसे ही बना रहा तो देश की पूरी एक पीढ़ी बेरोजगार जीवन जीएगी .**

देश में बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है. खासकर युवाओं के लिए अच्छे रोजगार के मौके कम हैं. हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भी बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा रहा. लोगों को मुफ्त में सामान देने से कुछ वक्त के लिए तो फायदा होता है, लेकिन असल में लोगों को रोजगार चाहिए. वहीं देश में विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन उतनी ही तेजी से रोजगार के मौके नहीं बढ़ पा रहे हैं. पिछले 50 सालों से जो आंकड़े इकट्ठे किए गए हैं, वे साफ बताते हैं कि जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है. अगर इस समस्या को नजरअंदाज किया गया तो आगे आने वाले समय में बहुत बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है.

आंकड़ों की बात करें तो भारत में बेरोजगारी फिर से बढ़ती जा रही है. इसी साल मई में जहां बेरोजगारी दर सात प्रतिशत थी, वहीं जून में ये बढ़कर 9.2% हो गई. एक निजी संस्था (सीएमआईई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों ने चिंता बढ़ा दी है. सीएमआईई के अनुसार, जून 2024 में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 9.2% हो गई है. मई 2024 में ये दर 7% थी. ये बढ़ोतरी शहरों और गांवों दोनों जगह देखने को मिली है. गांव में बेरोजगारी की दर मई में 6.3% से बढ़कर जून में 9.3% हो गई है. वहीं शहरों में यह दर 8.6% से बढ़कर 8.9% हो गई है. दिलचस्प बात यह है कि बेरोजगारी दर बढ़ने के साथ ही रोजगार ढूंढने वालों की संख्या भी बढ़ी है. जून में यह दर 41.4% हो गई, जो मई में 40.8% थी. हालांकि रोजगार पाने वालों का अनुपात कम हुआ है. जून 2024 में ये दर घटकर 37.6% हो गई, जो मई में 38% थी. सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि महिलाओं में बेरोजगारी बहुत ज्यादा बढ़ गई है. सीएमआईई के सर्वेक्षण से पता चलता है कि जून 2024 में 18.5% महिलाएं बेरोजगार थीं, जो कि पिछले साल के मुकाबले 3.4% ज्यादा है. वहीं पुरुषों में भी बेरोजगारी थोड़ी बढ़ी है. पिछले साल जून 2023 में 7.7% पुरुष बेरोजगार थे, जो इस साल बढ़कर 7.8% हो गए हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

साल 2023 में भारत में रहने वाले करीब एक तिहाई लोग शहरों में रहने लगे हैं. पिछले दस सालों में देखा जाए तो शहरों में रहने वाले लोगों की संख्या में करीब 4% का इजाफा हुआ है. यानी कि अब पहले से ज्यादा लोग गांव छोड़ कर शहरों में आकर बसने लगे हैं. पिछले दस सालों में भारत में शहरीकरण में करीब 4% की बढ़ोतरी हुई है. इसका मतलब है कि अब ज्यादा से ज्यादा लोग खेती छोड़ कर सेवा क्षेत्र में काम करने लगे हैं. खेती आज भी भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा रोल अदा करती है और आज भी देश में काम करने वाले लगभग आधे लोग खेती से जुड़े हुए हैं. मगर अब खेती का योगदान भारत की जीडीपी में पहले से कम हो गया है, वहीं दूसरी तरफ सेवा क्षेत्र का महत्व बढ़ गया है. भारत में रोजगार का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में होता है, जिसमें कम वेतन, कम सुरक्षा और कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती है. आर्थिक विकास के बावजूद अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार का अनुपात कम नहीं हो रहा है. शहरों में बड़ी संख्या में लोग आते हैं, लेकिन सभी को रोजगार नहीं मिल पाता है.

कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में लगातार गिरावट हो रही है, जिस कारण ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन कर रही है. कई लोग बेहतर जीवन की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन करते हैं. इस तरह शहरों में आबादी का बोझ बढ़ जाता है और रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ जाता है. शहरीकरण और आर्थिक विकास भारत में रोजगार की कमी की समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा है. इस समस्या का समाधान करने के लिए शिक्षा, कौशल विकास, बुनियादी ढांचे और औद्योगिकीकरण में निवेश करने की आवश्यकता है. देश में गांवों में रहने वाले गरीब लोगों के लिए मनरेगा योजना चलाई जा रही है. इस योजना के तहत लोगों को काम दिया जाता है, इससे उन्हें रोजगार मिलता है. लेकिन इस योजना में भी कई कमियां हैं. जैसा कि कानून में लिखा है कि अगर किसी को 15 दिन के अंदर काम नहीं मिलता है, तो उसे बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, लेकिन ऐसा बहुत कम ही होता है. इसके अलावा मजदूरी के पैसे भी देर से मिलते हैं. सबसे बड़ी बात यह कि ज्यादातर लोगों को साल में 100 दिन से भी कम दिन काम मिल पाता है, जबकि कानून में 100 दिन का प्रावधान है. गांव में तो मनरेगा योजना के तहत लोगों को रोजगार दिया जाता है, लेकिन शहरों में ऐसी कोई बड़ी योजना नहीं है. कुछ राज्यों में छोटे स्तर पर ऐसी योजनाएं चल रही हैं, जबकि देशभर में एक बड़ी योजना की जरूरत है. इस बारे में एक प्रस्ताव भी आया है जिसका नाम है विकेंद्रित शहरी रोजगार और प्रशिक्षण योजना. इस योजना के तहत शहरों में पानी की सप्लाई, सफाई और दूसरे काम कराए जा सकते हैं.

बेरोजगारी की समस्या असल में काफी हद तक इस बात से भी जुड़ी है कि क्या लोग मौजूदा रोजगार के लिए काबिल हैं या नहीं. भारत में स्किल डेवलपमेंट और ट्रेनिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता, जिस कारण बहुत से लोगों के पास जरूरी हुनर नहीं है जो आज के कामों के लिए चाहिए. इसलिए अब युद्ध-स्तर पर एक बड़े पैमाने पर वोकेशनल यानी हुनर आधारित पढ़ाई शुरू करने की जरूरत है. साथ ही पढ़ाई के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को कंपनियों में इंटर्न के तौर पर काम करने का भी मौका देना होगा. इस तरह के कॉन्सेप्ट पर जर्मनी में बहुत अच्छा काम हुआ है. वहां की कंपनियां स्कूल से पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों को ट्रेनिंग देती हैं और बाद में उन्हें नौकरी पर रख लेती हैं. इससे कंपनियों को भी फायदा होता है और युवाओं को भी रोजगार मिल जाता है. अमेरिका में भी इसी तरह काम होता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

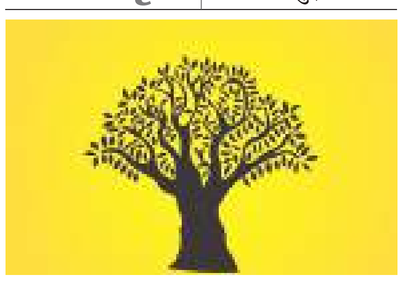

मानसिक जड़ता

मानसिक जड़ता अज्ञानता की जननी है. जो व्यक्ति यह मान कर चलता है कि वह अंतिम सत्य है और उससे कभी भूल नहीं हो सकती, उसे यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं हो सकता. इसके बावजूद यदि कहीं से ज्ञान मिलता है तो उसे विवेक, सजगता बुद्धिमत्ता के साथ ग्रहण किया जाना आवश्यक होता है, ताकि वह ज्ञान सार्थक हो सके. उस ज्ञान का कोई अर्थ नहीं, जिसके साथ बुध्दि, विवेक, सजगता और सावधानी न हो.

हंसः श्वेतो बकः श्वेतो को भेदो बकहंसयोः.
नीरक्षीरविवेके तु हंसः हंसो बको बकः ॥

रामकृष्ण परमहंस ने अपने शिष्यों से वार्तालाप में एक बार बताया कि ईश्वर द्वारा बनायी गयी इस सृष्टि के कण-कण में परमेश्वर का वास है. अतः प्रत्येक जीव के लिए हमें अपने मन में आदर एवं प्रेम का भाव रखना चाहिए. एक शिष्य ने इस बात को मन में बैठा लिया. कुछ दिन बाद वह कहीं जा रहा था. उसने देखा कि सामने से एक हाथी आ रहा है. हाथी पर बैठा महावत चिल्ला रहा था- सामने से हट जाओ, हाथी पागल है. वह मेरे काबू में भी नहीं है. शिष्य ने यह बात सुनी, पर उसने सोचा कि गुरुजी ने कहा था कि सृष्टि के कण-कण में परमेश्वर का वास है. अतः इस हाथी में भी परमेश्वर होगा. फिर वह मुझे हानि कैसे पहुंचा सकता है? यह सोचकर उसने महावत की चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया. जब वह हाथी के निकट आया, तो परमेश्वर का रूप मानकर उसने हाथी को साष्टांग प्रणाम किया. इससे हाथी भड़क गया. उसने शिष्य को सूंड में लपेटा और दूर फेंक दिया. शिष्य को बहुत चोट आयी. वह कराहता हुआ रामकृष्ण परमहंस के पास आया और बोला- आपने जो बताया था, वह सच नहीं है. यदि मुझमें भी वही ईश्वर है, जो हाथी में है, तो उसने मुझे फेंक क्यों दिया? परमहंस जी ने हंस कर पूछा- क्या हाथी अकेला था? शिष्य ने कहा- नहीं, उस पर महावत बैठा चिल्ला रहा था कि हाथी पागल है. उसके पास मत आओ. इस पर परमहंस जी ने कहा- पगले, हाथी परमेश्वर का रूप था, तो उस पर बैठा महावत भी तो उसी का रूप था. तुमने महावत रूपी परमेश्वर की बात नहीं मानी, इसलिए तुम्हें हानि उठानी पड़ी. कथा का अभिप्राय यह है कि प्रत्येक धारणा को, उसमें निहित विचार को विवेक बुद्धि से ग्रहण करना चाहिए. भक्ति या आदर भाव से ज्यों का त्यों पकड़ना, सरलता नहीं, मूढ़ता है. बेशक! विचार-विलास भरी वक्रता न हो, स्थितप्रज्ञ सम जड़ता भी किसी काम की नहीं है.

संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता अनिवार्य

• सियासत

विश्वनाथ सचदेव

पता नहीं देश में कितने लोग यह जानते-समझते हैं कि विभाजन विभीषिका का दिवस क्या है, पर यह बात अपने आप में दिलासा देने वाली है कि आज़ादी पाने और देश के विभाजन के 77 साल बाद हम उस विभाजन की विभीषिका को याद कर रहे हैं. उसी तरह अब हमारी सरकार ने एक और दिन को याद रखने का उपक्रम किया है– 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके हमारे जनतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जोड़ा गया था. कारण कुछ भी बताये गये हों, पर देश को बहुत जल्दी ही यह अहसास हो गया था कि उस आपातकाल की घोषणा उन सारे मूल्यों को नकारने वाली थी, जिनके आधार पर हमारे संविधान-निर्माताओं ने हमें एक जनतांत्रिक संविधान दिया था. हालांकि दो साल बाद यह आपातकाल उठा लिया गया था और एक बार फिर देश खुली हवा में सांस लेने लगा था, लेकिन यह ज़रूरी है कि उस दिन को भूला न जाये जिस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने शासन के सारे अधिकार अपने हाथ में लेकर एक तानाशाही व्यवस्था को देश के ऊपर लाद दिया था. न भूलने का कारण यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक तानाशाही को लादने की कोशिश न करे. बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे. उन्होंने अपनी इस ग़लती के लिए खेद भी जताया था. बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी. कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने भी इस क्षमा को दुहराया था और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी दादी द्वारा उठाये गये उस कदम को 'बिल्कुल ग़लत' बताया है. इस सब को याद करने का अर्थ यह है कि अब उस आपातकाल के लिए किसी को दोषी ठहराकर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करना बेमानी है. कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत हर भारतीय को अब इस बात के लिए जागरूक रहना है कि फिर कभी ऐसी स्थितियां न बन सकें, फिर कोई शासक दुस्साहस न करे कि आपातकाल जैसा कुछ हमारे जनतांत्रिक देश में सिर उठा सके. इसके लिए ज़रूरी है आपातकाल को याद रखा जाये. इसीलिए हर 25 जून को देश के जागरूक नागरिक आपातकाल को याद करते हैं. यही तर्क विभाजन की विभीषिका को याद करने के संदर्भ में भी लागू किया जा सकता है. याद रखा जाना चाहिए उस विभीषिका को याद रखने का मतलब यह है कि हम उन स्थितियों के प्रति सावधान रहें, जिनके चलते देश ने विभाजन की विभीषिका को सहा था. हमारी सरकार ने इसी उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस अर्थात् 15 अगस्त से एक दिन पहले विभाजन विभीषिका का दिवस मनाने की घोषणा कर दी थी. अब यदि इसमें सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक स्वार्थों की गंध आती है तो उसे भी बेबुनियाद नहीं कहा जा सकता. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब ही यह है कि हम अपनी गुलामी से जुड़ी यादों को ताज़ा करके संकल्पित हों कि अब हमारा देश कभी गुलाम नहीं बनेगा, हम उन ताकतों को सिर नहीं उठाने देंगे जो धर्म और जाति के नाम पर देश को, समाज को, बांटने की नापाक कोशिश करेंगी. अब हमारी सरकार ने एक और दिवस मनाने की घोषणा कर दी है. राजपत्र में बाकायदा कहा गया है कि जिस दिन आपातकाल घोषित किया गया था यानी 25 जून को देश के संविधान की हत्या दिवस रूप में मनायेगा. यह सही है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके संविधान के आधार पर चोट की गयी थी, पर यह भी सही है कि दो साल बाद ही, यानी 1977 में जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने ऐसी व्यवस्था को देश में फिर से लागू कर दिया था. जिसमें कोई शासक आपातकाल जैसी कार्रवाई न कर सके. आवश्यकता इस तथ्य को रेखांकित करने की है कि हमारे देश में वह ताकत है जो आपातकाल जैसी स्थितियों को बदल सकती है. इसके लिए संविधान की हत्या जैसे अध्याय को नहीं, संविधान की रक्षा कर पाने के अध्याय को याद रखना ज़रूरी है. हाल ही में हुए आम चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाया था. आरोप यह था कि भारतीय जनता पार्टी हमारे संविधान के बुनियादी मुद्दों को बदलना चाहती है. चुनाव परिणाम बताते हैं कि मतदाता को इस आरोप में कुछ सचाई लगी और उसने अपने वोट की ताकत से यह स्पष्ट कर दिया कि जनतांत्रिक मूल्यों में इस देश की निष्ठा बहुत गहरी है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे. उन्होंने अपनी इस ग़लती के लिए खेद भी जताया था. बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी.

संविधान बचाने के नाम पर की जा रही सियासत

• सामयिकी

राजेंद्र शर्मा

इससे मुखर विडंबना दूसरी नहीं होगी. जिस दिन अखबारों की सुर्खियों में मोदी सरकार के इसके फैसले की खबर छपी कि अब हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जाएगा, उसी दिन के अखबारों में एक और बड़ी सुर्खी दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित शराब घोटाले से जुड़े ईडी द्वारा बनाए गए धनशोधन मामले में, अंतरिम जमानत दिए जाने की थी. इसके साथ, उसी दिन के अखबारों में छपी एक और खबर को भी जोड़ लें जो बताती थी कि कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है, अरविंद केजरीवाल की ही न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई थी. सरल शब्दों में कहें तो बाद वाली दो खबरों का संयुक्त रूप से अर्थ यह था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तथाकथित शराब घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ साक्ष्यों को प्रथम दृष्टया नाकाफी करार देकर, उन्हें जमानत दे दिए जाने के बावजूद, मोदी सरकार ने इसका पुख्ता बंदोबस्त कर रखा था कि वह जेल से बाहर नहीं निकल पाएं. और नरेंद्र मोदी की ही तरह, अपने स्तर पर जनता द्वारा लगातार तीन बार चुने गए एक शीर्ष कार्यपालिका अधिकारी के साथ इस तरह का तानाशाहीपूर्ण सलूक करने वाली सरकार का ही फैसला है कि "अब हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जाएगा!" वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी. इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे. इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की बात नहीं सूझी. और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए. दूसरी बात यह कि क्या यह विचित्र नहीं है कि इमरजेंसी में ज्यादतियां आदि सहने वालों तथा कुर्बानियां देने वालों को 'श्रद्धांजलि' अर्पित करने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का ख्याल मोदी निजाम को दो कार्यकाल पूरे होने के बाद ही आया है. वैसे, संघ-भाजपा के मामले में यह अचरज की बात हर्गिज नहीं है कि जिन चीजों को वे राजनीतिक रूप से भुनाना चाहते हैं, उन्हें लेकर उनकी पीड़ा सामान्य मानवीय प्रकृति से उल्टी ही चलती है. यानी जहां सामान्यतः वक्त जैसे-जैसे गुजरता है, मानवीय पीड़ा घटती जाती है, उनकी गढ़ी हुई पीड़ा बढ़ती ही जाती है. इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि जहां दस साल पहले मोदी राज को इमरजेंसी की चुभन इतनी महसूस नहीं होती थी कि इसका रेचन करने के लिए अलग से एक राष्ट्रीय दिवस मनाना शुरू किया जाता, दस साल गुजरने के बाद उसे 'संविधान हत्या दिवस' मनाना अत्यंत आवश्यक लग रहा है. याद रहे कि ऐसा ही 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाए जाने के फैसले के मामले में भी हुआ था. यह दिवस मनाने की जरूरत का एहसास भी मोदी सरकार को सात साल राज करने के बाद ही कहीं जाकर हुआ था. हैरानी की बात नहीं है कि अनेक पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक प्रेक्षकों से यह छुपा नहीं रहा है कि 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के इस ऐलान का और ठीक इस समय पर इस ऐलान का, जबकि इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह निकल चुकी है और अगले साल की वही सालगिरह पूरे साढ़े ग्यारह महीने दूर है, इमरजेंसी राज की तानाशाही, ज्यादतियों आदि के विरोध से कुछ खास लेना-देना नहीं है. उल्टे उसका ज्यादा लेना-देना, खुद मोदी राज की ही इसकी आलोचनाओं से है कि वह बिना ऐलान किए, जनतंत्र को समेट कर, देश पर ज्यादा से ज्यादा तानाशाही थोप रहा है. पिछले ही दिनों हुए आम चुनावों में विपक्ष ने सत्ताधारी निजाम की अपनी आलोचनाओं के एक केंद्रीय मुद्दे के तौर पर इस सवाल को उठाया था. और चुनाव प्रचार के दौरान, जब भाजपा के कम से कम चार उम्मीदवारों के 'संविधान बदलने' के इरादे जताने और वास्तव में 'अब की बार चार सौ पार' के नारे को इन इरादों के साथ जोड़ने के बाद, जब विपक्ष ने संघ-भाजपा के संविधान बदलने पर आमादा होने का मुद्दा उठाया और संविधान की हिफाजत करने का संकल्प जताया, तो जैसा कि अब सभी स्वीकार करते हैं, उसका मतदाताओं के बीच और सबसे बढ़कर सामाजिक रूप से वंचितों के बीच, जबर्दस्त असर हुआ. जाहिर है कि मोदी राज, 'संविधान हत्या दिवस' के बहाने आम तौर पर विपक्ष और खासतौर पर कांग्रेस को निशाना बनाकर, अपने संविधान को बदलना चाह रहे होने की इसी छाप को मिटाने की कोशिश कर रहा है. जाहिर है कि मोदी निजाम को इस सच्चाई को नहीं, सिर्फ और सिर्फ अपने संविधान और जनतंत्रविरोधी होने की छवि को ही बदलना है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी. इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे. इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की बात नहीं सूझी. और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए.

मीडिया में अन्यत्र

महाराष्ट्र के नए कानून से उठे विवाद

वामपंथी उग्रवाद से जुड़े संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा पेश विधेयक अनावश्यक है और शायद असंवैधानिक भी. जब उग्रवाद से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त लगते हैं और राज्य में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाका सीमित है, तब इस तरह के प्रस्ताव की एकमात्र वजह हाशिए के लोगों के हित में खड़े वकीलों, सरकार से असहमत लोगों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर दमनात्मक कार्रवाई की परोक्ष मंशा हो सकती है. यह विधेयक संविधान के प्रावधानों के साथ टकरा सकता है, क्योंकि इसमें अतिव्यापक पद (टर्म) शामिल हैं, जिसके दायरे में ऐसे व्यक्ति व संगठन भी आ सकते हैं, जो लोक व्यवस्था के लिए कोई खतरा पेश नहीं करते.

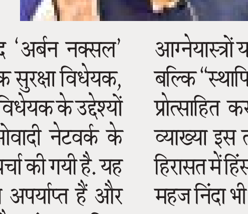

प्रस्तावित कानून के केंद्र में संदेहास्पद पद 'अर्बन नक्सल' प्रतीत होता है, हालांकि महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक, 2024 में ठीक इसी पदबंध का जिक्र नहीं है. विधेयक के उद्देश्यों और कारणों की घोषणा में शहरों में माओवादी नेटवर्क के 'सुरक्षित पनाहगाहों' और 'शहरी मांदों' की चर्चा की गयी है. यह विधेयक दावा करती है कि मौजूदा कानून अपर्याप्त हैं और विशेष कानून के अभाव में नक्सलियों के मुखौटा संगठन सक्रिय हैं. यह देखते हुए कि राज्य विधेयक के कई प्रावधान केंद्रीय कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, में पहले से मौजूद हैं, उसका दावा वास्तव में अजीब है. संगठनों को गैरकानूनी घोषित करने की अनुमति देने वाले और ऐसे संगठनों का सदस्य होने या उनकी बैठकों में किसी तरह का सहयोग करने या भागीदारी करने को अपराध बनाने वाले सबसे गंभीर प्रावधानों को बहुत व्यापक अर्थ वाले शब्दों में लिखा गया है. मसलन, व्यक्तियों का कोई भी समूह या निकाय संगठन हो सकता है, चाहे वह किसी नाम या पंजीकरण से जाना जाता हो या नहीं. 'गैरकानूनी गतिविधि' में सिर्फ वे शब्द या कार्रवाइयां शामिल नहीं है, जो लोक व्यवस्था को खतरे में डालते हैं, बल्कि वो सभी चीजें शामिल हैं, जो कानून के प्रवर्तन या उसकी संस्थाओं व कार्मिकों के काम में बाधा डालती हैं. इस तरह, कोई भी संगठित विरोध इसके दायरे में आ सकता है. इसमें सिर्फ हिंसा को बढ़ावा देना और आग्नेयास्त्रों या विस्फोटकों का इस्तेमाल करना शामिल नहीं है, बल्कि "स्थापित कानून और उसकी संस्थाओं के प्रति अवज्ञा को प्रोत्साहित करना या हिमायत करना" भी शामिल है. इसकी व्याख्या इस तरह की जा सकती है कि इसमें पुलिस ज्यादती, हिरासत में हिंसा या न्याय की हत्या के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन या महज निंदा भी लपेटे में आ जाएं. कोई गैरकानूनी गतिविधि करने पर सात साल तक की जेल हो सकती है, यहां तक कि जो गैरकानूनी संगठन का सदस्य नहीं है, उसे इसकी खातिर सहायता मांगने के आरोप में दो साल या संगठन की बैठक को प्रचारित करने के लिए तीन साल की जेल हो सकती है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उत्साह/ उमंग/उल्लास

प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत जी की कविताएं साहित्यप्रेमियों द्वारा बड़े उत्साह से पढ़ी जाती हैं. दिनकर जी की कविताएं पाठकों के मन में उमंग भर देती हैं. पर्व-त्योहारों में उल्लास बढ़ ही जाता है. उत्साह, उमंग, उल्लास-ये तीनों शब्द संस्कृत मूल के तत्सम शबद हैं. उत्साह और जहां संज्ञा पुल्लिंग है, वहीं उमंग संज्ञा स्त्रीलिंग. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार उत्साह का मतलब है उमंग, जोश, उछाह, हौसला, साहस, हिम्मत, दृढ़ संकल्प, मन की वह वृत्ति जिसमें व्यक्ति प्रसन्नचित्त और किसी कार्य के लिए तत्पर होता है, क्षमता, योग्यता. इसी प्रकार उल्लास का मतलब है हर्ष, प्रसन्नता, आनंद, प्रकाश, झलक, चमक, ग्रंथ का अध्याय, पर्व या प्रकरण, रोमांच, पुलक, अलंकार, जिसमें एक के गुण-दोषों से दूसरे के गुण-दोषों को बताया जाता है. मन में होनेवाला आनंद और उत्साह को ही कहते उमंग कहते हैं. उमंग का अर्थ है उल्लास, चित्त का उभार, जोश, उल्लासपूर्ण आकांक्षा और सुखदायक मनोवेग को कहा जाता है. इस प्रकार शब्दकोशों में इन तीनों शब्दों को एक दूसरे का पर्यायवाची बताया गया है, लेकिन प्रयोग में इन तीनों में अंतर साफ-साफ दिखता है. उत्साह एक उच्च ऊर्जा स्तर का भाव है, जो हमारे अंदर सक्रिय होता है. यह एक अधिक सक्रिय भावना होती है, जो हमें कुछ बात को लेकर उत्सुक बनाती है. उत्साह हमें कुछ नया करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. उमंग एक सुखद भावना है जो हमें कुछ चीज को प्राप्त करने के लिए उत्तेजित करती है. उमंग वह भावना होती है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उत्साह से साहस बढ़ता है, उमंग से कामनाएं बढ़ती हैं और उल्लास से आनंद बढता है. उत्साह और उमंग दोनों ही भावनाएं हैं और व्यक्ति के आंतरिक स्थिति को दर्शाती हैं. उत्साह उदार और अथक उत्कर्ष की भावना है, जो व्यक्ति को उत्सुकता और प्रबोधन में ले जाती है.

मन लागो मेरा यार मोबाइल में!

• तीर-तुक्का

वीरेन्द्र 'सरल'

लोग बताते हैं कि इस धरा-धाम पर उसका अवतरण मोबाइल धारण किये हुए ही हुआ था. इसी कारण उसकी सुबह 'ऊं मोबाइलाय नमः' के जाप से शुरू होती और रात में वह 'गुडनाइट माय डियर मोबाइल' कहने के बाद ही बिस्तर पर जाता. कभी मोबाइल के बिगड़ जाने पर वह इतना दुःखी होता है, जितना अपने छोटे बच्चे के बीमार हो जाने पर या अपने पिताजी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर भी नहीं होता. कभी नेटवर्क प्राब्लम के कारण यदि उसकी किसी से बात नहीं हो पाती तो वह पंख कटी मुर्गी की तरह फड़फड़ाने लगता. दिन में व्यस्त सड़क पर चलते समय उसकी नजर हमेशा रास्ते से ज्यादा मोबाइल के स्क्रीन पर होती है. और ऊंगलियां बटनों से अठखेलियां करती रहती है. बाइक या चार पहिया चलाते समय उसका यह उत्साह कई गुणा बढ़ जाता है. जिन्दगी को भगवान भरोसे छोड़कर वह पूरा ध्यान हर पल अपने मोबाइल पर देता था. वह पुनर्जन्म के सिद्धांत को मानने वाला आदमी है, उसका कहना है कि जिन्दगी दोबारा मिल सकती है पर मोबाइल? मोबाइल के नाम पर सिर पर कफन बांधकर गाड़ी चलाने वाले उस आदमी की वीरता देख लोग दांतों तले ऊंगलियां दबा लिया करते हैं. उसकी वीरता देख पुलिस वाले कई बार उसे सम्मानित भी करना चाहते थे. पर वह पुलिस वाले के हाथों सम्मानित नहीं होना चाहता था. वह उन्हें देख ऐसे बिदकता था, जैसे लाल कपड़े को देखकर सांड़. फिर वह अपनी गाड़ी ऐसे दौड़ाता था. जैसे कोई बिना लगाम का घोड़ा. पुलिस वाले हर बार उसे सम्मानित करने से चूक जाते और हाथ मलते रह जाते. उस आदमी के हाव-भाव देखकर ऐसा लगता था कि जैसे कोई फकीराना अंदाज में गा रहा हो, 'मन लागो यार मोबाइल में'. अन्ततः उसकी वीरता का समाचार यमलोक तक पहुंच गया. यमराज उसके दर्शन के लिये व्याकुल हो गये. उसे स्वयं उस बहादुर को सम्मानित करने के लिये यहां असमय ही प्रकट होना पड़ा. हुआ कुछ यूं था कि एक दिन वह अपने मोबाइल पर किसी से बात करते हुए फुलस्पीड में गाड़ी चला रहा था. बातों में वह इतना मशगूल हो गया था कि उसे आगे-पीछे का कुछ भी ध्यान नहीं था. दिख रहा था तो सिर्फ मोबाइल का स्क्रीन, जैसे महाभारत में द्रोपदी स्वयंबर के समय अर्जुन को सिर्फ मछली की आंख दिखाई दे रही थी. अचानक हवा का एक झोंका आया और उसका प्राणों से प्यारा मोबाइल उसके हाथ से छूटकर व्यस्त सड़क के बीच में जा गिरा. मोबाइल को जरा-सा भी खरोंच ना आ जाये, यह सोचकर उसने तुरन्त अपनी बाइक फिल्मी हीरो के स्टाइल में मोड़ी और मोबाइल को उठाने के लिये झुका. तभी एक ट्रक उसे रौंदते हुए निकल गया.

सावन विशेष

प्रकृति के विविध रूपों में शिव ही मुस्कुराते हैं, प्रेम का बीज रोपते हैं, बूंदों की बौछार करते हैं और सृजन का आधार बनाते हैं. यह सावन सृजन का माह है, और सृजन के लिए प्रेम तथा पवित्रता का भाव जरूरी है.

शिव संग सावन

मूल्यों की तलाश के लिए जीवन में शिव तत्व की खोज जरूरी है. शिव सर्वदा तपस्या, ध्यान और चिंतन के पथ का अनुसरण करते हैं. इससे उनको शक्ति और ऊर्जा प्राप्त होती है. इस शक्ति के कारण ही वह अभय होते हैं और ऊर्जा के कारण प्रभुत्व की कामना नहीं रहती है. ऊर्जा का विस्तार ही शिव को असीम और अनंत बनाता है. अपने भीतर ऊर्जा के विस्तार के कारण शिव नृत्य करते हैं. और खुद के अंदर प्रकृति के विभिन्न शक्ति रूपों को देखकर प्रसन्न होते हैं. भगवान शिव को सावन बहुत प्रिय हैं क्योंकि प्रकृति अपने संपूर्ण रस और रंगों के साथ अठखेलियां करती है. सावन एक अवसर देता है कि हम अपने अंदर कार्य कर रही प्रकृति की शक्तियों को जान लें. हम खाते हैं, पढ़ते हैं और विकसित होते हैं. यह प्रकृति है. हम प्राकृतिक शक्तियों के अधीन हैं. वह हमें बाध्य करती है, लेकिन जब हम आध्यात्मिक रूप से जाग जाते हैं, तो प्रकृति के इन कार्यों को नियंत्रित और रूपांतरित कर सकते हैं. नियंत्रण और रूपांतरण के लिए शक्ति चाहिए. ऊर्जा की जरूरत होगी. यह तप, ध्यान और चिंतन से ही प्राप्त होगा. और सावन इसके लिए अनुकूल मास है. माता पार्वती ने तप और ध्यान से शिव को पाया, तो मनुष्य भी दिव्य प्रकृति और उसके परम सत्य को जानने का अधिकारी हैं. सावन हमें उस परम सत्य को जानने के लिए आध्यात्मिक स्वतंत्रता का संदेश देता है.

डॉ मयंक मुरारी

खास है श्रावण सोमवार

शिव का प्रिय महीना सावन है. श्रावण मास में पूर्णिमा के दिन चंद्रमा श्रावण नक्षत्र में होता है, इसलिए इस माह का नाम श्रावण है. इस माह में प्रत्येक सोमवार को श्रावण सोमवार कहते हैं. इस दिन विशेष रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है. भारतीय परंपरा में कहा गया है कि श्रावण मास में ही समुद्र मंथन से 14 रत्न प्राप्त हुए थे जिसमें एक था हलाहल विष, इस विष को शिवजी ने अपने गले में स्थापित कर लिया था जिससे उनका नाम नीलकंठ पड़ा. विष के जलन को रोकने के लिए सभी देवताओं ने उनपर गंगा जल डाला. तभी से श्रावण मास में श्रद्धालु (कांवड़िए) तीर्थ स्थल से गंगाजल लाकर शिवजी पर चढ़ाते हैं. चतुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं. इसलिए सभी संत एवं ऋषि-मुनि इस समय में व्रत का पालन करते हैं.

बदलाव शिव है

सावन में शिव की हरेक खूबियां हैं. सावन भी महादेव की तरह गरमी से तपती धरती को बूंदों की बारिश से तृप्त करता है. जीव-जंतु और प्रकृति के लिए सृजन का काल है. जीवन में शिव की प्राप्ति के लिए यह माह सबसे उत्तम है. सावन का स्वागत करना है तो अपने अंदर से ईष्या, द्वेष, भय, क्रोध और अहंकार को मिटाना होगा. इसके लिए हृदय को निर्मल और पवित्र बनाना होगा. जब हमारे आचरण में सरलता, आनंद, पवित्रता और प्रेम का गुण होगा, तभी प्रकृति में स्थित शिव को देख पायेंगे. सावन रस का माह है. रसीले फलों के साथ बारिश की फुआर तन-मन की तरावट को संतुष्ट करती है. यह अगर दिल तक नहीं पहुंच पा रही है, तो इसका तात्पर्य है कि हम शिव तत्व से दूर हैं. ऐसे में इस महीने को यूं ही नहीं जाने देना चाहिए. इसके साथ खुद बदलें. बदलाव प्रकृति की विशेषता है. बदलाव शिव है. सावन कहता है शिव को देखो, जो आशा और जीवन के प्रतीक है. सावन अगर भीतर आया, हरियाली को जब हम स्पर्श करेंगे, तो जीवन में रस आयेगा. प्रकृति द्वारा सावन में रस का भरपूर बौछार हो रहा है. हमें उस रस का स्वाद लेना है.

यूं शिव मुस्कुराते हैं

रस के लिए प्रकृति को देखना अनिवार्य है. प्रकृति के विविध रूपों में शिव ही मुस्कुराते हैं, प्रेम का बीज रोपते हैं, बूंदों की बौछार करते हैं और सृजन का आधार बनाते हैं. यह सावन सृजन का माह है, और सृजन के लिए प्रेम तथा पवित्रता का भाव जरूरी है.

इसलिए जलाभिषेक की परिपाटी

इस माह में ही भगवान शिव ने समुद्र मंथन के पश्चात हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया था. विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जलाभिषेक किया. इस कारण सावन में जलाभिषेक की परिपाटी है. सावन का हरेक सोमवार को भगवान शिव को अर्ध्य दिया जाता है तो मंगलवार को माता पार्वती की आराधना होती है. इसे मंगल गौरी व्रत कहा जाता है. साल का सबसे पवित्र माह सावन को माना जाता है, जिसका हरेक दिन व्रत और पर्व को समर्पित है. सावन मास में कृष्ण एकादशी कामिक एकादशी कहलाती है. श्रावणी अमावस्या को हरियाली अमावस्या कहा जाता है. नाग पंचमी श्रावण शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है. सावन के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. रक्षाबंधन का पर्व सावन की पूर्णिमा को होता है. चूंकि शक्ति से ही शक्तिमान हैं. इस कारण शंकर की पूजा सावन के हरेक सोमवार को होने के कारण सावन के ही हरेक मंगलवार को गौरी व्रत का अनुष्ठान होता है. मंगलवार को होने के कारण इसे गौरी मंगलाव्रत कहा जाता है. शक्ति के साथ शिव कल्याणकारी हो, इसलिए सावन पूर्णतः शिव-शक्ति को समर्पित माह है.

देश के किसी भी तीर्थस्थल में शायद इस बात का रिकॉर्ड नहीं होता कि आप या आपके पूवर्ज कब-कब बाबा नगरी पहुंचे और पूजा अर्चना की. बाबा नगरी देवघर में महज कुछ मिनटों में आपके पुरोहित बता देंगे कि दो-चार पीढ़ी पहले के भी आपके कौन पूर्वज यहां कब पहुंचे.

बाबा नगरी के अनोखे दस्तावेज और अनोखी परंपरा

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में देश-विदेश से सालो भर श्रद्धालु बाबा का पूजा-अर्चना के लिए आते रहते हैं लेकिन यहां पहुचने वाले श्रद्धालुओ को शायद ही यह याद रहता है कि वे यहां कब-कब आये या उनके पूर्वज कब किस वर्ष पूजा करने देवघर आये थे. बावजूद इसके उनके और उनके पूर्वजों की यात्रा का पूरा विवरण और लेखा-जोखा यहां मौजूद रहता है और यह दस्तावेज कोई प्रशिक्षित सरकारी या प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा तैयार नहीं किया जाता है बल्कि अपने यजमानो का पूरा लेखा-जोखा बखूबी उनके पुरोहितो द्वारा संभाल कर रखा जाता है. यहां आने वाले श्रद्धालु को इससे काफी सुविधा होती है. अब समय के साथ यहां के तीर्थ पुरोहित लेखा-जोखा कंप्यूटर के माध्यम से सहेजने का मन बनाया है.

क्या है मामला

देवघर के बाबाधाम में सालो भर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और द्वादश ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना, जलार्पण करने के बाद अपने घर लौट जाते हैं. उन्हें अपनी तीर्थ यात्रा के दिन-तारीख की जानकारी शायद ही रह पाती है. लेकिन उनके यहां आगमन का संक्षिप्त विवरण उनके तीर्थ पुरोहितो द्वारा बही खाते में पूरी तरह संभाल कर रखा जाता है. यहां तक की उन्हें अपने पूर्वजों की पीढ़ी दर पीढ़ी की जानकारी भी इन्हीं तीर्थ पुरोहितों के दस्तावेज से मिलती है. इस पवित्र तीर्थ स्थल पर पूजा-अर्चना करने कई महान विभूतियां पहुंची हैं जिनका विवरण किसी सरकारी दस्तावेज में ढूंढ़ना शायद कठिन हो लेकिन इन सब का संक्षिप्त विवरण यहां के तीर्थ पुरोहितो के पास उपलब्ध मिलेगा जिसे वह कई सौ साल से संभाल कर रखे हुए हैं. यह परंपरा शायद ही किसी अन्य तीर्थ स्थलों में देखी जाती है. आने वाले समय में नष्ट हो रहे बही खातों को कंप्यूटर से सहेजने की तीर्थ पुरोहितों की पहल यहां की परंपरा को बरकरार रखने में एक कारगार कदम होगा.

शिव हो उतरब पार कओने विधि ना...

पुष्पा पाण्डेय

आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन जब श्री हरि चार मास के लिये योग निद्रा में चले जाते हैं, तो उस समय सृष्टि की जिम्मेवारी शिव परिवार निभाता है. सावन महादेव के जिम्मे है, तो भादो कनिष्ठ पुत्र गजानन के जिम्मे. आश्विन मास को गृहलक्ष्मी भवानी ने सम्भाल रखा है और कार्तिक में तो पूरा चराचर ही हरि स्तुति में लगा रहता है.

नंदी पहुंचाती दिल की बात

महादेव अक्सर समाधि में रहते हैं. उस समय भक्तों की बात महादेव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी नन्दी की रहती है, लेकिन सावन मास में भगवान शंकर स्वयं जागृत अवस्था में रहते हैं. भक्त और भगवान का आमना सामना होता है. भक्त अपनी भक्ति से भगवान को प्रसन्न कर अपनी मनोकामना पूरी कर सकता है. साक्षात दर्शन की इच्छा भी पूरी कर सकता है, यदि भक्ति निष्काम और निष्कपट हो तो.

इसलिए प्रिय सावन

भगवान शिव ने स्वयं एक बार नारद जी से कहा था कि मेरी दोनों आंखें सूर्य और चन्द्रमा है और बीच का नेत्र अग्नि. अग्नि भध्य में स्थित है. भगवान शिव को उष्ण अधिक लगती है. समुद्र मंथन से निकला विष लोक कल्याण हेतु ग्रहण करने से यह उष्ण और प्रज्जवलित हो गयी है. सावन में वर्षा अधिक होती है, इसीलिए सावन मास शिव को अधिक प्रिय है. शिव पूजन में अभिषेक को विशेष महत्व दिया गया है.

सती का तप मास

फिर उनकी प्रिया सती, जो पार्वती स्वरूप में हैं वो भी तो तपस्या की शुरूआत सावन में की थीं. कहीं-कहीं ये भी कहा गया है कि सावन में उनकी तपस्या सफल हुई थी. भगवान शिव की स्वीकृति सावन में ही मिली थी, तो भला शिव को सावन क्यों न प्रिय लगे.

वैसे,

हरि अनंत, हरि कथा अनन्ता...

इन दिनों कराएं रुद्राभिषेक, पूरी होंगी मनोकामनाएं

आचार्य अजय मिश्रा

कई धार्मिक ग्रंथों में रुद्राभिषेक की महिमा की चर्चा है. ऐसी मान्यता है कि भोलेनाथ के रुद्राभिषेक से भक्तों की 18 प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. अगर आपके करियर में कोई तनाव चल रहा है तो सावन में शिवजी का रुद्राभिषेक कराएं. करियर में विकास होगा और तनाव दूर होगा. इससे राहु और केतु के अशुभ प्रभाव भी कम होंगे. इसके अलावा कालसर्प दोष से भी मुक्ति मिलती है. रुद्राभिषेक अपने घर पर करवाने से आपके ऊपर से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और साथ ही कुंडली में चंद्रमी की स्थिति मजबूत होती है. पति-पत्नी यदि साथ में घर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करें तो उनके दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ती है और आपसी रिश्ते की डोर मजबूत होती है. साथ ही घर में रुद्राभिषेक करने से आपके घर सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं.

कब कराएं रुद्राभिषेक

सावन माह के सोमवार, प्रदोष या शिवरात्रि कोई भी दिन हो सभी मान्य तिथियों में शिव का रुद्राभिषेक जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति दिलाता है और मोक्ष के द्वार खोलता है. इस वर्ष सावन का

पहला सोमवार	22 जुलाई
दूसरा सोमवार	29 जुलाई
तीसरा सोमवार	5 अगस्त
चौथा सोमवार	12 अगस्त
पांचवां सोमवार	19 अगस्त
सावन शिवरात्रि	02 अगस्त
नागपंचमी	09 अगस्त...

ये सात दिन रुद्राभिषेक के लिए बहुत शुभ हैं.

रुद्राभिषेक से मिलने वाले फल

1. यदि शिवलिंग का अभिषेक घी की धारा से करें तो वंश बढ़ता है.
2. शिवलिंग पर गाय के दूध से अभिषेक करने से आरोग्य जीवन प्राप्त होता है.
3. शिवलिंग पर शक्कर मिले दूध से अभिषेक करने से व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त होता है.
4. शिवलिंग पर भस्म अभिषेक करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है.
5. यदि आपको कोई पुराना रोग है तो शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करने से वह समाप्त होती है.

पारद शिवलिंग

रुद्राभिषेक के लिए गृहस्थजन पारद शिवलिंग का उपयोग करें. गृहस्थों के लिए यह मनोकामना लिंग कही जाती है. इससे रुद्राभिषेक कराने पर समस्त रोगों, परेशानियों से राहत मिलती है. घर में लक्ष्मी का वास होता है.

मंदिर या घर?

रुद्राभिषेक घर और शिव मंदिर दोनों में कराए जा सकते हैं. लेकिन मंदिर में यह अधिक लाभकारी है. दरअसल यहां भगवान जाग्रत रूप में होते हैं. इसलिए प्राण प्रतिष्ठा, आह्वाहन आदि की दरकार नहीं होती है.

भक्तों के फौजदारी मामले की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ

कुमार कृष्णन

तीर्थ नगरी देवघर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा वैद्यनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में सुरम्य वातावरण में स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन् राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है. देवघर-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवरिया तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती है. ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा वैद्यनाथ की पूजा अधूरी है. यही कारण है कि भक्तगण बाबा वैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ की अराधना करते हैं. सावन के महीने में तो हजारों लाखों भक्तगण सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में भरते हैं. फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ी जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं. इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं. भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं. भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर तुरंत वरदान देनेवाले. तभी तो शिवभक्तों की नजरों में यहां भगवान शंकर की अदालत लगती है. शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (वैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वही बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है. बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गयी मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है. यही कारण है कि साल के बारहों महीने यहां देश के कोने-कोने से भक्तों का आवागमन जारी रहता है.

यह है कथा

प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था. उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था. पौराणिक कथा के अनुसार इसी दास्क-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था. शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था. कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है. बासुकीनाथ शिवलिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है. एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था. उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी. बस क्या था- उससे रक्त की धार बह चली. बासु यह दृश्य देखकर भयभीत हो गया. उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया –"डरो मत, यहां मेरा निवास है." भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्ति-पूजन करने लगा. बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया. आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है. मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां भक्तगण स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं तथा अपने कष्ट क्लेशों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं.

यह भी है मान्यता

यह माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई. हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था. बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है. कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए बासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था. इन्हीं बासुकी नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी. यही कारण है कि यहां विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है.

एक कहानी यह भी

कहा जाता है कि यह स्थान कभी एक हरे-भरे वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था. कुछ समय के बाद यहां मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे. ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे. इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया. उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया. तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा. बासुकी घबराकर वहां से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे. बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहां स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए.

अनुपम महाश्रृंगार

श्रावण मास में शिव पूजन के अलावा यहां की महाश्रृंगारी भी अनुपम है. वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वे भवंतु सुखिनः जैसी उक्तियों को प्रतिपादित करने के लिए शिव की उपासना से बढ़कर अन्य कोई मार्ग नहीं हैं! और, शिव की उपासना की सर्वोत्तम विधि है – महाश्रृंगार का आयोजन! गंगाजल घी, दूध दही, बेलपत्र आदि शिव की प्रिय वस्तुओं को अर्पित कर उन्हें प्रसन्न करने का सबसे उत्तम उपाय. तभी तो साल के मांगलिक अवसरों पर भक्तगण बाबा बासुकीनाथ की महाश्रृंगार और महामस्तकाभिषेक का आयोजन करते हैं. महाश्रृंगार के दिन बासुकीनाथ की शिव-नगरी नयी-नवेली दुलहन की तरह सज उठती है-मानों स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया हो. लगता है दृदेव -लोक के सभी देवी— देवता पृथ्वी-लोक पर अवतरित हो गये हैं- भगवान भूतनाथ की रूप-सज्जा देखने के लिए. आए भी क्यों नहीं. देवों के देव महादेव की महाश्रृंगार जो है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक में भाग लेने पेरिस के खेल गांव पहुंची भारतीय टीम

हॉकी में 13वें पदक की आस...

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है. ओलंपिक में सबसे अधिक पदक भारत ने हॉकी में ही जीते हैं. भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में अबतक 12 पदक जीते हैं. 13वें पदक की आस में भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार की शाम ओलंपिक 2024 से पहले पेरिस पहुंच गई. हॉकी इंडिया और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस खबर को साझा की. खेल मंत्री ने वीडियो भी शेयर किया है. भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1980 के बाद पुरुष हॉकी का पहला स्वर्ण पदक जीतने उतरी है. केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने फैंस से टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने की अपील की.

भारतीय टीम की नजरें गोल्ड मेडल पर : टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय टीम की नजर अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण पर टिकी होगी. भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को करेगी. पूल-बी में उसका पहला मैच न्यूजीलैंड से है. इसके बाद 29 जुलाई को भारतीय टीम अर्जेंटीना से, 30 जुलाई को आयरलैंड से और एक अगस्त को बेल्जियम से भिड़ेगी. टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना अंतिम मैच दो अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी. शीर्ष चार में रहने से भारत नॉकआउट चरण में पहुंच जाएगा.

खेल मंत्री ने वीडियो साझा किया, टीम को दी शुभकामनाएं

हॉकी टीम का बढ़ाएं हौसला : मंत्री

हॉकी इंडिया ने लिखा- भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने सपनों का उड़ान भरने ओलंपिक गांव पहुंची. ओलंपिक सपना अब शुरू होता है! वहीं, खेल मंत्री ने लिखा- हमारी शानदार हॉकी टीम ओलंपिक गांव में बाकी दल के साथ शामिल होने के लिए पेरिस पहुंची है. आइए उनका हौसला बढ़ाएं क्योंकि उनकी नजर पदक पर है. हमें आप पर विश्वास है टीम। शुभकामनाएं!

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम

- **गोलकीपर :** पीआर श्रीजेश
- डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय
- **मिडफील्डर :** राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद
- **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह
- **रिजर्व :** नीलकांत शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक,

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 12 पदक जीते

पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई से होगी और यह बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट 11 अगस्त को समाप्त होगा। भारत 2020 टोक्यो ओलंपिक के अपने सात पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना चाहेगा, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं. भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ओलंपिक में शानदार इतिहास रहा है. टीम ने आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक समेत 12 ओलंपिक पदक हासिल किए हैं. अब हरमनप्रीत की अगुआई वाली टीम का लक्ष्य तालिका में एक और पदक जोड़ना होगा.

पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में कब-कब पदक जीते

पदक	साल (मेजबान)
स्वर्ण	1928 एम्सटरडैम
स्वर्ण	1932 लॉस एंजिलस
स्वर्ण	1936 बर्लिन
स्वर्ण	1948 लंदन
स्वर्ण	1952 हेलसिंकी
स्वर्ण	1956 मेलबर्न
स्वर्ण	1964 टोक्यो
स्वर्ण	1980 मॉस्को
रजत	1960 रोम
कांस्य	1968 मेक्सिको सिटी
कांस्य	1972 म्यूनिख
कांस्य	2020 टोक्यो

चाहता हूं मेरी मां मुझे ओलंपिक में पदार्पण करते देखे : जरमनप्रीत

भाषा। नयी दिल्ली

जिंदगी सभी को दूसरा मौका नहीं देती लेकिन जरमनप्रीत सिंह को मिला और भारतीय हॉकी टीम के इस डिफेंडर की ख्वाहिश है कि तमाम उतार चढावों में उनका संबल बनी उनकी मां कुलविंदर कौर पेरिस में उन्हें ओलंपिक में पदार्पण करते देखे. विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंटों का हिस्सा रहे 28 वर्ष जरमनप्रीत का यह पहला ओलंपिक है और इसमें अच्छा प्रदर्शन करके वह अतीत में मिले

जख्मों पर मरहम भी लगाना चाहते हैं. पंजाब के अमृतसर के रहने वाले जरमनप्रीत ने रवानगी से पहले भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, मैं कोशिश कर रहा हूं कि अपनी मां को पेरिस ओलंपिक दिखा सकूं. उन्हें फख्र हो कि उनका बेटा सबसे बड़ा टूर्नामेंट खेल रहा है. उन्होंने कहा, मैं हर मैच से पहले मम्मी से बात करता हूं. उनको हॉकी के बारे में कुछ नहीं पता लेकिन मुझे कहती हैं कि ऐसे खेलना, वैसे खेलना. वह मेरी पहली कोच होती है. मैंने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी देखने उनको बुलाया था. जरमनप्रीत को 2016 से 2018 के बीच डोपिंग मामले में दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था, लेकिन उससे उबरकर उन्होंने वापसी की और जूनियर विश्व कप खेलने का मौका चूकने के आठ साल बाद अब ओलंपिक खेलने जा रहे हैं.

कोच बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर किया खुलासा

नीरज चोपड़ा की 'एडक्टर' ठीक सुबह-शाम कर रहे कड़ी ट्रेनिंग

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब है और यह ओलंपिक चैंपियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है. टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं. लेकिन फिटनेस देखी जाये तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है. हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं. उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है. फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है. उम्मीद है कि सब ठीक रहेगा.

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं. उन्होंने तुर्किये के अंताल्या से एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया, ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है, इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है. वह पूरा 'थ्रोइंग' सत्र कर रहे हैं. चोपड़ा ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था. उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की. पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जब बार्टोनिट्ज से चोपड़ा की ट्रेनिंग कार्यक्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग या थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं. सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है.

एथलीट को लोकप्रियता के बारे में नहीं सोचना चाहिए

खेलों में लोकप्रियता, पैसा और क्रिकेट पर अपने विचार साझा करते हुए नीरज चोपड़ा ने कहा कि एक एथलीट को खेल को अपनाने से पहले लोकप्रियता, पैसा या अन्य चीजों के बारे में नहीं सोचना चाहिए. मुझे हमेशा से पता था कि क्रिकेट का स्तर अलग है और जो लोकप्रियता क्रिकेटर को मिलती है वो अन्य खेलों के किसी एथलीट को नहीं मिल सकती. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे पास क्रिकेट के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है. मैं हमेशा से भाला फेंक खिलाड़ी बनना चाहता था क्योंकि मैं इस पसंद करता था. मुझे नहीं पता था कि मैं ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतूंगा. उन्होंने कभी विराट और धोनी जैसे क्रिकेटरों के साथ तुलना नहीं की. ओलंपिक के बाद लोगों ने उन्हें जाना.

■ नीरज पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए प्रबल दावेदार

ब्रीफ खबरें

बीजू खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदलेगा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदला जाएगा. खेल और युवा सेवा विभाग ने शुक्रवार को इस वर्ष के पुरस्कार के लिए दिशानिर्देश जारी कर इसका नाम बदलकर 'राज्य क्रीड़ा सम्मान' कर दिया गया. सीएम ने कहा कि इस पुरस्कार का नाम बदलने के बारे में उन्हें प्रेस से ही पता चला. ऐसा नहीं होगा.

पेस, अमृतराज टेनिस हॉल ऑफ फेम में

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और विजय अमृतराज को रविवार को 'टेनिस हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया. यह दोनों इस सूची में जगह पाने वाले एशिया के पहले दो खिलाड़ी बने. पेस की करियर की बड़ी उपलब्धि 1996 अटलांटा ओलंपिक खेलों के पुरुष एकल कांस्य पदक जीतना रहा है. पूर्व खिलाड़ी आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल की है.

कोरियाई कोच का 'एक्रिडिटेशन' विवाद भी है सुर्खियों में

पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी इवेंट में तीन पदकों की आशा

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय तीरंदाजी टीम के कोरियाई कोच बेक वूंग की को पेरिस खेलों के लिए 'एक्रिडिटेशन' देने से इनकार किए जाने के विवाद के बीच पूर्व ओलंपियन और खेल के लिए साई के हाई परफोरमेंस निदेशक संजीवा सिंह ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि छह सदस्यीय दल ओलंपिक से तीन पदक लेकर लौटेगा. भारतीय तीरंदाज सभी पांच वर्गों पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व, महिला व्यक्तिगत रिकर्व, पुरुष और महिला टीम और मिश्रित टीम में प्रतिस्पर्धा करेंगे. छह भारतीय धीरज बोम्मादेवरा, प्रवीण जाधव, तरुणदीप राय, दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भक्त ने पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

तीरंदाजी दल फ्रांस में ट्रेनिंग के बाद ओलंपिक खेल गांव में पहुंचने वाला पहला दल रहा. भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत में तीरंदाजी के लिए राष्टीय उत्कृष्टता केंद्र में हाई परफोरमेंस निदेशक सिंह ने एक बयान में कहा, 2021 टोक्यो की तुलना में काफी वैज्ञानिक ट्रेनिंग से बेहतरीन ढंग से तैयारी की गई है, जिसमें मानसिक अनुकूलन का ध्यान रखा गया है. सबसे महत्वपूर्ण बात ओलंपिक प्रारूप के अनुरूप घरेलू टूर्नामेंट में बदलाव किया गया है. उन्होंने कहा, अगर हम मौजूदा फॉर्म और तीरंदाजों के प्रदर्शन के आधार पर देखें तो हम तीन पदक जीत सकते हैं जो पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष टीम और मिश्रित टीम से मिल सकते हैं. इन तीनों में से एक तो निश्चित रूप से होगा ही। महिलाओं की स्पर्धा से अगर पदक मिलता है तो यह बोनस होगा, लेकिन टीम को एकजुट होकर अच्छा खेलना होगा. सिंह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जूनियर और सीनियर दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ नियमित रूप से जाते हैं लेकिन पेरिस में टीम के साथ नहीं हैं. सिंह का यह बयान भारत के विदेशी कोच बेक वूंग को खेलों के लिए 'एक्रिडिटेशन' देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद आया है जिससे कोरियाई कोच काफी नाराज थे.

पेरिस के खेल गांव में भारतीय तीरंदाजी की टीम.

भारतीय खिलाड़ी स्क्वाश टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारतीय लड़कों और लड़कियों ने यहां विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप की टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उनका मुकाबला क्रमशः दक्षिण कोरिया और मलेशिया से होगा, जो उनसे रैंकिंग में ऊपर हैं. लड़कों ने प्रीक्वार्टर फाइनल में कनाडा को 2-0 से हराया और अब उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से होगा. लड़कियों की टीम अपने अंतिम लीग मैच में हांगकांग से 1-2 से हार गयी, जिससे ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहने पर अब उसका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से होगा. निरूपमा दुबे को हेलेन टैंग से 4-11, 10-12, 2-11 से हार मिली. अनाहत सिंह ने एना क्वॉंग को 11-8, 9-11, 11-5, 11-7 से शिकस्त दी, लेकिन शमीना रियाज को ह्यून लेउंग से 4-11, 9-11, 10-12 से पराजय झेलनी पड़ी. व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतने वाले शौर्य बावा ने पांच गेम के मुकाबले में यूसुफ सरहान को 12-14, 9-11, 11-7, 11-3, 11-1 से हराया, जबकि अरिहंत केएस ने 15-13, 12-10, 8-11, 11-2 की प्रभावशाली जीत के साथ इवान हैरिस से व्यक्तिगत स्पर्धा में मिली हार का बदला लिया.

पेरिस ओलंपिक : सहयोगी स्टाफ में नींद और पोषण चिकित्सक भी

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों की भलाई को प्राथमिकता देते हुए काफी अधिक सहयोगी स्टाफ उनके साथ भेजा जा रहा है, जिससे 117 खिलाड़ियों के लिए कुल 140 सहयोगी स्टाफ सदस्यों में से 67 खेल गांव में एथलीटों के साथ रहेंगे. एथलीट केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए सहायक स्टाफ के चयन के लिए एक व्यापक और विधिपूर्ण तंत्र अपनाया गया है. सभी सहायक स्टाफ सदस्य एथलीटों को समग्र समर्थन देने के लिए भेजे जा रहे हैं. अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ सदस्य एथलीटों से चर्चा और उनकी जरूरतों के आधार पर चुने गए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों को अच्छी नींद लेने की सलाह दी थी, जिससे इस बार सहयोगी स्टाफ में पोषण विशेषज्ञ के साथ नींद चिकित्सक भी शामिल है. यहां मिली जानकारी के अनुसार, 140 सहयोगी स्टाफ सदस्यों में से 67 खेल गांव में खिलाड़ियों के साथ रहेंगे जिसमें कोच, टीम डॉक्टर, रिकवरी विशेषज्ञ, खेल वैज्ञानिक और फिजियो शामिल हैं. कोचों, डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्टों आदि के अलावा, इस बार भारत की और से पोषण विशेषज्ञ, नींद चिकित्सक और यहां तक कि स्पारिंग पार्टनर भी भेजे जा रहे हैं. इसके मुताबिक, अन्य सदस्य खेल गांव के बाहर ठहराए जाएंगे और इनमें अतिरिक्त कोच, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ, ट्रेनर, स्पारिंग जोड़ीदार और मानसिक कंडीशनिंग कोच शामिल हैं. इससे एथलीटों को आसानी से उनकी मदद मिल सकेगी, भले ही वे भारतीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 33 प्रतिशत सहायक स्टाफ की सीमा के कारण खेल गांव में नहीं रह पाएं.

खास बातें

- भारत के 117 खिलाड़ियों का दल पेरिस ओलंपिक जा रहा
- खिलाड़ियों सहित कुल 140 सदस्यों का दल जाएगा

युकी भांबरी ने स्विस ओपन में खिताब जीता

गस्टाड (स्विटजरलैंड)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट ने रविवार को यहां तीन सेट तक चले फाइनल में उगो हम्बर्ट और फैब्रिस मार्टिन को हराकर हुए स्विस ओपन एटीपी टूर टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया. भांबरी और ओलिवेट की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों को 3-6, 6-3, 10-6 से पराजित किया.

वाणी, त्वेसा और रिद्धिमा कट से चूकीं

हिलवर्सम (नीदरलैंड)। वाणी कपूर, त्वेसा मलिक और रिद्धिमा दिलावड़ी पेरिस ओलंपिक से पहले अंतिम लेडीज यूरोपीय टूर टूर्नामेंट में 36 होल में कट बनाने से चूक गयीं, जिससे डच लेडीज ओपन में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई. पहले दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर अच्छी शुरूआत करने वाली वाणी ने दूसरे दौर में चार ओवर 76 का कार्ड बनाया जिससे वह एक शॉट से कट से चूक गयीं. उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा जबकि कट एक ओवर का था.

महिला टी20 एशिया कप ### टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रबल दावेदारी पेश की

टीम इंडिया की एकतफरा जीत, यूएई को 78 रन से हराया

भाषा। दाम्बुला

भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से हराया. टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज का यह पांचवां मैच था. ग्रुप ए के इस मैच में टीम इंडिया यूएई को विशाल अंतर से हराया. इससे पहले टीम इंडिया ने पाकिस्तान की टीम को भी हराया था. इस तरह भारत ने सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दी है. इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 202 रन का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में यूएई की टीम सात विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी.

हरमनप्रीत और ऋचा का अर्धशतक : इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के दम पर टीम ने पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाये थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा. हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है. ऋचा ने 'फिनिशर' की भूमिका अच्छी तरह निभाते हुए 29 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का जड़ा. उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हीना होतचंदानी पर पांच चौके जमाये. ऋचा का यह टी20 में पहला अर्धशतक है. हरमनप्रीत ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिसमे पहले जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 39 गेंद में 54 रन की चौथे विकेट की भागीदारी और पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 45 गेंद में 75 रन की साझेदारी शामिल रहीं. भारत ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार 200 रन के स्कोर का आंकड़ा पार किया. बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (13 रन) ने एक छक्का और एक चौका जड़कर भारत को अच्छी शुरूआत करायी.

खास बातें

- ग्रुप स्टेज के पहले मैच में भारत ने पाक को हराया था
- दूसरे मैच में हरमनप्रीत व ऋचा का शानदार प्रदर्शन

भारत के कुश मैनी ने पहली एफ2 स्प्रिंट रेस जीती

भाषा। बुडापेस्ट

भारत के कुश मैनी ने शुरू में विजेता बने रिचर्ड वरशूर के तकनीकी उल्लघंन के कारण 'डिस्क्वालीफाई' किये जाने के बाद यहां अपनी पहली फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस जीत ली. पोडियम में शीर्ष पर पहुंचने से 23 वर्षीय इनविक्टा रेसिंग ड्राइवर ने अपने सत्र में 10 अंक जोड़े. हंगरोरिंग में जीत के साथ मैनी फॉर्मूला 2 ड्राइवर्स तालिका में मर्सिडीज के जूनियर ड्राइवर किमी एंटोनेली को पीछे छोड़ते हुए 66 अंक से पी8 पर पहुंच गए.

एफ2 चैंपियनशिप के राउंड 9 में शुरुआती ग्रिड पर नौवें स्थान पर रहे मैनी को मुश्किल शुरुआत के बाद कड़ी मेहनत करनी पड़ी.

2024 एफ2 ग्रिड पर वह एकमात्र भारतीय ड्राइवर हैं और पांच पोडियम स्थान से यह उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ सत्र भी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. पिता से विशेष लाभ होगा. पर आलस का त्याग करें. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृषभ ससुराल से लाभ का योग बन रहा है. भाग्य का साथ मिलेगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. मित्रों से मदद मिलेगी.

मिथुन विवाद से बचें. पेट से संबंधित रोगों से बचें. साथ ही किसी बड़े कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. रोजगार में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. माता का सेवा से तरक्की संभव है.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव अति आवश्यक है. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या दोस्ती में समय बर्बाद हो सकता है, पर समय उत्तम है. कार्य होगा और प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला समय सामान्य है. व्यर्थ की भागदौड़ ज्यादा रहेगी. कार्य नहीं होने से मन खिन्न होगा, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक विद्यार्थी सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें. हनुमानजी का ध्यान पूजा करें.

धनु वाणी पर नियंत्रण रखें. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर समय बहुत ही उत्तम है. पर उदर रोग से बचें. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ खर्च पर अंकुश जरूरी है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी.

मीन कार्य के प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. गुरु मन्त्र का जाप करें.

समस्तीपुर में बिहार संपर्क क्रांति में धमाका, मची अफरा-तफरी

समस्तीपुर। बिहार की समस्तीपुर में बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस में जोरदार धमाका हुआ. वहीं धमाके के आवाज से ट्रेन और स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया. यात्रियों आनन फानन में ट्रेन से उतर कर भागने लगे. जिससे स्टेशन पर भगदड़ मच गई. वहीं इस घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं. घटना समस्तीपुर रेल मंडल के समस्तीपुर जंक्शन की है. जहां बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो जयनगर से नई दिल्ली जाती है, उसमें जोरदार धमाका हुआ. धमाके की आवाज सुनकर ट्रेन और स्टेशन पर यात्रियों के बीच भगदड़ मच गया. ट्रेन में बैठे यात्री ट्रेन से उतरने लगे. यात्रियों के बीच थोड़ी देर के लिए हड़कंप मच गया. वहीं घटना के संबंध में बताया जाता है कि समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर लगी बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के जनरल बोगी में अग्निशमन यंत्र फट गया, जिससे जोरदार आवाज हुई.

औरंगाबाद में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद में हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. घटना गोह थाना क्षेत्र के घेजना गांव की है. मृतक की पहचान घेजना गांव निवासी परिखा पासवान के 40 वर्षीय पुत्र बिनोद पासवान की रूप में किया गया है. घटना की जानकारी देते हुए मृतक की पत्नी लालो देवी ने बताया कि आज शाम अपने गांव के बधार में मेरे पति मवेशी चरा रहे थे, इसी दौरान पहले से टूटकर गिरा हुआ हाईटेंशन बिजली तार के चपेट में आ गए. जिससे उनकी मौत हो गई.

आर्ट ऑफ गिविंग व वॉलीबॉल एसोसिएशन की एजीएम संपन्न, संघ की ओर से वॉलीबॉल-नेट प्रदान किए गए

स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए जिलों को दी गयी मेजबानी

संवाददाता। रांची

आर्ट ऑफ गिविंग झारखंड यूनिट का वार्षिक आम बैठक (एजीएम) रविवार को हुई. रांची के धुर्वा स्थित गाला बैंक्वेट हॉल में आयोजित बैठक में किट, किस्स विश्वविद्यालय एवं आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रो. (डॉ.) अचुता सामंत, समन्वयक डॉ. गगनेन्दु दास, झारखंड आर्ट ऑफ गिविंग के अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय और सचिव शेखर बोस उपस्थित थे. आर्ट ऑफ गिविंग के कार्यक्रम से पहले पुराने विधानसभा सभागार में रविवार को झारखंड वॉलीबॉल संघ की वार्षिक आम सभा में कई निर्णय लिये गये. इसमें डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के लिए आयोजन स्थल का निर्णय लिया गया. महासचिव

शेखर बोस ने वार्षिक रिपोर्ट व आय व्यय का ब्यौरा रखा. जिसे सभा ने स्वीकार किया. इस बार डिस्ट्रिक्ट प्रतियोगिता की मेजबानी जमशेदपुर, पलामू, बोकारो, लातेहार, दुमका, गुमला को दी गई. वर्ष 2024- 25 में मिनी स्टेट चैंपियनशिप अंडर 14 बालक और बालिका वर्ग का आयोजन गुमला में किया जाएगा. सब जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियन अंडर 16 बालक और बालिका वर्ग का लातेहार और दुमका में किया जाएगा. जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन बॉयज और गर्ल्स अंडर 18 बोकारो और दुमका में किया जाएगा. यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप अंडर 21 बॉयज एंड गर्ल्स पलामू में आयोजित किया जाएगा. वहीं सीनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप पुरुष और महिला वर्ग जमशेदपुर में आयोजित किया जाएगा.

कार्यक्रम में 13 समाजसेवियों को आर्ट ऑफ गिविंग ने किया सम्मानित

आर्ट ऑफ गिविंग की ओर से 13 व्यक्ति और संस्था को शिक्षा, सामाजिक विकास, खेल, शिक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने के लिए सम्मानित किया गया. इसमें अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर इंद्रजीत सिंह, हरेंद्र नारायण, कराटे प्रशिक्षक मानस सिन्हा, एएफआई के कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, तापस चक्रवर्ती, वॉलीबॉल कोच विश्वनाथ सिंह, खेल प्रशासक व समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, द रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, टीडी जोशी, खेल प्रशासक व व्यवसायी प्रमोद कुमार, बैडमिंटन प्रशिक्षक एन के डे और मारवाड़ी सहायक समिति को आर्ट ऑफ गिविंग अवार्ड से सम्मानित किया गया.

जो किट से कमाता हूं, उससे गरीबों को पढ़ता हूं: डॉ अच्युता सामंत

किट के संस्थापक प्रो. (डॉ) अच्युता सामंत ने कार्यक्रम के दौरान अपने बचपन को याद किया. उन्होंने बताया कि वो वर्तमान में ओडिशा में रहते हैं. लेकिन झारखंड से उनका पुराना नाता रहा है. उनके पिता टाटा स्टील में छोटे पद पर काम करते थे. 1970 में एक ट्रेन दुर्घटना में उनके पिता की मृत्यु हो गई. उस समय उनकी आयु 4 वर्ष थी. वे सात भाई बहन थे. उन्होंने बताया 1982 तक किसी तरह मांग कर उनका गुजारा हुआ, लेकिन उन्होंने पढ़ाई पूरी की जिससे वे सही आदमी बन सके. अचुता ने बताया कि किट में देश के साथ विदेश के भी छात्र पढ़ने आते हैं. किट से जो भी पैसा मिलता है उससे वे किस्स संस्थान चलाते हैं.

झामुमो ने घुसपैठ मामले में भाजपा नेताओं के बयानों का किया प्रतिकार

गृह मंत्री की विफलता को हम पर मढ़ रहे हैं हिमंता : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा और विधायक भानु प्रताप शाही के बयान पर कड़ा प्रतिकार किया है. पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा के जो दोनों प्रभारी बनाए हैं, उनके कई आरोप हैं. जिस पर जांच भी चल रही है. अगर मुझ पर आरोप है और हम दूसरे पर आरोप लगाते हैं तो हम खुद को कटघरे में खड़ा करते हैं. रही बात हिमंता बिस्व सरमा की जिसमें वे बार-बार बंग्लादेश के घुसैपठियों की बात करते हैं, इस राज्य में प्रवेश कर रहे हैं. तो यह सवाल तो देश के गृह मंत्री से पुछा जाना चाहिए. चूंकि सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार के अधीन आता है, आर सुरक्षा केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है. जिस मंच पर खुद केंद्रीय गृह मंत्री बैठे हैं और उस मंच से हिमंता आरोप लगा रहे हैं तो यह आरोप हेमंत सोरेन पर नहीं है. यह आरोप तो सीधा-सीधी केंद्रीय गृह मंत्री और गृह मंत्रालय पर है. जहां तक बात है घुसपैठ की पूरी जिम्मेवारी केंद्रीय गृह मंत्रालय और केंद्र सरकार की है. यानि की अपनी कमजोरी और नाकामी को आप राज्य सरकार पर थोपने का काम कर रहे हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है. राज्य सरकार स्पष्ट रूप से चाहती है कि अगर ऐसे लोग हैं तो यह केंद्रीय गृह मंत्रालय को देखना चाहिए और सीमा सुरक्षा बढ़ायी जानी चाहिए. उक्त बातें पांडेय ने अपने पार्टी कार्यालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कही.

सिर्फ हिंदु-मुस्लिम करना चाहती है भाजपा

उन्होंने कहा कि यह मामला ठीक चुनाव के पहले उठाना, यह साबित होता कि भाजपा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर राजनीति करनी चाहती है. लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने बंगाल में संदेशखाली का मामला क्रियेट कराया. बाद में क्या निकला सभी को पता है. यह भाजपा को उसी संदेशखाली के वसीरघाट लोकसभा सीट से जनता ने भाजपा को खदेड़ने का काम किया. तो यह स्थिति में यहां भी बन रही है. जिस प्रकार से पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने एक तरह से भाजपा को खदेड़ दिया था. उनके विधायक मंच से कहते हैं कि गट्ठा पकड़कर हेमंत सोरेन को गद्दी से उतार दिया जाएगा. तो हेमंत सोरेन को नहीं पूरे राज्य की जनता को बोल रहे हैं जिनलोगों ने हेमंत सोरेन को गद्दी पर बैठाया है. वहीं, जनता 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को गट्ठा पकड़कर उतारने का काम किया.

सरकार के संरक्षण में आदिवासियों की जमीन लूट रहे माफिया: बाबूलाल मरांडी

- पिछले पांच वर्षों में सैकड़ों एकड़ जमीन की हुई है लूट
- भू माफियाओं से जमीन मुक्त कराने तक आंदोलन रहेगा जारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पिछले पांच वर्षों में झामुमो कांग्रेस की सरकार के संरक्षण में सीएनटी एसपीटी एक्ट का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन हुआ है. आदिवासियों गरीबों की सैकड़ों एकड़ रैयती जमीन पर कब्जा किया गया है. कांग्रेस सरकार में आजादी के बाद कल कारखाने खुलते गए, माइंस, डैम बने, जिसमें आदिवासियों का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ. गांव के गांव उजड़ गए, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने विस्थापितों के पुनर्वास की चिंता नहीं की. वे रविवार को मोरहाबादी में आदिवासी संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे .उन्होंने कहा कि विस्थापन के कारण आदिवासियों की जनसंख्या घटती गई. जो इसके लिए गुनाहगार हैं, वे अपने आप को आदिवासियों का हितैषी बता रहे. लेकिन इसके निदान केलिए कोई पहल नहीं कर रहे.

खतरे में है आदिवासी समाज : मरांडी ने कहा कि आज भूमाफियाओं के साथ साथ लैंड जिहाद, लव जिहाद के माध्यम से आदिवासी समाज खतरे में है. राज्य की सत्ता में बैठे लोग उनका संरक्षण कर रहे हैं. ऐसे में आदिवासियों की जनसंख्या घटाने की हर प्रकार की साजिश हो रही है. ऐसे हालात में परिसीमन के बाद आदिवासियों की विधानसभा ,लोकसभा की सीटें घट जाएंगी. उन्होंने विभिन्न आदिवासी संगठनों को आश्वस्त किया कि वे उनकी लड़ाई में उनके साथ हैं. जो आदिवासी के नाम पर जनजाति समाज को धोखा दे रहे, वे अपराधी हैं, दंड के भागी हैं, उन्हें जनता दंड जरूर देगी, राज्य सरकार बताए कि भू माफियाओं द्वारा आदिवासियों की गलत तरीके से ली गई जमीन का म्यूटेशन कैसे हो जाता है? क्यों नही दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई होती है?

राजद जमशेदपुर पूर्वी समेत पांचों प्रमंडल में उतारेगा प्रत्याशी

पूर्व मंत्री को सम्मानित करते राजद नेता.

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरीय उपाध्यक्ष सुरेश पासवान ने कहा कि पार्टी झारखंड में पांचों प्रमंडल में प्रत्याशी उतारेगी. इसके लिए सभी प्रमंडल में पार्टी नेताओं से चुनाव को लेकर ब्लूप्रिंट मांगा गया है. सुरेश पासवान रविवार को जमशेदपुर परिसदन में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर जिला कमेटी ने पूर्वी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया है. इस पर पार्टी गंभीरता से विचार कर रही है. सहयोगी दलों से वार्ता कर जरूरत पड़ी तो यहां से प्रत्याशी उतारा जाएगा. उन्होंने कहा कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को यहां मुंह की खानी पड़ी, उसी तरह विधानसभा चुनाव में भी इंडिया गठबंधन परचम लहराएगा. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार सभी वर्ग के लोगों के हित में काम कर रही है.

अपराध प्रदेश बन गया है बिहार : पूर्व मंत्री सुरेश पासवान ने कहा कि बिहार की नीतीश सरकार ने बिहार को अपराध प्रदेश में तब्दील कर दिया है. वहां आए दिन हत्या, लूट, डकैती की घटनाएं हो रही हैं. पूर्व मंत्री के सहनी के पिता की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधी घर में घुसकर हत्या कर रहे हैं. वहां की सरकार मूकदर्शक बनी हुई है.

बैशाखी की सरकार जल्द गिरेगी

केंद्र की एनडीए सरकार को बैशाखी पर टिकी सरकार बताते हुए सुरेश पासवान ने कहा कि यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी. सरकार गठन के बाद से ही गठबंधन दलों में मतभेद उभरकर सामने आने लगे हैं. उत्तर प्रदेश नेम प्लेट विवाद पर कहा कि इस मामले में जदयू और चिराग पासवान का बयान आया है. इससे साबित होता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. प्रेसवार्ता में राजद की वरिष्ठ नेत्री शारदा देवी, पुरेन्द्र नारायण सिंह, ओम प्रकाश यादव, सुभाष यादव, कमलदेव यादव, बलदेव सिंह, राजकुमारी समेत अन्य मौजूद थे.

संताल में बांग्लादेशी आदिवासियों की जमीन लूट रहे हैं : सोमा उरांव

संवाददाता। रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के सोमा उरांव ने कहा कि धर्मांतरित जनजातियों को आरक्षण का लाभ मिलना बंद हो, क्योंकि जनजातियों की अपनी संस्कृति होती है. रूढ़ी प्रथा के तहत जीवन से लेकर मृत्यु तक विशेष कर्मकांडों के तहत संचालित किए जाते हैं. वे रविवार को कांके प्रखंड के चुटु गांव में डिलिस्टिंग विषय को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला में बोल रहे थे. उन्होंने जो दलित धर्म परिवर्तन करा लेते हैं. वे बीसी 2 में चले जाते हैं, परंतु जनजातियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसी व्यवस्था नहीं है. झारखंड के संथाल के सभी जिलों में आदिवासियों की डेमोग्राफी ही बदल गई. एक विशेष धर्म के लोग बांग्लादेश से आकर आदिवासियों की बेटी, रोटी और जमीन छीन ले रहे हैं. वहां आदिवासी महिलाओं से शादी विवाह कर रहे हैं. भोले-भाले आदिवासी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा रहे हैं. इससे संताल परगना में आदिवासियों की संख्या कम होती जा रही है.अगर ऐसी ही स्थिति रही तो आदिवासी किताबों में देखने को मिलेंगे. मौके पर प्रदेश संयोजक स्वामी देवेंद्र प्रकाश बालचंद साहू, शिव चरण करमाली, पूजा सिंह, सोना भारती, जगत किशोर महतो, विशाल सिंह, डॉ किशोर शर्मा, रघुनाथ महतो, दिलीप मुंडा, बलबीर यादव, अर्जन मंडल आदि मौजूद रहे.

आपसी विवाद में चाकूबाजी, पांच घायल

लातेहार। शहर जुबली रोड मे रविवार को आपसी विवाद में दो गुट के युवक आपस में भिड़ गये. दोनों ओर से मारपीट के दौरान चाकूबाजी हुई. इसमें महिला सहित पांच लोग घायल हो गये. घायलों में वैभव पांडेय, लालमुनी पांडेय, जितेंद्र पांडेय, अभिषेक कुमार व सौरभ कुमार शामिल है. इसमे वैभव पांडेय, जितेंद्र पांडेय, अभिषेक कुमार व सौरभ कुमार का सदर अस्पताल मे प्राथमिक इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया. मारपीट के मामले मे एक गुट के अभिषेक कुमार व दुसरे गुट के वैभव पांडेय तथा उसकी मां लालमुनी पांडेय द्वारा सदर थाना मे आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है. अभिषेक कुमार ने अपने आवेदन मे कहा है कि रविवार को 11 बजे वह अपने बानपुर स्थित तेल मिल से अपने मेन रोड स्थित घर आ रहा था. तभी जुबली रोड मे हनुमान मंदिर के समीप उसके भाई सौरभ कुमार पर कुछ युवकों द्वारा जानलेवा हमला किया गया.

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल: सुदेश

खास बातें

- आजसू पार्टी की बैठक में कार्यकर्ताओं से मिले
- कार्यकर्ताओं से मिलकर चुनावी रणनीति भी बनायी

संवाददाता। लातेहार

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान की झारखंड की गठबंधन सरकार हर मोर्चे पर फेल रही है. पिछले पांच साल इस सरकार ने कोई काम नहीं किया है. अपने किसी भी वायदे को इस सरकार ने पूरा नहीं किया. इन पांच सालों में झारखंड राज्य बहुत पीछे चला गया है. आज प्रदेश में भ्रष्टाचार व भयादोहन का बोलबाला है. सुदेश कुमार महतो शहर के स्टेशन रोड में चेतना इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित आजसू पार्टी की बैठक को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम की

लातेहार में सुदेश महतो का किया गया स्वागत.

अध्यक्षता आजसू जिला अध्यक्ष अमीत कुमार पांडेय ने की. बैठक में आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत मुख्य रूप से मौजूद थे. बैठक में लोहरा समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सरोज लोहरा, दीपक सोनी, रवि कुमार चंद्रवंशी और पंकज यादव ने आजसू की सदस्यता ग्रहण की. श्री महतो ने उनका माल्यापर्ण एवं आजसू पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. ।बैठक में मुख्य रूप से आजसू के केंद्रीय सचिव जीतेन्द्र सिंह,जिला उपाध्यक्ष बिजेंद्र दास व जिला कोषाध्यक्ष सद्दाम अंसारी, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष नितेश जायसवाल, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव और सैकड़ो कार्यकर्त्ता व नेतागण मौजूद थे.

बिहार विधानसभा मॉनसून सत्र के दौरान विस के आसपास धारा 144 लागू रहेगी

मॉनसून सत्र आज से, हंगामेदार होने के हैं आसार

संवाददाता। पटना

बिहार विधानमंडल का मॉनसून सत्र 22 जुलाई सोमवार से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलेगा. सत्र के दौरान दोनों सदनों में पांच-पांच बैठकें होंगी. सरकार की कोशिश होगी कि सत्र का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके. हालांकि विपक्ष ने सरकार को घेरने की बड़ी तैयारी कर रखी है. ऐसे में मॉनसून सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है.

मॉनसून सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत अध्यादेशों की प्रति को सदन के पटल पर रखने के साथ ही 2024-25 का पहला अनुपूरक बजट सरकार की तरफ से

बिहार विधआनसभा का भवन.

पेश किया जाएगा. 23 और 24 जुलाई को राजकीय विधेयक और अन्य राजकीय कार्य किए जाएंगे. दूसरी ओर 23 जुलाई को ही विधान परिषद् में गैर सरकारी संकल्प पेश होंगे और 24-25 जुलाई को

खास बातें

- 22 से 26 जुलाई तक चलेगा विधानसभा का मॉनसून सत्र
- मॉनसून सत्र के दौरान दोनों सदनों की 5-5 बैठकें होंगी

राजकीय विधेयक सदन में लाए जाएंगे. 25 जुलाई को विधानसभा में प्रथम अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद और वोटिंग होगी. इस दौरान विनियोग विधेयक पर भी मुहर लगेगी. सत्र के आखिरी दिन यानी 26 जुलाई को सदन में गैर सरकारी संकल्प पेश किए जाएंगे. सत्र के दौरान सरकार को घेरने के लिए विपक्ष ने रणनीति बनाई है. बिहार में बढ़ते अपराध के साथ साथ एक महीने के भीतर दर्जन भर से अधिक पुलों के धराशायी होने की घटना को मुद्दा बनाकर विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा.

राज्य में अपराध को लेकर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर बने हुए हैं. ऐसे में इन दोनों मुद्दों को लेकर हंगामे की प्रबल संभावना है. उल्लेखनीय है कि सत्र के दौरान विधानसभा के आस-पास धारा 144 लागू रहेगी. इसको लेकर प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा निर्धारित की गई है. प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी तरह के जुलूस और प्रदर्शन पर रोक रहेगी.

महिला का शव मिला हत्या की आशंका जताई

नालंदा। नालंदा के पावापुरी थाना इलाके के विशुनपुर गांव में नदी किनारे एक अर्धनग्न महिला का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. शव मिलने के बाद आसपास के लोग के साथ साथ कई गांव के लोग देखने के लिए पहुंचे, लेकिन मृतका की पहचान नहीं हो सकी. सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. वहीं, इस मामले को लेकर चर्चा यह भी है कि महिला की हत्या कर दूसरे स्थान से लाकर यहां फेंक दिया गया है ताकि हत्यारा बच सके. पुलिस ने शव की पहचान करने के लिए जिले के सभी थानों और आसपास जिलों से संपर्क कर रही है पहचान हो सके.

विधायक शंकर सिंह करेंगे नीतीश कुमार का समर्थन!

संवाददाता। पटना

रुपौली विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव जीते शंकर सिंह अब अपनी आगे की

सियासी पारी जदयू के साथ मिलकर बढ़ा सकते हैं. सूत्रों के अनुसार शंकर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने का फैसला किया है. जदयू के कुछ नेताओं के शंकर सिंह से संपर्क करने और उन्हें जदयू के साथ आने का न्योता देने की खबर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है. इस बीच रविवार को यह खबर सामने आई कि शंकर सिंह ने जदयू के साथ जाने और सीएम नीतीश को समर्थन देने का फैसला लिया है. इसे लेकर जल्द ही अधिकारिक रूप से शंकर सिंह और जदयू एक मंच पर दिख सकते हैं. माना जा रहा है कि शंकर सिंह के सीएम नीतीश के समर्थन में आने से जदयू एक साथ कई मोर्चों पर मजबूत होगी. रुपौली से बीमा भारती जदयू प्रत्याशी के तौर पर पिछले कुछ चुनावों से लगातार सफल हो रही थी. वर्ष 2020 में भी रुपौली में बीमा ने जदयू के टिकट पर चुनाव जीता था. लेकिन, इसी वर्ष जब सीएम नीतीश ने महागठबंधन छोड़कर एनडीए में आने का फैसला लिया तो बीमा भारती ने विद्रोही तेवर दिखाए. बाद में वह जदयू छोड़कर राजद में चली गई.

निशाना : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष पर किया तीखा हमला

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना, उद्धव 'औरंगजेब फैन क्लब' के प्रमुख

एजेंसी। पुणे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया. पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अहंकार प्रदर्शित करने का आरोप लगाया. उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को 'औरंगजेब फैन क्लब' का प्रमुख करार दिया और कहा कि वह 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगने वाले लोगों के साथ बैठे हैं.

शाह ने कहा कि भाजपा नीत महायुति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 2014 और 2019 के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करेगी. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पुणे में कहा, 'शरद पवार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया.' उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने हाल के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर अपनी मुहर लगाई है. शाह ने कहा, 'महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद राहुल गांधी का अहंकार चूर-चूर हो जाएगा.'शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, 'उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगा था.' उन्होंने कहा, 'औरंगजेब फैन क्लब क्या है? जो (26/11 आतंकी हमले के दोषी) कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगते हैं, जो (विवादित इस्लामी उपदेशक) जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो (प्रतिबंधित इस्लामी संगठन) पीएफआई का समर्थन करते हैं. उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए.' भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों से परेशान नहीं होना चाहिए.

पलटवार : दागी नेताओं को सदस्यता देकर भ्रष्टाचार को वैधता प्रदान कर रही है भाजपा : राकांपा (एसपी)

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने अपने नेता शरद पवार को 'भ्रष्टाचार का सरगना' कहे जाने पर रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने ही दागी नेताओं को सदस्यता देकर भ्रष्टाचार को वैधता प्रदान की है. राकांपा (एसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रेस्टो ने कहा, 'वे राजनीतिक नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं और फिर जब वे लोग, जिन पर वे आरोप लगाते हैं, भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो उन्हें क्लीन चिट दे दी जाती है. यह भ्रष्टाचार को वैध बनाने की भाजपा की वॉशिंग मशीन प्रक्रिया है.'

सिक्किम : पर्यटकों के वाहनों में कचरा फेंकने की थैली अनिवार्य

एजेंसी। गंगटोक

सिक्किम में प्रवेश करने वाले सभी पर्यटक वाहनों को अब कचरा फेंकने के लिए अनिवार्य रूप से थैली रखनी होगी. पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पर्यावरणीय स्थिरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है. इसमें कहा गया है कि टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंसी और वाहन चालकों की जिम्मेदारी होगी कि वे यात्रियों से थैलियों में कचरा फेंकने के लिए कहें. आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटकों के वाहनों की आकस्मिक जांच की

जाएगी और आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहन को दंडित किया जाएगा. पर्यटकों को कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता के बारे में शिक्षित करने के लिए स्वच्छता संबंधी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि सिक्किम में छह लाख से अधिक लोग रहते हैं और यह भारत का सबसे कम आबादी वाला राज्य है. राज्य के खूबसूरत हिमालयी स्थलों पर हर साल 20 लाख से अधिक पर्यटक आते हैं.

ब्रीफ खबरें

अमेरिका: भारतीय मूल के व्यक्ति की हुई हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना प्रांत में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस और मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. यह घटना उस समय हुई जब गैविन दसौर अपनी पत्नी के साथ घर जा रहे थे. दसौर की पत्नी मेक्सिको की हैं और हाल में उनका विवाह हुआ था. इंडियानापोलिस पुलिस विभाग (आईएमपीडी) की अधिकारी अमांडा हिब्सचमैन ने बताया कि अधिकारियों को पिछले सप्ताह मंगलवार रात आठ बजे के बाद इंडी शहर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एक चौराहे पर एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की सूचना मिली. घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वहां जमीन पर एक व्यक्ति पड़ा था और उसके शरीर पर गोली का निशान था.

मणिपुर में एक की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को लामलेन पुलिस थाना क्षेत्र के टेकचाम में हुई और मृत व्यक्ति की पहचान आर के पृथ्वी सिंह के रूप में की गई है. पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति की आंखों पर पट्टी बंधी थी, उसके हाथ उसकी पीठ के पीछे बांधे गए थे और उसे बहुत नजदीक से गोली मारी गई थी. प्रतिबंधित संगठन केसीपी (प्रोग्रेसिव) ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि सिंह सुरक्षा बलों के लिए जासूसी कर रहा था. पुलिस ने दावा किया कि सिंह एक पूर्व उग्रवादी था, जो आत्मसमर्पण कर चुके अन्य उग्रवादियों के साथ मिलकर सुरक्षा बलों के लिए जासूसी करता था.

यात्रा से पहले इंटरनेट व एसएमएस सेवा स्थगित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले नूंह जिले में मोबाइल इंटरनेट और एक साथ कई लोगों को एसएमएस भेजने की सेवाओं को 24 घंटे के लिए स्थगित करने का रविवार को आदेश दिया. पिछले साल इस यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी. हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अनुराग रस्तोगी के आदेश के अनुसार, जिले में इंटरनेट सेवा रविवार शाम छह बजे से सोमवार शाम छह बजे तक स्थगित रहेगी. नूंह जिले में तनाव, गड़बड़ी, आंदोलन, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति तथा सौहार्द बिगाड़ने की आशंका है. यह आदेश सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से 'गलत सूचना और अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए' दिया गया है.

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता के आधार पर मिलेंगी

- स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत तक कोटा बहाल था
- इस पर हिंसा भड़कने से 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, सैकड़ों घायल

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया. नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था. सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में उच्च न्यायालय ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे.

उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों तथा अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई दिन से प्रदर्शन हो रहे थे और हालात बिगड़ने पर शनिवार को पूरे देश में कठोर कर्फ्यू लगा दिया गया. सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की. बांग्लादेशी अधिकारियों ने मृतकों

और घायलों की कोई आधिकारिक संख्या साझा नहीं की है लेकिन समाचार दैनिक 'प्रथम आलो' में शनिवार को प्रकाशित एक खबर में बताया गया कि अब तक कम से कम 103 लोग मारे गए हैं.

हिंसा के मद्देनजर अमेरिका ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर अपने नागरिकों को दक्षिण एशियाई देश की यात्रा न करने का परामर्श दिया है. उसने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से वहां से आने की अनुमति दे दी है. इससे एक दिन पहले, अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नया यात्रा परामर्श जारी कर अमेरिकी नागरिकों से हिंसा से जूझ रहे देश की यात्रा से पहले पुनर्विचार करने का आग्रह किया था. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसा भड़कने के कुछ दिन बाद शनिवार को प्राधिकारियों ने पूरे देश में सख्त कर्फ्यू लागू कर दिया और सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के लिए यात्रा परामर्श के स्तर को बढ़ाकर स्तर-चार (यात्रा नहीं करें) कर दिया है. विदेश मंत्रालय ने कहा, 'अशांति, अपराध और आतंकवाद के कारण बांग्लादेश की यात्रा न करें.'

बांग्लादेश से स्वदेश लौटे असम के 120 और त्रिपुरा के 379 विद्यार्थी

गुवाहाटी/अगरतला। पड़ोसी बांग्लादेश में पिछले कुछ दिन से जारी हिंसक प्रदर्शन के मद्देनजर असम के करीब 120 छात्र तथा त्रिपुरा के 379 छात्र वहां से लौट आये. असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अजय तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि असम के छात्र अब तक करीमगंज जिले के सुतारकंडी और मेघालय के दावकी में एकीकृत जांच चौकियों के रास्ते भारत में प्रवेश कर चुके हैं. पूर्वोत्तर में छात्र एवं अन्य लोग असम, मेघालय और त्रिपुरा में एकीकृत जांच चौकियों (आईसीपी) के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे हैं. शनिवार रात तक असम के 76 छात्र दावकी से और 41 छात्र सुतारकंडी से भारत में प्रवेश कर चुके हैं. बराक घाटी के छात्र ज़्यादातर सुतारकंडी के रास्ते आ रहे हैं, जबकि ब्रह्मपुत्र घाटी के छात्र दावकी की ओर से आ रहे हैं.

महाराष्ट्र में जनवरी से जून के बीच 1,267 किसानों ने आत्महत्या की

- राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक 557 मौतें विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में हुईं

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में इस साल के शुरुआती छह महीने में 1,267 किसानों ने आत्महत्या की और इनमें से 557 मौतें राज्य के विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में हुई हैं.

राज्य सरकार की एक रिपोर्ट में दिये गए जनवरी से जून तक के आंकड़ों के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर मंडल 430 किसानों की मौत के साथ दूसरे स्थान पर है. नासिक मंडल में 137, नागपुर मंडल में 130 और पुणे मंडल में 13 किसानों की मौतें हुईं. तटीय कोंकण मंडल में किसी किसान के आत्महत्या करने का मामला सामने नहीं आया है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, 2022 में देश में किसानों

द्वारा की गई आत्महत्या के 37.6 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र से थे जो सर्वाधिक था. एनसीआरबी ने कहा कि 2022 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 11,290 लोगों ने अपनी जान दे दी, जिनमें 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे. यह देश में आत्महत्या के कुल मामलों का 6.6 प्रतिशत है. साल 2021 में, कृषि कार्यों में शामिल 10,881 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें 5,318 किसान और 5,563 खेतिहर मजदूर थे. इनमें से 37.3 प्रतिशत मौतें महाराष्ट्र में हुईं.

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की और आत्महत्या करने वालों में कृषि कार्यों से जुड़े लोगों की संख्या 6.6 प्रतिशत थी. वर्ष 2020 में, कृषि क्षेत्र से जुड़े कुल 10,677 व्यक्तियों ने आत्महत्या की. इनमें 5,579 किसान और 5,098 खेतिहर मजदूर शामिल थे. यह देश भर में दर्ज किये गए आत्महत्या के मामलों का सात प्रतिशत था. देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महाराष्ट्र का योगदान सर्वाधिक है.

उत्तराखंड में सरकारी विभागों में समायोजित किए जाएंगे अग्निवीर

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि देश सेवा कर लौटने वाले प्रदेश के अग्निवीरों को राज्य के विभिन्न विभागों में समायोजित किया जाएगा तथा इसके लिए आरक्षण का प्रावधान भी किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर योजना लाए जाने के बाद उन्होंने सेना के अधिकारियों, पूर्व अधिकरियों, जवानों तथा अन्य लोगों के साथ बैठक की थी और 15 जून 2022 को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घोषणा की थी कि उनकी सरकार पुलिस समेत राज्य के अन्य विभागों में देश सेवा करके आने वाले अग्निवीरों को समायोजित करेगी और उन्हें प्राथमिकता देगी. उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के लिए आरक्षण का भी प्रावधान किया जाएगा. धामी ने कहा कि अग्निवीरों को समायोजित करने के लिए अगर कोई अधिनियम बनाना जरूरी होगा तो उसके लिए भी प्रस्ताव मंत्रिमंडल में लाकर उसे विधानसभा में रखा जाएगा.

हिज्बुल्ला ने इजराइल के ग्रामीण इलाके में दर्जनों रॉकेट दागे

- ड्रोन हमले में अपने नागरिकों के घायल होने के बाद किया हमला

एजेंसी। बेरूत

लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल में शनिवार को दर्जनों रॉकेट दागे. पिछले नौ महीने में यह पहला मौका है जब हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट से हमला किया है. इससे पहले दिन में इजराइल ने ड्रोन से हमला किया था, जिसमें बच्चों समेत कई लोग घायल हो गये थे. हिजबुल्ला ने इसी हमले का बदला लेने के लिये यह हमला किया है.

हालांकि, फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में जनसंहार के प्रतिशोध में इजराइल के उत्तर में स्थित शोमेरा गांव में सैन्य चौकी की तरफ लेबनान से रॉकेट दागे. सरकारी समाचार एजेंसी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' (एनएनए) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि शनिवार रात को दक्षिण तटीय गांव अदलून पर इजराइली हवाई हमले में हथियारों के एक केंद्र को निशाना बनाया गया और इसके बाद कई विस्फोट हुए, जिससे आस-पास के गांवों में छर्रे बरसने लगे. इससे पास के गांव खरायेब में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. खबर में हालांकि हथियार के केंद्र के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन माना जा रहा है कि यह हिजबुल्ला का था. इस क्षेत्र में हिजबुल्ला सक्रिय है. हवाई हमले के बाद एक घंटे से अधिक वक्त तक विस्फोट होते रहे. हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल के ग्रामीण इलाके दफना पर बीसियों कत्युशा रॉकेट दागे. यह हमला दक्षिणी लेबनान के गांव बुर्ज अल-मुलुक में एक कार पर इजराइली ड्रोन हमले के कुछ घंटों बाद हुआ.

योगी सरकार पर बरसे जयंत बोले-कुर्ते पर भी लिखवा लें नाम

एजेंसी। मुजफ्फरनगर (उप्र)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को उप्र सरकार के उस आदेश की आलोचना की जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों के मालिकों से कहा गया है कि वे अपनी दुकानों पर मालिकों के नाम प्रदर्शित करें. राज्यसभा सदस्य चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ऐसा लगता है कि यह आदेश बिना सोचे-समझे लिया गया और सरकार इस पर इसलिए अड़ी हुई है क्योंकि निर्णय हो चुका है. कभी-कभी सरकार में ऐसी चीजें हो जाती हैं.' यह पूछे जाने पर कि क्या निर्णय वापस लिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा, 'अभी भी समय है कि इसे (वापस) लिया जाए या सरकार को इसे (लागू करने) पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'कांवड़ की सेवा सभी करते हैं. कांवड़ की पहचान कोई नहीं करता और न ही कांवड़ सेवा करने वालों की पहचान धर्म या जाति से की जाती है.' सरकार के फैसले का विरोध करते हुए चौधरी ने कहा कि उप्र सरकार ने यह फैसला बहुत सोच समझकर नहीं लिया है.

पीड़िता से शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो मामला खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर के उस व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिसने 18 वर्षीय लड़की का उस समय कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया जब वह नाबालिग थी. अदालत ने उनकी शादी और उनके विवाह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के बाद 23 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया. न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि यदि आरोपी मामले के बंद होने के बाद लड़की और उसके बच्चे को छोड़ देता है तो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले के तहत फिर से कार्रवाई शुरू की जा सकती है.

केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन, तीन श्रद्धालुओं की मौत

- आठ अन्य घायल, तलाश एवं बचाव अभियान जारी

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम के पैदल रास्ते पर रविवार सुबह पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में महाराष्ट्र के दो श्रद्धालु शामिल हैं.

रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर गौरीकुंड से तीन किलोमीटर

आगे चीड़वासा के पास हुआ, जहां पहाड़ी से अचानक आए मलबे और भारी पत्थरों की चपेट में वहां से गुजर रहे श्रद्धालु आ गए. रजवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया. एसडीआरएफ के सूत्रों ने बताया कि मलबे से अब तक तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि आठ लोगों को घायल अवस्था में निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है. तलाश अभियान अभी जारी है. सूत्रों के मुताबिक, ये श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए जा रहे थे और सुबह गौरीकुंड से पैदल चले थे.

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी किशोर अरुण पराटे (31), जालना (महाराष्ट्र) निवासी सुनील महादेव काले (24) और तिलवाड़ा (रुद्रप्रयाग) के रहने वाले अनुराग बिष्ट के रूप में की गई है. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख व्यक्त किया है. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने घटना को दुखद बताते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकसंतप्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की.

आम चुनाव मेरी हत्या की कोशिश के बाद चीन के राष्ट्रपति ने मुझे प्यारा सा पत्र लिखा था : ट्रंप

ट्रंप का पलटवार, कहा- मैंने लोकतंत्र के लिए गोली खाई

एजेंसी। वाशिंगटन

पेनसिल्वेनिया में एक कार्यक्रम में हुए जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पहली चुनाव प्रचार रैली में आलोचकों की इन चिंताओं को खारिज किया कि वह लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और कहा कि उन्होंने 'लोकतंत्र के लिए गोली खाई.'

मिशिगन में शनिवार को हुई रैली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस भी थे. ग्रैंड रैपिड्स के वैन एंडेल एरिना में ट्रंप और वेंस को देखने के

लिए 12,000 से अधिक लोग इकट्ठे हुए. ट्रंप (78) ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, 'वे कहते रहते हैं कि वह (ट्रंप) लोकतंत्र के लिए खतरा हैं. मैं कहता हूं, 'मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया है?' मैंने पिछले सप्ताह लोकतंत्र के लिए गोली खाई.' उन्होंने अपने हजारों समर्थकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, 'मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया? यह पागलपन है.' पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं. इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया था और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे. ट्रंप ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को चुनावी दौड़ से बाहर करने के लिए अपने ही प्राइमरी नतीजों को पलटने की कोशिश कर रही है. वहीं ट्रंप ने कहा कि पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उन पर किए गए जानलेवा हमले के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने उन्हें एक प्यारा सा पत्र लिखा था. ट्रंप ने कहा, 'मेरा राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा और वह एक बढ़िया इंसान हैं.'

ट्रंप पर हमला करने वाले बंदूकधारी ने रैली से पहले कार्यक्रम स्थल पर ड्रोन उड़ाया था : अधिकारी

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश करने वाले बंदूकधारी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के निर्धारित कार्यक्रम से पहले पेनसिल्वेनिया रैली स्थल के आसपास ड्रोन उड़ाया था, ताकि कार्यक्रम से पहले जगह का जायजा लिया जा सके. संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने ड्रोन बरामद कर लिया है. एफबीआई पिछले शनिवार को रैली में 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स द्वारा की गई गोलीबारी के मामले की जांच का नेतृत्व कर रही है. क्रुक्स ने उस 'बटलर फार्म शो' के मैदान के पास स्थित एक इमारत की छत से कई गोलियां चलाईं, जहां ट्रंप भाषण दे रहे थे.

'बाइडन के समर्थन में एकजुट हो'

एजेंसी। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अमेरिका को आगे ले जा रहे हैं. उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं से राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन के प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के 'विनाशकारी और देश को पीछे ले जाने वाले' एजेंडे को हराने के लिए मौजूदा राष्ट्रपति के समर्थन में एकजुट होने का आह्वान किया. बाइडन के समर्थक एवं एशियाई अमेरिकियों पर व्हाइट हाउस सलाहकार परिषद के सदस्य अजय जैन भूटोरिया की टिप्पणी बाइडन के राष्ट्रपति पद के नामांकन को लेकर सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में मतभेद की खबरों के बीच आई है.

बाइडन का शरीर दवाओं को अच्छी तरह झेल रहा है

वाशिंगटन। पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का शरीर कोविड-19 रोधी दवा को 'अच्छे से झेल पा' रहा है और वह राष्ट्रपति के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं. राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. केविन सी. ओ'कॉनर ने प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे को शनिवार को दिए एक ज्ञापन में कहा कि जीनोम अनुक्रमण से यह पता चला है कि बाइडन कोरोना वायरस के केपी.2.3 स्वरूप से पीड़ित हैं. अमेरिका में सामने आए कोविड-19 के हालिया मामलों में से 33.3 प्रतिशत मामले केपी.2.3 स्वरूप से संक्रमण के हैं. डॉ. ओ'कॉनर ने कहा, 'राष्ट्रपति बाइडन ने आज सुबह पैक्सलोविड की छठी खुराक ली.' उन्होंने कहा कि बाइडन को खांसी अब भी हो रही है, लेकिन उनकी तबीयत में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है.

शीर्ष स्तर पर कई डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हट जाएं ताकि नए उम्मीदवार के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके. भूटोरिया ने शनिवार को कहा, 'हम सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रचार नहीं कर रहे, बल्कि हम अपने देश के लिए लड़ रहे हैं. राष्ट्रपति बाइडन हमारे उम्मीदवार हैं क्योंकि वह उन मूल्यों और प्रगति के लिए खड़े हैं जो सभी अमेरिकियों को लाभान्वित करते हैं.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)